



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY
भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 25।
No. 25।

नई दिल्ली, शुक्रवार, फरवरी 3, 2006/माघ 14, 1927
NEW DELHI, FRIDAY, FEBRUARY 3, 2006/MAGHA 14, 1927

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 2 फरवरी, 2006

अंतिम जांच परिणाम

विषय: चीन जनवादी गणराज्य और स्वीडन मूल के अथवा वहां से निर्यातित पेंटाएरीथ्रिटोल के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जांच।

सं. 14/16/2004-डीजीएडी.—1995 में यथा संशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 और उसकी सीमाशुल्क टैरिफ (पार्टित वस्तुओं का अभिज्ञान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं वसूली और क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 को देखते हुए :—

सं. 14/16/2004-डीजीएडी - 1995 में यथा संशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 और उसकी सीमाशुल्क टैरिफ (पार्टित वस्तुओं का अभिज्ञान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं वसूली और क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 को देखते हुए:-

क. प्रक्रिया

1. जांच के संबंध में नीचे वर्णित प्रक्रिया अपनाई गई है:-
- i) निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिन्हें एतद्पश्चात प्राधिकारी भी कहा गया है) को उपरोक्त नियमों के अंतर्गत घरेलू उद्योग की ओर से मैसर्स कनोरिया कैमिकल्स एवं इण्डस्ट्रीज लिंग से एक लिखित आवेदन प्राप्त हुआ जिसमें चीन जनवादी गणराज्य और स्वीडन (जिन्हें एतद्पश्चात संबद्ध देश भी कहा गया है) मूल के अथवा वहां से निर्यातित पेंटाएरीथ्रिटोल (जिसे एतद्पश्चात संबद्ध वस्तु अथवा पेन्टा भी कहा गया है) के पाटन का आरोप लगाया गया।

- ii) प्राधिकारी ने 4.2.2005 को एक सार्वजनिक सूचना जारी की जिसे भारत के राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित किया गया था जिसके द्वारा चीन जनवादी गणराज्य और स्वीडन मूल के अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जांच शुरू की गयी थी जो सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की अनुसूची-1 के अध्याय 29 के अंतर्गत वर्गीकृत है।
- iii) प्राधिकारी ने उन ज्ञात निर्यातकों (जिनके ब्यौरे आवेदक द्वारा उपलब्ध कराए गए) को उक्त सार्वजनिक सूचना की एक-एक प्रति अग्रेषित की और उन्हें नियम 6(2) के अनुसार पत्र की तारीख से 40 दिनों के भीतर अपने-अपने विचार लिखित रूप से देने का अवसर प्रदान किया।
- iv) प्राधिकारी ने सार्वजनिक सूचना की एक-एक प्रति भारत में संबद्ध वस्तु के सभी ज्ञात आयातकों (जिनका ब्यौरा आवेदक द्वारा उपलब्ध करवाया गया था) को भेजी और उन्हें नियम 6(2) के अनुसार पत्र जारी होने की तारीख से चालीस दिनों के भीतर लिखित में अपने विचारों से अवगत कराने की सलाह दी गयी थी।
- v) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सीमाशुल्क बोर्ड (सीबीईसी) और वाणिज्यिक आसूचना एवं सांचिकी महानिदेशालय, कोलकाता से भी अनुरोध किया गया कि वह जांच की अवधि सहित पिछले 3 वर्षों के दौरान भारत में किए गए संबद्ध वस्तु के आयातों के ब्यौरे प्रस्तुत करें।
- vi) प्राधिकारी ने उक्त नियम 6(3) के अनुसार याचिका की एक-एक प्रति संबद्ध देशों के ज्ञात निर्यातकों तथा दूतावास/क्षेत्र को प्रदान की। अन्य हितबद्ध पक्षकारों, जिन्हें अनुरोध किया गया, को भी अगोपनीष आवेदन-पत्र की एक-एक प्रति प्रदान की गयी।
- vii) प्राधिकारी ने नियम 6(4) के अनुसार अपेक्षित जानकारी प्राप्त करने के लिए निम्नलिखित ज्ञात निर्यातकों/उत्पादकों को एक-एक प्रश्नावली भेजी:

 1. मैसर्स हुबर्झ यिहुआ ग्रुप लिमिटेड लायबिलिटी कं0, चीन जन.गण.
 2. मैसर्स गुइझो क्रीस्टल कैमिकल कं0 लि0, चीन जन.गण.
 3. मैसर्स चाइना नेशनल कैमिकल कन्सट्रक्शन कारपोरेशन, चीन जन.गण.
 4. मैसर्स परस्टार्प स्पेशलिटी कैमिकल्स, स्वीडन

viii) प्राधिकारी ने नियम 6(4) के अनुसार एक-एक प्रश्नावली संबद्ध वस्तु के निम्नलिखित ज्ञात आयातकों/प्रयोक्ता संघों को भी भेजी:-

1. मै0 विबगीयर पेंट्स प्रा0 लि0, मुंबई
2. मै0 सनमान ट्रेड इम्पेक्स प्रा0 लि0 मुंबई
3. मै0 सरफ कैमिकल्स लि0, मुंबई
4. मै0 अल्कॉन इन्टरप्राइजेज, कोलकाता
5. मै0 ए.वी.एम. सेल्स प्रा0 लि0, कोलकाता
6. मै0 सीबा स्पेशिलिटी कैमिकल्स (इंडिया) लि0, मुंबई
7. मै0 डेको पेंट्स, हैदराबाद
8. मै0 दुजोड़वाला पेपर कैमिकल्स लि0, रायगढ़
9. मै0 गार्फ इंडस्ट्रीज प्रोप, नवी मुंबई
10. मै0 मित्सु इण्डस्ट्रीज लि0, मुंबई
11. मै0 रेजिन्स एवं पिग्मेंट्स, पियाम्पुर (म.प्र.)
12. मै0 कैमी कलर एजेंसी, कोलकाता
13. मै0 शालीमार पेंट्स लि0, हावड़ा
14. मै0 दुजोड़वाला पेपर कैमिकल्स, मुंबई
15. मै0 ईस्टकोर्प इन्टरनेशनल, कोलकाता
16. मै0 गरवारे पॉलिस्टर लि0, मुंबई
17. मै0 एच.आर. ट्रेडिंग कं0 प्रा0 लि0, मुंबई
18. मै0 लिओ कैमोप्लास्ट प्रा0 लि0, मुंबई
19. मै0 समीर डाई कैम, मुंबई
20. मै0 बर्जर पेंट्स इंडिया लि0, मुंबई
21. मै0 सेन्चुरी इंका लि0, मुंबई
22. मै0 एडीशन पेंट्स कैमिकल्स, चेन्नई
23. मै0 कोट्स ऑफ इंडिया लि0, मुंबई
24. मैसर्स हार्डकैसल एण्ड वौल मैन्युफैक्चरिंग कं0 लि0, मुंबई
25. मै0 गुडलास नेरोलैक पेंट्स लि0, मुंबई
26. मै0 हीरो डाई कैम इण्डस्ट्रीज, मुंबई
27. मै0 हिन्दुस्तान इंक्स एण्ड रेजिङ्स लि0, मुंबई
28. मै0 आई वीपी लि0, थाणे
29. मै0 जेन्सन एण्ड निकोलस (आई) लि0, कोलकाता

30. मै0 पारस डाइस एण्ड कैमिकल्स, मुंबई
31. मै0 परस्टोर्प ऐजीज कैमिकल्स प्रा0 लि0, वल्साड
- ix) बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी प्रश्नावली (एमईटी) चीन जन.गण. के सभी ज्ञात निर्यातकों और ब्यूरो ऑफ ट्रेड फेयर(बीओएफटी), चीन सरकार को भेजी गयी। जबकि जांच प्रारंभ के प्रयोजनार्थ चीन जन.गण. के सामान्य मूल्य पर चीन जन.गण. के संबद्ध माल के उत्पादन की परिकलित लागत के आधार पर विचार किया गया। प्राधिकारी ज्ञात निर्यातकों को सूचित करते हैं कि उसका यथा संशोधित पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 और 8 के आलोक में आवेदक के दावे की जांच करने का प्रस्ताव है। अतः चीन जन.गण. के संबद्ध माल के संबंधित निर्यातक/उत्पादक से पैराग्राफ 8 के उप-पैराग्राफ (3) में यथा उल्लिखित आवश्यक सूचना/पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत करने का अनुरोध किया गया था ताकि प्राधिकारी इस तथ्य पर विचार कर सकें कि क्या उन सहयोगी निर्यातक/उत्पादकों को बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार प्रदान किया जाये जो यह प्रदर्शित कर सकें कि वे उपर्युक्त पैराग्राफ में निर्धारित मापदण्ड को पूरा करते हैं।
- x) उक्त प्रश्नावली/अधिसूचना का प्रत्युत्तर/जानकारी निम्नलिखित निर्यातकों/उत्पादकों द्वारा दर्ज कराई गई:-
1. मै0 सिनोकेम जियांगसु इम्पोर्ट एण्ड एक्सपोर्ट कारपोरेशन, चीन जन.गण. (जिसे एतद्पश्चात सिनोकेम कहा गया है)
 2. मै0 हुबेई यिहुआ कैमिकल इण्डस्ट्री कं0 लि0, चीन जन.गण. (जिसे एतद्पश्चात हुबेई कहा गया है)
 3. मै0 शांकसी सानवेई ग्रुप कं0 लि0, चीन जन.गण. (जिसे एतद्पश्चात शांकसी कहा गया है)
 4. मै0 परस्टोर्प स्पेशलिटी कैमिकल्स एबी, स्वीडन (जिसे एतद्पश्चात परस्टोर्प कहा गया है)
- xi) निम्नलिखित आयातकों/प्रयोक्ता/संघी द्वारा प्रश्नावली/अधिसूचना का उत्तर/जानकारी प्रस्तुत की गयी:-
1. मै0 गुडलास नेरोलैक पेंट लि0

- xii) प्राधिकारी ने चीन जन.गण. तथा स्वीडन के मूल के अथवा वहां से निर्यातित पेंटाएस्थीटोल के आयातों के संबंध में पाटनरोधी जांच से संबंधित दिनांक 5 अगस्त, 2005 की अपनी अधिसूचना द्वारा प्रारंभिक जांच परिणामों को अधिसूचित किया और इच्छुक पक्षकारों से अनुरोध किया कि वे उसके प्रकाशन की तारीख से 40 दिनों के भीतर अपने-अपने विचार लिखित रूप में प्रस्तुत कर दें।
- xiii) प्राधिकारी ने उन ज्ञात इच्छुक पक्षकारों को प्रारंभिक जांच परिणामों की एक-एक प्रति अग्रेषित की जिनसे अनुरोध किया गया कि वे प्रारंभिक जांच-परिणामों पर उक्त पत्र की तारीख से 40 दिनों के भीतर अपने-अपने विचार दर्ज करा दें।
- xiv) प्राधिकारी ने प्रारंभिक जांच परिणामों की एक-एक प्रति संबद्ध देश के दूतावासों/क्षेत्र को भी अग्रेषित की और उनसे अनुरोध किया कि वे प्रारंभिक जांच परिणामों पर अपने-अपने विचार प्रस्तुत कर दें।
- xv) प्राधिकारी ने इच्छुक पक्षकारों की मौखिक सुनवाई के लिए दिनांक 21 सितंबर, 2005 को एक सार्वजनिक सुनवाई आयोजित की जिसमें घरेलू उद्योग के प्रतिनिधि और अन्य इच्छुक पक्षकार उपस्थित हुए। इस सार्वजनिक सुनवाई में उपस्थित पक्षकारों से अनुरोध किया गया कि वे मौखिक रूप से व्यक्त अपने-अपने विचारों को लिखित रूप में दर्ज करा दें। निर्दिष्ट प्राधिकारी ने इस प्रकार इच्छुक पक्षकारों से प्राप्त लिखित निवेदनों पर इस जांच में विचार किया।
- xvi) प्रारंभिक जांच परिणामों की घोषणा से पहले इच्छुक पक्षकारों द्वारा किए गए तर्कों जिन्हें पहले अधिसूचित प्रारंभिक जांच-परिणामों में शामिल किया गया है, की यहां संक्षिप्तता के प्रयोजनार्थ पुनरावृत्ति नहीं की गई है। किंतु, इच्छुक पक्षकारों द्वारा किए गए तर्कों पर प्रारंभिक जांच-परिणामों और/अथवा इन जांच परिणामों में समुचित कार्यवाही की गई है।
- xvii) प्राधिकारी ने आवश्यक सीमा तक घरेलू उद्योग का मौके पर सत्यापन किया। क्षति के संबंध में याचिकाकर्ता से अतिरिक्त ब्यौरे मांगे गए, जो प्राप्त भी हो गए थे।
- xviii) उपरोक्त नियमावली के नियम 16 के अनुसार इन जांच परिणामों के लिए आवश्यक तथ्यों/आधार का खुलासा ज्ञात इच्छुक पक्षकारों को दिनांक 9.1.2006

को किया गया और उस पर प्राप्त टिप्पणियों पर इन जांच परिणामों में विधिवत विचार किया गया है।

- xix) प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य के अगोपनीय अंश प्राधिकारी द्वारा रखी गयी सार्वजनिक फाइल के रूप में उपलब्ध रखे और उसे नियम 6(7) के अनुसार हितबद्ध पक्षकारों के निरीक्षण हेतु खुला रखा।
- xx) सामान्यतः स्वीकृत लेखा सिद्धांतों(जीएएपी) और आवेदक द्वारा प्रस्तुत जानकारी के आधार पर भारत में संबद्ध माल की इष्टतम उत्पादन लागत और विनिर्माण एवं बिक्री लागत की गणना के लिए लागत जांच की गई ताकि इस बात का पता लगाया जा सके कि पाटन मार्जिन से कम राशि का पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग को हो रही क्षति को समाप्त करने के लिए पर्याप्त रहेगा।
- xxi) *** पर इस अधिसूचना में हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत जानकारी है और प्राधिकारी ने नियमानुसार गुण-दोष के आधार पर उसी पर विचार किया है।
- xxii) जांच में 1 अक्टूबर, 2003 से 30 सितंबर, 2004 तक (12 महीने) की अवधि अर्थात् जाँच अवधि (पीओआई) शामिल की गई। क्षति विश्लेषण के संदर्भ में रुझानों की जाँच में अप्रैल, 2001- मार्च, 2002, अप्रैल 2002-मार्च, 2003 और अप्रैल, 2003-मार्च, 2004 और जाँच अवधि शामिल की गई।

ख. विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु

इच्छुक पक्षकारों के विचार

2. मै0 परस्टोर्प एजिज ने निवेदन किया है कि:
 - क) जिस उत्पाद का वे निर्यात कर रहे हैं वह विचाराधीन उत्पाद के उत्पादन में प्रयुक्त एक कच्चा माल है।
 - ख) मै0 परस्टोर्प (केमिकल रूट) द्वारा प्रयुक्त प्रक्रिया के परिणामस्वरूप ऐसी कला प्रक्रिया की तुलना में अधिक शुद्धता वाला उत्पाद प्राप्त होता है जिसमें अतिरिक्त प्रसंस्करण की आवश्यकता होती है जिससे लागत में भी वृद्धि होती है।
 - ग) पाटनरोधी करार के उपबंधों के तहत पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने हेतु अर्ह किसी उत्पाद के लिए अनुच्छेद 2.1 में यह अपेक्षा है कि पाटित उत्पाद का 'अन्य देश के

वाणिज्य में परिचय¹ कराया जाए पर्स्टार्प एजिज ने आगे यह भी तर्क दिया है कि विचाराधीन उत्पाद का परिचय भारत के वाणिज्य में नहीं कराया जा रहा है क्योंकि स्वीडन से आयातित कच्चा माल वाणिज्यिक प्रयोग और परस्पर प्रतिस्थापनीयता तथा वस्तुओं में मात्रा एवं स्थायित्व अंतर दोनों दृष्टियों से काफी भिन्न है। भारतीय बाजार में पर्स्टार्प द्वारा बेचा गया उत्पाद आयातित कच्चे माल से काफी भिन्न है क्योंकि उसे बेचने से पहले उस पर दोबारा काम किया जाता है, उसकी दोबारा पैकिंग तथा प्रसंस्करण होता है।

- घ) पर्स्टार्प विचाराधीन उत्पाद के "विनिर्माण" पर उत्पाद शुल्क का भुगतान करता है।

घरेलू उद्योग के विचार

3. घरेलू उद्योग ने निवेदन किया है कि:

- क) पेंटाएस्थ्रीटोल के विभिन्न किस्मों के उत्पादन प्रक्रिया अधिकांशतया एकसमान रहती है।
- ख) याचिकाकर्ता के मामले में 2% से भी कम उत्पादन नाइट्रेशन ग्रेड होता है जबकि डिपेंटा का उत्पादन तकनीकी ग्रेड में 0.5 से कम और 97% उत्पादन से अधिक होता है।
- ग) मोनोपेंटा एक कच्चा माल नहीं होता बल्कि यह पेंटा का एक प्रकार होता है। पर्स्टार्प, स्वीडन के उत्पाद साहित्य से यह भी देखा जा सकता है कि पेंटाएस्थ्रीटोल - मोनो और पेंटाएस्थ्रीटोल - टेक्नीकल के कार्य तथा प्रयोग एक दूसरे से भिन्न हैं। पूरे विश्व में पेंटाएस्थ्रीटोल के अन्य अग्रणीय उत्पादकों का उत्पाद साहित्य उसी स्थिति को परिलक्षित करेगा जैसाकि याचिकाकर्ता, एशियन पेंट्स तथा पर्स्टार्प, स्वीडन के उत्पाद साहित्य से परिलक्षित होता है।
- घ) यदि पर्स्टार्प एजिज द्वारा आयातित उत्पाद विचाराधीन उत्पाद का कच्चा माल है त तब न तो कंपनी के हितों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा और न ही यह कंपनी एक इच्छुक पक्षकार के रूप में अपना दावा ही कर सकती है। विचाराधीन उत्पाद पर पाटनरोधी शुल्क लगाए जाएंगे लेकिन उसके कच्चे माल पर नहीं।
- ड.) पर्स्टार्प एजिज द्वारा अपनायी गई तथाकथित उत्पादन प्रक्रिया और कुछ नहीं है बल्कि यह अलग-अलग शुद्धताओं के पेंटा की ब्लैंडिंग तथा रिबैंगिंग है जिससे अपेक्षित शुद्धताओं का पेंटा प्राप्त हो सके और तब उसे भारतीय बूजार में बेचा जा सके।

- घ) चीन द्वारा पाटन से पर्स्टर्प एजिज के दावे को न्यायोचित नहीं ठहराया जाता कि उन्होंने अपना उत्पादन रोक दिया है और अब वह आयातों का सहारा ले रहे हैं बल्कि वे ऐसी पाटन पद्धतियों के विरुद्ध कानूनी कार्यवाही कर सकते थे किंतु उन्होंने उत्पादन को कम करने और अपनी संबद्ध कंपनी से आयात करने को बेहतर समझा ।
- छ) पर्स्टर्प एजिज द्वारा अपनाई गई तथाकथित उत्पादक प्रक्रिया के परिणामस्वरूप केवल उसके रूप में परिवर्तन आया है लेकिन उत्पाद एक जैसा रह गया ।
- ज) पर्स्टर्प ने कहा है कि तकनीकी पेंटा 95% का आयात नहीं किया गया है और कहा है कि टेक पेंटा 90% का आयात किया गया है । इस प्रकार पुनः बेचे गए उत्पाद तथा आयातित उत्पाद में जो केवल अंतर है वह शुद्धता का है । आयातित तथा पुनः बेचे उत्पाद की शुद्धता में मामूली अंतर को असमान उत्पाद के रूप में वर्णित नहीं किया जा सकता और वह भी तब जबकि शुद्धता में परिवर्तन अलग-अलग शुद्धताओं के ब्लेंडिंग तथा बैगिंग द्वारा प्राप्त की गई है ।
- झ) आयातित उत्प्राद तथा घरेलू उत्पाद दोनों में आवश्यक रूप से एक समान वास्तविक तथा रासायनिक विशेषताएं हैं । इसके अलावा, संबंधित आयातक द्वारा किए गए प्रसंस्करण कार्यकलाप पर्याप्त नहीं पाए गए अतः दोनों उत्पादों को समान उत्पाद माना जाना चाहिए ।
- ट) आयातित मोनोपेंटा तथा तकनकी पेंटा का प्रयोग पेंटा एनजी के उत्पादन के लिए किया जाता है अतः पेंटा एनजी कोई उत्पाद नहीं है बल्कि आयातित उत्पाद का अलग स्वरूप है ।
- ठ) पर्स्टर्प एजिज के विभिन्न लेखा एवं सांविधिक रिकॉर्ड स्पष्ट रूप से यह साबित करते हैं कि पेंटा एजिज केवल ब्लेंडिंग तथा रिबैगिंग के कार्य करता है । अतः ऐसे ब्लेंडिंग तथा रिबैगिंग से असमान उत्पादों के रूप में दो अलग-अलग उत्पाद प्राप्त नहीं हो सकते हैं । हालांकि उत्पादन प्रक्रिया उत्पाद शुल्क नियमावली के भीतर होती है । विभिन्न ग्रेडों के पेंटाएरिथ्रीटोल के लिए एसआईओएन मानदंड एकसमान होते हैं ।

प्राधिकारी द्वारा जांच

4. वर्तमान आवेदन में विचाराधीन उत्पाद चीन जन.गण. और स्वीडन के मूल के अथवा वहां से निर्यातित पेंटाएरिथ्रीटोल है । इस अनुप्रयोग अल्काइड रेजिन, नेजिन इस्टर्स, प्लास्टि साइर्जर्स, मुद्रण स्थानी, सिंथेटिक रबड़, प्लास्टिक के

स्टेब्लाइजन, मोडिफाइड ड्राईंग आयल्स, डिटोनेटर्स, विस्फोटकों, भेषजों, कोर ऑयलों और सिंथेटिक लुब्रिकेंट में किया जाता है। इसका वर्गीकरण सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 के अध्याय 29 के अंतर्गत सीमाशुल्क उप-शीर्ष 2905.42 के अंतर्गत किया गया है। तथापि, यह वर्गीकरण केवल संकेतात्मक है और वर्तमान जांच पर किसी प्रकार से बाध्यकारी नहीं है।

5. इसका उत्पादन इलैक्ट्रालिसिस सेपरेशन टेक्नालॉजी अथवा फ्रैक्शनल क्रास्टालिजेशन टेक्नालॉजी द्वारा किया जा सकता है। तथापि इन दो प्रौद्योगिकियों द्वारा उत्पादित उत्पाद के गुणधर्मों में कोई अंतर नहीं है। यह टेक्निकल ग्रेड अथवा नाइट्रेट ग्रेड का हो सकता है। दोनों ग्रेडों का उत्पादन एक ही प्रक्रिया से किया जाता है। तथापि, उत्पाद का विश्लेषणात्मक जांच की अवस्था में उत्पादन के पश्चात मात्र ग्रेडेशन का मामला रहा जाता है। 'पेन्टाएरीथ्रिटोल' की उत्पत्ति 'एस्थ्रीटोल' से हुई है जो चार जाइड्रोक्साइल समूह की उपस्थिति दर्शाता है और उपसर्ग 'पेन्टा' यह प्रदर्शित करता है कि अणु में पांच कार्बन परमाणु हैं। पेन्टाएरीथ्रिटोल का विनिर्माण एल्कालीन कन्डेसिंग एजेंट की उपस्थिति में एक्चायस चरण में एसीटाल्डीहाइड एवं फार्मोल्डीजाइड की प्रतिक्रिया द्वारा किया जाता है। उत्पाद की विशिष्टताओं का वर्णन उपस्थिति, मोनोपेंटाएरीथ्रिटोल के तत्व, घुलन बिन्दु और भस्म की मात्रा इत्यादि के अनुसार किया जाता है। आवेदक यह दावा करता है कि उत्पादक जैसे परस्टोर्प एजिस इन दो ग्रेडों में से एक ग्रेड का उत्पादन नहीं करता है और न ही इस प्रकार का उत्पादक इसमें से किसी एक ग्रेड के उत्पादन पर नियंत्रण रख सकता है। तथापि, आवेदक जैसा उत्पादक कुछ सीमा तक नाइट्रेशन ग्रेड के उत्पादन को विनियमित कर सकता है, जो मांग पर निर्भर करेगा। पेंटाएरीथ्रिटोल जिसकी शुद्धता 98% से अधिक है और इसमें बेतर क्राइटल निर्माण सकता, का प्रयोग विस्फोटक उद्योग में किया जा सकता है और इसलिए इसका निर्माण वाणिज्यिक क्षेत्र में 'नाइट्रेशन ग्रेड' के रूप में किया गया है। तथापि, पेन्टाएरीथ्रिटोल जिसे 'नाइट्रेशन ग्रेड' कहा जाता है, का प्रयोग अल्काइड रेजिन्स और अन्य उत्पादों (जहां अन्य ग्रेड 'तकनीकी ग्रेड' पेन्टाएरीथ्रिटोल का प्रयोग किया जाता है) घरेलू उद्योगोंने यह अनुरोध किया है कि तथापि, इस उत्पादन प्रक्रिया से 'तकनीकी ग्रेड' का उत्पादन होता है और 2% से कम का नाइट्रेशन के ग्रेड में उत्पादन होता है जबकि डाइपेंटा का उत्पादन 0.5% से कम है। डाई-पेन्टाएरीथ्रिटोल ऐसा उत्पाद नहीं है जिस पर इस जांच में विचार किया जा सके।
6. आवेदक ने निवेदन किया है कि पेर्स्टोर्प द्वारा भारत में बेचा जा रहा उत्पाद तकनीकी पेंटायरीथ्रिटोल 95% है जो विभिन्न शुद्धताओं वाले दो पेंटायरीथ्रिटोल अर्थात् तकनीकी पेंटायरीथ्रिटोल 88% (30%) और पेंटायरीथ्रिटोल मोनो ग्रेड 98%(70%) का मिश्रण है। इसके अतिरिक्त उन्होंने तर्क दिया है कि विभिन्न

उपभोक्ताओं को अपनी प्रक्रिया संबंधी अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए अलग-अलग शुद्धता, संघटकों तथा संगलन बिन्दुओं वाले पेंटायरीश्ट्रिटोल की आवश्यकता होती है और उपभोक्ताओं को उनके अपेक्षित मापदण्डों वाले उत्पाद की आपूर्ति उत्पाद के मिश्रण द्वारा की जा रही है। मोनो पेंटायरीश्ट्रिटोल 89% वाले पेंटायरीश्ट्रिटोल तकनीकी ग्रेड का प्रयोग मोनो पेंटायरीश्ट्रिटोल 98% वाले पेंटायरीश्ट्रिटोल (मोनो) ग्रेड से विनिर्मित उत्पादों के समान उत्पादों के विनिर्माण में किया जाता है। पेंटायरीश्ट्रिटोल (अधिकतर मोनोपेंटा के रूप में पारिभाषित) तथा अन्य संघटकों की शुद्धता उत्पाद के विनिर्माण के लिए प्रयुक्त आणविक अनुपात तथा अन्य प्रक्रियात्मक परिस्थितियों के अनुसार अलग-अलग होती है। पेंटायरीश्ट्रिटोल की शुद्धता कम से कम 92% से लेकर अधिकतम 98% तक होती है। भिन्न-भिन्न शुद्धताओं वाले पेंटायरीश्ट्रिटोल समान उत्पाद की भाँति हैं और वे वर्तमान जांच के दायरे के भीतर हैं। पेर्स्टार्प ने निवेदन किया है कि वे भारत में संबद्ध वस्तु के प्रमुख घरेलू उत्पादक हैं और मोनो पेंटा 98% तथा तकनीकी पेंटा 89-90% जैसी कच्ची सामग्रियों का स्वीडन से आयात करके तकनीकी पेंटा 95% का विनिर्माण करते हैं। उन्होंने यह भी तर्क दिया कि ये सभी तीनों पेंटा विभिन्न ग्रेडों के हैं जिन पर समान उत्पाद के रूप में विचार नहीं किया जा सकता है।

7. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा दायर किए गए निवेदनों की जांच करने पर यह नोट किया जाता है कि पेर्स्टार्प एजिज के इस दावे को साक्ष्यों से प्रमाणित नहीं किया गया कि आयातित कच्चे माल का जाँचाधीन संबद्ध माल के विनिर्माण के लिए और अधिक प्रसंस्करण किया जाता है और उनके यूनिट पर मौके पर सत्यापन के दौरान यह पाया गया था कि पेंट उद्योग द्वारा 89%-98% तक के विभिन्न शुद्धियों वाले पेंटा की सप्लाई की गई। इच्छुक पक्षकारों द्वारा उपलब्ध कराई गई विभिन्न सामग्री के अलावा प्राधिकारी पेर्स्टार्प एजिज के परिसरों पर किए गए सत्यापन पर विश्वास करता है। यह पाया गया कि इस कंपनी ने विचाराधीन उत्पाद की दो अलग-अलग शुद्धताओं वाले पेंटाएरिश्ट्रिटोल की ब्लैंडिंग तथा रिबैंग की थी। यह भी पाया गया कि आयातित उत्पादों के ब्लैंडिंग प्रसंस्करण में न तो आवश्यक उत्पाद विशेषता में कोई ज्यादा परिवर्तन किया गया और न ही कंपनी ने कोई ज्यादा संयंत्र एवं उपस्कर, पूँजी निवेश, विनिर्माण प्रक्रिया, और उत्पादन कार्यकलाप ही किए थे। इस उत्पाद के संबंध में उपलब्ध तकनीकी साहित्य से पेंटाएरिश्ट्रिटोल तथा डाईपेंटाएरिश्ट्रिटोल दो अलग-अलग उत्पाद सामने आते हैं। किंतु, पेर्स्टार्प एजिज द्वारा ऐसा कोई पर्याप्त साक्ष्य नहीं दिखाया गया जिससे उनके इस दावे की पुष्टि होती हो कि मोनोपेंटा तथा तकनीकी पेंटा दो अलग-अलग उत्पाद होते हैं जिनमें अलग-अलग उत्पाद गुण अलग-अलग होते हैं और उनकी उत्पादन प्रक्रिया, कार्य तथा प्रयोग अलग-अलग होते हैं, वे दोनों कीमत निर्धारण की दृष्टि से काफी अलग-अलग होते हैं। इसके विपरीत जांच से विदित हुआ कि इन दोनों किस्मों के एक जैसे उत्पाद गुण हैं, उनका उत्पादन एक समान उत्पादन प्रक्रिया के प्रयोग से किया जाता है, उनके कार्य तथा प्रयोग एक

समान हैं और वे दोनों एकसमान सीमाशुल्क वर्गीकरण के तहत आते हैं। घरेलू उद्योग ने पेंटा(सभी ग्रेडों) के लिए एसआईओएन मानदंड रखे हैं जिनमें पेंटा के विभिन्न ग्रेडों को एकसमान उत्पाद के रूप में समाविष्ट किया गया है और इस बात का समर्थन प्रयोक्ता उद्योग द्वारा अपने प्रत्युत्तर में भी किया गया है। इस विषय पर उपलब्ध तकनीकी साहित्य के अनुसार पेंटाएरिथ्रीटोल तथा डाईपेंटाएरिथ्रीटोल को दो अलग-अलग उत्पाद हैं और न कि मोनोपेंटा तथा तकनीकी पेंटा और किसी भी इच्छुक पक्षकार ने मोनोपेंटा तथा तकनीकी पेंटा को दो अलग-अलग उत्पाद होने का साक्ष्य नहीं बताया है। प्राधिकारी नोट करता है कि पेंटायरिथ्रीटोल दो ग्रेड अर्थात् तकनीकी ग्रेडर (टीजी) या नाइट्रेशन ग्रेड (एनजी) का हो सकता है, तथापि तकनीकी ग्रेड पेंटा और नाइट्रेशन ग्रेड पेंटा के बीच कोई वास्तविक अंतर नहीं है और दोनों ग्रेडों का उत्पादन एक ही प्रक्रिया से किया जाता है। यह केवल ग्रेडेशन का मामला है जो उत्पाद की विश्लेषणात्मक जाँच के चरण में किया 'जाता है'। घरेलू उद्योग की लागत तथा बिक्री सूचना के सत्यापन की प्रक्रिया के दौरान उनकी बिक्री एवं उत्पाद शुल्क बहियों से यह स्थापित हुआ था कि पेंट उद्योग द्वारा उनके विनिर्माण सेट-अप में भिन्न-भिन्न शुद्धियों वाले पेंटा का प्रयोग किया जा रहा है। सत्यापन दौरे के दौरान घरेलू उद्योग ने दर्शाया था कि उत्पादन प्रक्रिया के दौरान पेंटा के समग्र उत्पादन का 2% से भी कम नाइट्रेशन ग्रेड का उत्पादन होता है जबकि 97% से भी अधिक भाग तकनीकी ग्रेड का होता है और पाटनरोधी नियमावली के अर्थ के भीतर वे समान उत्पाद हैं। प्राधिकारी के समक्ष उपलब्ध कराई गई सूचना के आधार पर यह नोट किया जाता है कि केवल नाम के साथ शुद्धता और ससके नाम (जो 92% - 98% के बीच में होती है) में परिवर्तन करने से आयातित उत्पाद विचाराधीन उत्पाद, पेंटायरिथ्रीटोल से भिन्न नहीं हो जाता है। यह भी नोट किया जाता है कि यद्यपि पेस्टर्प एजिज द्वारा पुनर्विक्री किया गया उत्पाद आयातित उत्पाद से भिन्न हो सकता है और बिक्री के पूर्व उसका प्रसंस्करण किया गया हो सकता है, तथापि पुनर्विक्री किया गया उत्पाद पेंटायरिथ्रीटोल ही है और पेस्टर्प एजिज द्वारा ऐसा कोई सत्यापन-योग्य साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया गया जिससे यह स्थापित हो सके कि आयातित उत्पाद और पुनर्विक्री किया गया उत्पादन पाटनरोधी नियमावली के अर्थ के भीतर समान उत्पाद नहीं हैं।

8. पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(घ) में यह विनिर्दिष्ट किया गया है कि 'समान वस्तु' का आशय एक ऐसी वस्तु से है जो हर तरह से जाँचाधीन उत्पाद जैसी अथवा समान हो और ऐसी किसी वस्तु के अभाव में कोई दूसरी वस्तु जो जाँच के अधीन वस्तुओं से अत्यधिक मिलती जुलती है। इस नियमावली के इस संदर्भ में यह साबित करने के लिए कोई भी पर्याप्त/वास्तविक साक्ष्य प्रदान नहीं किया गया कि घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित संबद्ध वस्तु और संबद्ध देशों से आयातित उत्पाद

के बीच कोई अंतर हो । आवेदक द्वारा उत्पादित संबद्ध माल अनेक कारकों की दृष्टि से आयातित उत्पाद के तुलनीय पाया गया है जिनमें शामिल है उत्पाद गुण, उत्पादन प्रक्रिया, कार्य तथा प्रयोग, कीमत निर्धारण, सीमा शुल्क वर्गीकरण । घरेलू उत्पाद वाणिज्यिक तथा तकनीकी दृष्टियों से आयातित उत्पाद की प्रतिस्थापनीय पाया गया है । निर्दिष्ट प्राधिकारी के समक्ष प्रस्तुत साक्ष्य के आधार पर प्राधिकारी निर्णय देता है कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित माल संबद्ध देशों से आयातित माल की समान वस्तु है ।

9. प्राधिकारी ने मै० पर्स्टर्प एजिज के संयंत्र का मौके पर सत्यापन किया जिससे इस कंपनी के दावों की पड़ताल की जा सके । यह पाया गया कि सिल्वासा स्थित यूनिट-II (जहां आयातित उत्पाद को ब्लेंड किया जाता है) कार्यचालन में नहीं है । इस कंपनी से कहा गया कि वे किए जा रहे उत्पादन कार्यकलापों का ब्यौरा बताएं और निम्नलिखित के संबंध में भी जानकारी प्रदान करें-

- उत्पादन प्रौद्योगिकी
- लगाए गए संयंत्र एवं उपस्कर
- पूंजी निवेश
- उत्पादन प्रक्रिया
- खपत किए गए कच्चे माल की सूची और लागत निर्धारण जानकारी के प्रपत्र के अनुसार खपत के ब्यौरे और लागत निर्धारण जानकारी के प्रपत्र ख के अनुसार प्रतियूनिट खपत
- खपत किए गए "कच्चे माल"/उत्पादित "अंतिम उत्पाद" के विनिर्देशन
- आयातित पेंटा/घरेलू बाजार में बेचे गए पेंटा के विभिन्न कार्य तथा प्रयोग

10. इस कंपनी ने पूरी जानकारी प्रदान नहीं की । यह पाया गया कि उत्पादन प्रक्रिया दो अलग-अलग शुद्धता वाले पेंटा की मात्र ब्लेंडिंग है जिसके परिणामस्वरूप एक अलग शुद्धता वाला पेंटा प्राप्त होता है । पर्स्टर्प द्वारा न तो यह साबित किया जा सका कि आयातित उत्पाद तथा पुनः बेचा गया उत्पाद पर्याप्त दृष्टि से अलग-अलग हैं और न ही वे यह साबित कर सके कि उनकी प्रतिस्थापित प्रतिक्रिया के परिणामस्वरूप कोई भिन्न उत्पाद प्राप्त होता है । कंपनी से यह भी कहा गया कि वे अपने दो अलग-अलग संयंत्रों पर उत्पादित पेंटाएरिथ्रीटोल की उत्पादन लागत के अलग-अलग ब्यौरे प्रस्तुत करें । किंतु उत्पादन लागत के संबंध में उन्होंने ऐसी कोई जानकारी प्रदान नहीं की । उपरोक्त के मद्देनजर यह साबित नहीं किया जा सका कि आयातित पेंटाएरिथ्रीटोल और इस कंपनी द्वारा अपने दो अलग-अलग यूनिटों में उत्पादित तथा बेचे गए पेंटाएरिथ्रीटोल और घरेलू उद्योग द्वारा सप्लाई किए गए पेंटाएरिथ्रीटोल समान उत्पाद नहीं हैं ।

11. प्राधिकारी नोट करता है कि हालांकि कंपनी दावा किया कि वे भी घरेलू उद्योग हैं लेकिन उन्होंने घरेलू उद्योग को हो रही क्षति के बारे में कोई भी जानकारी उपलब्ध नहीं कराई। कंपनी न तो यह साबित कर सकी कि उनके द्वारा आयातित माल उनके द्वारा बेचे गए माल का समान उत्पाद नहीं है और न ही कंपनी यह साबित कर सकी कि उनके द्वारा आयातित माल और घरेलू उद्योग(कनौरिया केमिकल्स) द्वारा उत्पादित तथा बेचे गए माल समान उत्पाद नहीं हैं।

ग. घरेलू उद्योग

घरेलू उद्योग के विचार

12. घरेलू उद्योग ने निवेदन किया है कि;
- क) विचाराधीन उत्पाद के तीन उत्पादक हैं जिनमें याचिकाकर्ता, पस्टर्प एजिज तथा एशियन पेंट्स शामिल हैं।
- ख) पस्टर्प एजिज को इस आधार पर घरेलू उद्योग नहीं माना जा सकता है कि (i) यह कंपनी स्वयं संबद्ध देशों का एक प्रमुख आयातक है; (ii) इस कंपनी का संबंध स्वीडन स्थित विदेशी उत्पादक से है; (iii) इस कंपनी ने अपना उत्पादन कम कर दिया और आयात बढ़ा दिए; (iv) इस कंपनी ने अपना उत्पादन तथा आयातित उत्पाद को एक मिश्रित रूप में परस्पर बेच दिया; (v) इस कंपनी ने सहयोग के सभी दावों के बावजूद प्राधिकारी को संगत क्षति संबंधी जानकारी प्रदान नहीं की।
- ग) कैप्टिव खपत की सीमा तक एशियन पेंट्स के उत्पादन को इस आधार पर शामिल नहीं किया जाना चाहिए कि (i) ऐसी कैप्टिव खपत से वाणिज्यिक बाजार में पाठित आयातों से प्रतिस्पर्धा नहीं होती है और इसीलिए कंपनी पर उस सीमा तक पाठन पद्धतियों द्वारा कुप्रभाव नहीं पड़ता है; (ii) उन्होंने महज इस कारण मौजूदा जांच में सक्रिय सहभागिता नहीं की है क्योंकि उन पर उस सीमा तक पाठन का कुप्रभाव पड़ता है जितना कि याचिकाकर्ता पर; (iii) डब्ल्यूटीओ निर्णय यह नहीं कहता कि कैप्टिव खपत को अलग नहीं किया जा सकता है, बल्कि यह केवल इतना कहता है कि क्षति जांच को केवल एक ही प्रकार तक सीमित नहीं

रखा जा सकता है यदि 'घरेलू उद्योग' के पास कैप्टिव तथा वाणिज्यिक बाजार दोनों ही उपलब्ध हैं।

इच्छुक पक्षकारों के विचार

13. मै0 पेर्स्टार्प एजिज ने निवेदन किया है कि:-
- क) पेर्स्टार्प एजिज संबद्ध माल का ही उत्पादक है अतः उन्हें घरेलू उद्योग के रूप में माना जाए;
- ख) पेर्स्टार्प एजिज को घरेलू उद्योग के रूप में इस कारण शामिल नहीं किया जाए क्योंकि वे संबद्ध देशों में किसी निर्यातक से संबंधित हैं;
- ग) पेर्स्टार्प एजिज ने संबद्ध माल के कच्चे माल का आयात किया है अतः उसके आयातों को विचाराधीन उत्पाद के आयातों के रूप में नहीं माना जा सकता है;
- घ) इस कंपनी द्वारा आयातित माल घरेलू बाजार में याचिकाकर्ता द्वारा सप्लाई किए गए माल से प्रतिस्पर्धा नहीं करता है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

14. मै0 कनोरिया केमिकल्स एंड इंडस्ट्रीज लि0 ने घरेलू उद्योग की ओर से आवेदन दायर किया है। यह एक बहु-उत्पाद कंपनी है और कई उत्पादों के उत्पादन में शामिल है। आवेदक ने पिछले तीन वर्षों में संबद्ध वस्तु का आयात नहीं किया है और वे कई देशों को संबद्ध वस्तु का निर्यात कर रहे हैं। आवेदक ने निवेदन किया है कि मै0 पेर्स्टार्प एजिज संबद्ध माल के उत्पादक हैं तथापि वे स्वीडन से संबद्ध वस्तु के प्रमुख आयातक हैं और स्वीडन के एकमात्र उत्पादक/निर्यातक से संबंधित है। जहां तक घरेलू उत्पादक के निर्यातक/आयातक से संबंध है, इस बात की जाँच निम्नलिखित को ध्यान में रखते हुए की गई है:-
- क) उनमें से एक दूसरे को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से नियंत्रित करता है; या

- ख) किसी तीसरे व्यक्ति द्वारा दोनों को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से नियंत्रित किया जाता है; या
- ग) दोनों मिलकर तीसरे व्यक्ति को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से नियंत्रित करते हैं बशर्ते कि यह मानने अथवा संशय करने का आधार हो कि संबंधों का प्रभाव ऐसा है कि उत्पादकों का व्यवहार असंबंधित उत्पादकों से अलग है और अंततः;
- घ) किसी उत्पादक को दूसरे उत्पादक को नियंत्रित करने वाला माना जाएगा जब पहला कानूनी या प्रचालनात्मक रूप से दूसरे को नियंत्रित करने अथवा निर्देशित करने की स्थिति में हो।
15. प्राधिकारी ने उनके इस दावे के संबंध में इच्छुक पक्षकारों के निवेदनों पर जांच करने के बाद कि पेर्स्टार्प एजिज द्वारा आयातित माल कच्चा माल है और वह जांच के अधीन शामिल संबद्ध माल नहीं है, पाया कि पेर्स्टार्प एजिज द्वारा आयातित माल और कुछ नहीं है बल्कि विभिन्न ग्रेडों का पेंटाएरिश्रीटोल है। प्राधिकारी आगे यह भी नोट करता है कि पेर्स्टार्प एजिज जो संबद्ध माल का आयातक है और उसका संबद्ध माल के किसी निर्यातक से संबंध हैं, को घरेलू उद्योग का अंग नहीं मानने के लिए पर्याप्त तथ्य है। अतः प्राधिकारी यह समझता है कि इस कंपनी को शामिल नहीं करना न्यायोचित है क्योंकि उन्होंने अपनी संबद्ध कंपनी से संबद्ध माल का काफी अधिक मात्रा में आयात किया है और उन्होंने घरेलू उद्योग के रूप में माने जाने के संबंध में कोई कीमत निर्धारण अथवा क्षति संबंधी जानकारी प्रदान नहीं की बावजूद इसके कि निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा उनसे अनुरोध किया गया। एशियन पेंट्स एक अन्य उत्पादक है जो अपनी कैप्टिव जरूरतों के लिए उत्पाद का पर्याप्त रूप से उत्पादन करते हैं। आवेदक ने निवेदन किया है कि एशियन पेंट्स के उत्पादन को शामिल नहीं किया जाए क्योंकि एशियन पेंट्स का उत्पादन व्यापार बाजार में प्रतिस्पर्धा नहीं करता है और भारतीय बाजार में सबद्ध वस्तु के ऐसे पाठन से एशियन पेंट्स को अधिक क्षति नहीं हुई है। आवेदक के तर्कों की जांच करने पर प्राधिकारी ने आवेदक की स्थिति के निर्धारण के लिए एशियन पेंट्स के उत्पादन को शामिल करने को उचित माना है। प्राधिकारी नोट करता है कि पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(ख) के मद्देनजर पेर्स्टार्प, स्वीडन और पेर्स्टार्प एजिज, भारत एक-दूसरे से संबंधित हैं क्योंकि पेर्स्टार्प, भारत पेर्स्टार्प, स्वीडन की सहायक कंपनी है और इसलिए पेर्स्टार्प, स्वीडन पूर्ववर्ती को नियंत्रित करने की स्थिति में है। अतः यह पर्याप्त पाया गया कि उसे घरेलू उद्योग के घटक

के रूप में शामिल नहीं किया जाए। उपर्युक्त को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी यह निर्णय देता है कि आवेदक अपेक्षित मापदण्ड को पूरा करता है जिससे पाटनरोधी नियमावली के नियम 5(क) और (ख) तथा 2(ख) के तहत यथाअपेक्षित उसकी घरेलू उद्योग की स्थिति साबित होती है।

घ. अन्य मुद्दे

घ.1 जाँच शुरुआत के विरुद्ध अपील

16. पेर्सटॉर्प एजिज ने इन आधारों पर पाटनरोधी जाँच को चुनौती देते हुए माननीय मुंबई उच्च न्यायालय के समक्ष प्राधिकारी द्वारा जाँच शुरुआत के विरुद्ध एक अपील दायर की थी कि (क) वह पेर्सटॉर्प, स्वीडन से संबंधित नहीं है; (ख) आयातित उत्पाद भारत में पुनः बिक्री किए गए उत्पाद से भिन्न है। माननीय उच्च न्यायालय का विचार यह है कि रिकॉर्ड की गई सामग्री पर विचार करने के पश्चात् प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग के घटक के रूप में पेर्सटॉर्प को बाहर रखते हुए चीन जन.गण. तथा स्वीडन के मूल के अथवा वहाँ से निर्यातित पेंटायरीथ्रिटोल के संबंध में पाटनरोधी जाँच प्रारंभ की थी। माननीय न्यायालय ने इस आधार पर कि प्राधिकारी के समक्ष उपलब्ध कराई गई सूचना के आधार पर जाँच की शुरुआत की गई है, प्राधिकारी की कार्यवाही को उचित ठहराया है और कहा है कि यह स्थापित करना पेर्सटॉर्प के ऊपर है कि स्वीडन से पेंटायरीथ्रिटोल का कोई पाटन नहीं हुआ है और स्वीडन से ऐसे आयातों से घरेलू उद्योग को कोई क्षति नहीं हुई है। प्राधिकारी नोट करता है कि जाँच के दौरान पेर्सटॉर्प ने अपने दावे को साबित करने के लिए जानकारी/साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किए हालांकि उन्हें अपना दावा न्यायोचित ठहराने के लिए पर्याप्त समय दिया गया था। हलांकि कंपनी ने दावा किया कि वह भी एक घरेलू उद्योग है लेकिन इस कंपनी ने घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति के संबंध में कोई जानकारी प्रदान नहीं की। कंपनी न तो यह साबित कर सकी कि उनके द्वारा आयातित माल उनके द्वारा बेचे गए माल के समान उत्पाद नहीं है और न ही कंपनी यह साबित कर सकी कि उनके द्वारा आयातित माल और घरेलू उद्योग(कनोरिया केमिकल्स) द्वारा उत्पादित एवं बेचे गए माल समान उत्पाद नहीं हैं।

अगोपनीय जानकारी का निवेदन

17. घरेलू उद्योग ने तर्क दिया है कि निर्यातकों ने गोपनीयता के अत्यधिक प्रयोग का सहारा लिया है और निर्यातकों द्वारा अगोपनीय आधार पर प्रस्तुत जानकारी से इसकी सार्थक समझ नहीं बनती है। उन्होंने आगे यह भी कहा है कि निर्यातकों ने संपूर्ण निवेदन दर्ज तो किए हैं लेकिन उनमें अगोपनीय अंश की आवश्यकता

को पूर्णतया नकार दिया है। निर्यातकों ने तर्क दिए हैं कि घरेलू उद्योग ने अगोपनीय अंश का पर्याप्त सार्थक सारांश नहीं दिया जिससे निर्यातक अपने हित की कारगरता तथा सार्थकता से रक्षा कर सकते जिसके फलस्वरूप डब्ल्यूटीओ पाटनरोधी करार के अनुच्छेद 6.5.1 का उल्लंघन हो गया। घरेलू उद्योग तथा निर्यातकों दोनों ने तर्क दिया है कि उनके अपने-अपने प्रत्युत्तरों के अगोपनीय अंश पर्याप्त नहीं थे और अनेक जानकारी/आंकड़ों को गोपनीय रखा गया। इच्छुक पक्षकारों के तर्कों की जाँच की गई और यह नोट किया जाता है कि इच्छुक पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत अगोपनीय प्रत्युत्तरों को सार्वजनिक फाइल में रखा गया और उन्हें सभी इच्छुक पक्षकारों को उपलब्ध कराया गया। संबंधित इच्छुक पक्षकारों ने अपने-अपने निवेदनों में कीमतों एवं लागत निर्धारण संबंधी अनेक जानकारी को गोपनीय रखा और प्राधिकारी ने उन्हें गोपनीय समझा।

ड. पाटन मार्जिन की गणना पद्धति और बाजार अर्थव्यवस्था की जाँच

ड. 1 घरेलू उद्योग के विचार

18. घरेलू उद्योग के विचारों का सार निम्नानुसार है:-

- i) घरेलू उद्योग ने निवेदन किया है कि चीन एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश है और भारतीय निर्दिष्ट प्राधिकारी ने भी पाटनरोधी जाँचों से चीन को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना है। इसी प्रकार, अमरीका और यूरोपीय आयोग ने भी पाटनरोधी जाँचों में चीन को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना है।
- ii) इस जाँच में तीन चीनी कंपनियों ने बाजार अर्थ-व्यवस्था व्यवहार के अपने दावे के लिए निर्यातक प्रश्नावली और एमईटी प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत किया है। मै0 शांकसी, संबद्ध वस्तु के उत्पादक और निर्यातक ने निर्यातक प्रश्नावली और एमईटी प्रश्नावली, दोनों का उत्तर प्रस्तुत किया है। इसके अतिरिक्त उन्होंने तर्क दिया है कि मूल कंपनी में राज्य के स्वामित्व वाली कंपनियों की प्रमुख शेयर धारिता है। चूंकि प्रमुख शेयरधारिता राज्य के स्वामित्व वाली कंपनियों के हाथ में है इसलिए राजू के हस्तक्षेप एवं सम्मिलित होने से इंकार नहीं किया जा सकता, अतः ब्राजार अर्थव्यवस्था व्यवहार प्रदान नहीं किया जाना चाहिए और सामान्य मूल्य का परिकलन पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 के अनुसार किया जाए। दूसरी चीनी कंपनी मै0 ह्युबर्झ ने भी निर्यातक तथा एमईटी प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत किया है और बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार का दावा किया है। उन्होंने तर्क दिया है कि मूल कंपनी में राज्य के स्वामित्व वाली कंपनियों की प्रमुख शेयरधारिता है इसलिए निर्णय लेने और कच्ची सामग्री आपूर्तियों की खरीद में उनके शामिल होने से इंकार नहीं किया जा सकता है। तीसरी कंपनी मै0

साइनोकेम जियांग्सु आयात एवं निर्यात कं0, जो संबद्ध वस्तु की निर्यातिक है ने अपूर्ण तथा अपर्याप्त अगोपनीय प्रस्तुतीकरण दायर किया है और बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार के लिए अपना दावा भी दायर नहीं किया है। उन्होंने यह भी अनुरोध किया है कि संबद्ध वस्तु के विनिर्माता ने प्राधिकारी के समक्ष निर्यातिक प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत नहीं किया है, इसलिए विनिर्माता की घरेलू बिक्री कीमत तथा उत्पादन लागत की अनुपस्थिति में सामान्य मूल्य का निर्धारण नहीं किया जा सकता है। घरेलू उद्योग ने ज़र्क दिया है कि ये चीनी कंपनियाँ गैरबाजार अर्थव्यवस्था वाली कंपनियाँ हैं इसलिए बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार के उनके दावे को अस्वीकार किया जाए और सामान्य मूल्य का परिकलन पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 के अनुसार किया जाए।

ड.2 प्राधिकारी द्वारा जांच

19. प्राधिकारी ने धारा 9क(1) (ग) के अनुसार मूल्य के निर्धारण के प्रयोजनार्थ सभी ज्ञात निर्यातकों को प्रश्नावली की प्रतियाँ भेजीं। तीन उत्पादक/निर्यातक से उत्तर प्राप्त हुए हैं और उन्होंने इस आधार पर कि वे अपने व्यावसायिक कार्यकलाप पर राज्य के किसी प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष हस्तक्षेप के बिना, देश की वर्तमान अर्थव्यवस्था संबंधी स्थिति पर ध्यान न देते हुए, बाजार अर्थव्यवस्था परिस्थितियों के अधीन कार्य कर रहे हैं, बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार की मांग की है। प्रश्नावली/अधिसूचना हेतु निम्नलिखित निर्यातकों/उत्पादकों द्वारा उत्तर/सूचना दायर की गयी थी:-

 - i) मै0 सिनोकेम जियांग्सू इंपोर्ट एवं एक्सपोर्ट कॉर्पोरेशन, चीन जन.गण. (एतदपश्चात इसे सिनोकेम कहा जाएगा)
 - ii) मै0 हुबई यिहुआ केमिकल इंडस्ट्री कं0 लि0, चीन जन.गण. (एतदपश्चात इसे हुबई कहा जाएगा)
 - iii) मै0 शांकसी सान्चेई ग्रुप कं0 लि0, चीन जन.गण. (एतदपश्चात इसे शांकसी कहा जाएगा)

20. निर्दिष्ट प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध 1 के पैरा 8(2) के अनुसार सामान्य मूल्य का आकलन करने के प्रयोजनार्थ, इस अनुमान के साथ अपनी कार्यवाही प्रारंभ की कि कोई भी देश जिसे पाटनरोधी जांच के प्रयोजनार्थ निर्दिष्ट प्राधिकारी अथवा किसी डब्ल्यू टी ओ सदस्य देश के सक्षम प्राधिकारी द्वारा जांच की अवधि से तीन वर्ष पूर्व तक गैरबाजार अर्थव्यवस्था वाला देश निर्धारित किया गया अथवा माना गया था, वह एक गैरबाजार अर्थव्यवस्था वाला देश है। पिछले तीन वर्षों के दौरान चीन जन.गण. को ई यू तथा अमरीका जैसे डब्ल्यू टी ओ

सदस्यों द्वारा पाटनरोधी जाँचों में एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था देश माना गया है। वर्तमान मामले में, चीन जन.गण. ने एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश के रूप में अपनी जांच करवाने का प्रस्ताव रखा है।

21. चीन जन.गण. के मूल के आयातों संबंधी पाटनरोधी जाँचों में सामान्य मूल्य का निर्धारण पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध 1 के पैरा 7 और 8 के अनुसार किया जाएगा। प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध 1 के पैरा 7 में यह प्रावधान है कि:

“गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देशों से आयातों के मामले में सामान्य मूल्य का निर्धारण बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश में कीमत अथवा परिकलित मूल्य के आधार पर या ऐसे किसी तीसरे देश से भारत सहित अन्य देशों के लिए कीमत के आधार पर किया जाएगा, या जहाँ यह संभव नहीं है, वहां सामान्य मूल्य का निर्धारण ऐसे अन्य उचित आधार पर किया जाएगा जिसमें उचित लाभ मार्जिन को शामिल करने के लिए आवश्यकतानुसार विधिवत् समायोजित समान उत्पाद के लिए भारत में वास्तविक रूप से संदर्भ या संदेय कीमत शामिल होती है।”

इसके अतिरिक्त पाटनरोधी नियमावली (यथा संशोधित) के अनुबंध 1 के पैरा 8 में यह प्रावधान है कि:

“8(1) गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश” शब्द का अभिप्राय है कि कोई देश जिसे निर्दिष्ट प्राधिकारी इस रूप में निर्धारित करें कि वह देश उप-पैरा (3) में निर्दिष्ट मानदंड के अनुसार लागत के बाजार सिद्धांतों अथवा कीमत निर्धारण ढांचे पर प्रचालन नहीं कर रहा है जिससे ऐसे देश में पण्य वस्तुओं जो विक्रियां पण्य वस्तुओं के उचित मूल्य को प्रदर्शित न करती हों।

(2) यह एक परिकल्पना होगी कि कोई देश जिसे जांच से पहले के तीन वर्ष के दौरान पाटनरोधी जांच के प्रयोजनार्थ निर्दिष्ट प्राधिकारी अथवा डब्ल्यू टी ओ के किसी सदस्य देश के सक्षम प्राधिकारी द्वारा गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश के रूप में माना गया है अथवा समझा गया है, एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश है।

बशर्ते, तथापि गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश अथवा ऐसे देश की संबंधित फर्म विनिर्दिष्ट प्राधिकारी को सूचना तथा साक्ष्य उपलब्ध कराकर ऐसी परिकल्पना का खंडन कर सकते हैं जो यह साबित करे कि ऐसा देश उप-पैरा (3) में निर्दिष्ट मानदंड के आधार पर एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश नहीं है।”

22. यह नोट किया गया है कि चीनी कंपनियों ने पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध 1 के पैरा 8(3) के अनुसार सूचना/साक्ष्य उपलब्ध कराए हैं ताकि निर्दिष्ट प्राधिकारी निम्नलिखित मानदंडों पर विचार कर सकें कि क्या:-

- क) प्रौद्योगिकी कच्ची सामग्रियों की लागत और श्रम, निविष्टि बिक्रियां और निवेश समेत कीमतों, लागतों और निविष्टियों के बारे में ऐसे देश में संबंधित फर्मों का निर्णय ऐसे बाजारी संकेतों के अनुसार किया जाता है जिसमें आपूर्ति और मांग परिलक्षित होती है और इस बारे में राज्य के अधिक हस्तक्षेप के बिना क्या प्रमुख निविष्टियों की लागत बाजार मूल्य को पर्याप्त रूप से प्रदर्शित करती है;
- ख) इस प्रकार की फर्मों की उत्पादन लागत और वित्तीय स्थिति विशेषकर परिसम्पत्तियों के मूल्य ह्लास, अन्य बट्टे खातों, वस्तु विनिमय-व्यापार और ऋणों की प्रतिपूर्ति के माध्यम से भुगतान के संदर्भ में पूर्ववर्ती गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाली प्रणाली से हुई महत्वपूर्ण विकृतियों के अध्यधीन हैं;
- ग) इस प्रकार की फर्में दिवालियापन और सम्पत्ति कानूनों के अध्यधीन हैं जो फर्मों के प्रचालन की कानूनी निश्चितता और स्थिरता की गारंटी देते हैं; और
- घ) विनिमय दर का परिवर्तन बाजार की दर पर किया जाता है।
23. इस बात का पता लगाने के प्रयोजनार्थ कि क्या चीन की प्रत्युत्तरदाता कंपनियों के बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार प्रदान किया जाए, प्राधिकारी ने इन्हें कंपनियों को एक-एक एमईटी प्रश्नावली भेजी। कंपनियों को सलाह दी गई थी कि वे एमईटी के अपने अपने दावे के समर्थन में संगत साक्ष्य प्रदान करें। इन कंपनियों को यह बतया गया कि इस बात को साबित करने का दायित्व कि वे कंपनियां बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार पाने की हकदार हैं, यह संबंधित कंपनियों के ऊपर है और यह साबित करना प्राधिकारी के लिए अपेक्षित नहीं है कि सरकारी हस्तक्षेप है या नहीं बल्कि यह कंपनियों के ऊपर निर्भर है कि वे यह साबित करें कि उन पर सरकारी हस्तक्षेप नहीं है।
24. प्राधिकारी ने प्रत्युत्तरदाता निर्यातकों से निम्नलिखित कारकों के संबंध में सामान्य एवं कृतिपूर्ण विशिष्ट जानकारी मांगी:-

- स्वामित्व व्यौरे
- शेयरधारण पैटर्न
- प्रोमोटर/धारक कंपनी/कंपनियों के संबंध में जानकारी
- निदेशक मंडल के घटक, निदेशकों की नियुक्ति, उनकी कानूनी स्थिति और उनका प्रतिनिधित्व करने वाले व्यक्ति/पक्षकार
- कच्चा माल निविष्टियां एवं लागतें
- विचाराधीन उत्पाद के उत्पादन के लिए अपेक्षित प्रमुख निविष्टियों, विद्युत, भांप, जल संबंधी जानकारी। इसमें इन मर्दों की सप्लाई के स्रोत, सप्लायरों की पहचान तथा

संरचना और उस कीमत की जानकारी शामिल है जिस पर उनकी सप्लाई होती है और इन निविष्टियों के बाजार मूल्य संबंधी जानकारी ।

- क्या निविष्टियां अल्पकालिक अथवा दीर्घकालिक संविदाओं पर की गई ।
- क्या कच्चे माल, निविष्टियों, उपयोगिताओं तथा लागतों के संबंध में कोई सरकारी हस्तक्षेप, नियंत्रण अथवा अवरोध है । इन बातों पर स्पष्टीकरण मांगा गया था अर्थात् (1) जांच अवधि के दौरान चल रही बाजार कीमतें, और (2) किस आधार पर यह साबित किया गया कि इन कीमतों का निर्धारण बाजार सप्लाई तथा मांग द्वारा किया गया ।
- प्रत्येक लागत संगठक के खरीदार के ब्यौरे जिनमें यह इंगित हो अर्थात् (1) खरीदी गई मात्रा (2) उसका मूल्य (3) खरीद का स्रोत (4) सप्लायर के ब्यौरे (5) सप्लायर के साथ संबंध की सीमा
- यह पाया गया कि इन कंपनियों द्वारा निविष्टियों का उत्पादन कैप्टिव तौर पर किया गया । इन मामलों में कंपनियों को सलाह दी गई थी कि वे यह दर्शाते हुए मिश्रित विवरण-पत्र प्रस्तुत करें जिनमें उत्पादन लागत, बिक्री कीमत, लाभ/हानि तथा कैप्टिव खपत की हस्तांतरण कीमत शामिल हो ।
- इन कंपनियों को सलाह दी गई कि वे यह साबित करें कि उपयोगिता मदों सहित प्रमुख निविष्टियों की कीमतें बाजार मूल्यों को कितना अधिक परिलक्षित करती हैं ।
- सरकार द्वारा न्यूनतम मजदूरी निर्धारण का होना अथवा अन्यथा और क्या वे उद्यम बाजार मांग के अनुसार मजदूरियों का निर्णय करने के लिए स्वतंत्र हैं ।
- उत्पादन सुविधाएं तथा लागतें
- ऋण तथा उपदान
- वस्तु व्यापार/प्रति व्यापार
- लाभ वितरण
- दिवालियापन एवं संपदा कानून
- विनिमय दर परिवर्तन

मै0 शांकसी सानवेई ग्रुप कं0 लि0, चीन जन.गण

25. शांकसी ने तर्क दिया कि वे बाजार दशाओं में प्रचान कर रहे हैं और इसीलिए इस तथ्य के महेनजर उन्हें बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार दिया जाना चाहिए कि चीन को विश्व में अनेक प्राधिकारियों द्वारा बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना गया है लेकिन उन्होंने अपने दावे को साबित करने के लिए कोई सहायक दस्तावेज प्रदान नहीं किए । शांकसी ने दावा किया कि वे बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा पाने के लिए पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध 1 के पैराग्राफ 7 तथा 8 की अपेक्षाओं को पूरा करते हैं । निर्यातक ने दावा किया है कि कंपनी के प्रमुख शेयरधारक, संबद्ध माल के उत्पादन और बिक्री में नहीं लगे हुए हैं अथवा उससे संबद्ध नहीं हैं ।

26. शांकसी द्वारा दायर किए गए निवेदनों की जांच करने पर यह पाया गया कि कंपनी का अधिकांश सौदा, राज्य स्वामित्व वाली कंपनियों के साथ किया गया है। मैं० शांकसी सान्चेर्ड हुआ बैंग ग्रुप कं० लि०, मैं० शांकसी इकोनॉमिक कंस्ट्रक्शन एंड इन्वेस्टिंग कंपनी तथा मैं० शांकसी इकोनॉमिक एंड ट्रेडिंग एसेट मैनेजमेंट, राज्य स्वामित्व वाली सत्ताओं का चीन की प्रमुख कंपनी में एक प्रभुख हिस्सा है, जिन्होंने उत्तर दिया है और इस जांच में बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार हेतु दावा किया है। कंपनी ने माना है कि उन्होंने जून 1997 से जनता को राज्य स्वामित्व वाले शेयर के विनिवेश की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी है लेकिन अधिकतर धारण जांच अवधि के दौरान अब भी सरकारी स्वामित्व वाली कंपनियों के पास हैं। अन्य शब्दों में यह माना गया कि अधिकतर शेयरधारण जांच अवधि के दौरान भी सरकार के पास रहा और विनिवेश करने की प्रक्रिया जांच अवधि के दौरान की जा रही है। उपरोक्त जानकारी के आधार पर, विनिवेश की तथाकथित प्रक्रिया के बाद भी सरकारी हस्तक्षेप की संभावनाओं से इंकार नहीं किया जा सकता है, विशेष रूप से जबकि जांच न केवल वास्तविक विगत सरकारी हस्तक्षेप के संबंध में बल्कि भविष्य में भी ऐसे हस्तक्षेप की संभावनाएं हैं।
27. कंपनी के निदेशकों के संबंध में यह पाया गया है कि अधिकांश निदेशकों की नियुक्ति ऐसे राज्य स्वामित्व वाली कंपनियों से की जाती है जिनके पास सबसे अधिक शेयर होते हैं, अतः कंपनी के निर्णयों में राज्य की भूमिका से इंकार नहीं किया जा सकता। चूंकि कंपनी के प्रमुख कार्यकारी भी राज्य स्वामित्व वाली कंपनियों से लिए जाते हैं, अतः दिन प्रतिदिन के नियंत्रण पर कंपनी के प्रचालनों में राज्य स्वामित्व वाली कंपनियों के अत्यधिक हस्तक्षेप से इंकार नहीं किया जा सकता। मैं० शांकसी सान्चेर्ड हुआ बैंग ग्रुप कं० लि० एक राज्य स्वामित्व वाली कंपनी है, जिसके पास शांकसी प्रांत के राज्य स्वामित्व वाली परिसंपत्तियों, पर्यवेक्षण एवं प्रशासनिक कमीशन का एक बड़ा हिस्सा है इसलिए चीन की कंपनी द्वारा किए गए दावे के संबंध में उनके द्वारा दबाव अथवा अत्यधिक हस्तक्षेप को नकारा नहीं जा सकता। इस निर्यातक ने सत्यापन रिपोर्ट के प्रत्युत्तर में केवल अपने पिछले निवेदनों की पुनरावृत्ति की है और उन्होंने अपने दावे के समर्थन में कोई भी साक्ष्य उपलब्ध नहीं कराया है। कंपनी के रिकॉर्ड के अनुसार पेंटा की उत्पादन/बिक्री लागत को जनवरी, 2004 से दिसंबर, 2004 तक की अवधि के लिए देखा गया न कि दिसंबर, 2005 के लिए जैसाकि सत्यापन रिपोर्ट में गलती से बताया गया है।

28. ऐसे देश में संबद्ध फर्मों की कीमत, लागत एवं कच्ची सामग्री, प्रौद्योगिकी एवं मजदूरी लागत सहित निविष्टियां, उत्पादन बिक्री एवं निवेश संबंधी निर्ण, आपूर्ति एवं मांग दर्शने वाले बाजार संकेतकों के आधार पर तथा इसि संबंध में राज्य के अधिक हस्तक्षेप के बिना और इस बात की परवाह किए बिना लिए जाते हैं कि क्या प्रमुख निविष्टियों की लागत से बाजार मूल्य पर्याप्त रूप से प्रदर्शित होते हैं अथवा नहीं । सज्य स्वामित्व वाली कंपनियों के शेयरधारित के मद्देनजर शांकसी अपने बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार के दावे के समर्थन में लागत एवं कीमत ससंरचना को बाजारोन्मुखी साबित नहीं कर सकी कि उनके द्वारा प्रदत्त आंकड़े/सूचना के सत्यापन के अधीन है । यह कंपनी यह नहीं बता सकी कि प्रमुख निविष्टियों की कीमतों से बाजार मूल्य परिलक्षित होते हैं, विशेष रूप से तब जबकि अधिकांश निविष्टियां एवं उपयोगिताएं सरकारी स्वामित्व/नियंत्रण वाले उपक्रमों से ली जाती हैं ।

मै0 हुबेर्झ यिहुआ केमिकल इंडस्ट्री कं0 लि0, चीन जन.गण.

29. हुबेर्झ एक संयुक्त स्टॉक कंपनी लि0 है जो चीन जन.गण. के कानूनों के तहत कार्य करती है । उन्होंने दावा किया है कि वे बाजार परिस्थितियों में कार्य कर रहे हैं और इसलिए बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार प्रदान किया जाना चाहिए, विशेष रूप से इस तथ्य के मद्देनजर कि चीन को विश्व भर में अनेक प्राधिकारियों द्वारा बाजार अर्थव्यवस्था माना जा रहा है । उन्होंने दावा किया है कि वे बाजार अर्थव्यवस्था के दर्जा प्राप्त करने के लिए नियमावली 1 के पैरा 1-6 के अनुसार सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु आग्रह किया है । कंपनी के दो मुख्य शेयरधारक, राज्य स्वामित्व वाली चीन की कंपनियाँ हैं और उसके सदस्य, अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं कंपनी के निदेशक मंडल में निदेशकों के पद पर कार्यरत हैं । यह भी देखा गया है कि निदेशक मंडल के अधिकांश निदेशक राज्य स्वामित्व वाली शेयरधारक कंपनियों से संबद्ध हैं । संस्था के अन्तर्नियमों से यह भी नोट किया गया है कि आम बैठक के पास निदेशकों को चुनने और हटाने का अधिकार होता है । चूंकि इस कंपनी के प्रमुख शेयरधारक राज्य स्वामित्व वाली कंपनियों से होते हैं इसलिए दिन प्रतिदिन के कार्यकलापों में लिए जाने वाले निर्णयों में राज्य के अत्यधिक हस्तक्षेप को नकारा नहीं जा सकता । यह भी देखा गया है कि इस कंपनी का अध्यक्ष, प्रमुख शेयरधारक सरकारी स्वामित्व वाली कंपनी के अध्यक्ष के रूप में कार्य करता है, अतः प्रमुख निर्णयन में, सरकार के अधिक हस्तक्षेप से इंकार नहीं किया जा सकता है ।

30. प्रारंभिक जांच परिणामों में यह बात नोट की गई कि कच्चे माल के प्रमुख सप्लायरों के नाम और उनके व्यवसाय लाइसेंसों से यह पता नहीं चला कि क्या कच्चे माल की खरीद बाजार द्वारा तथ कीमतों पर की गई और यह भी कि क्या निविष्टियों की लागत से बाजार मूल्य काफी सीमा तक परिलक्षित होते हैं। प्रारंभिक जांच परिणामों के बाद इस कंपनी ने उपयोगिताओं सहित निविष्टियों की प्रमुख मदों के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की। प्रकटन विवरण-पत्र पर टिप्पणियों के रूप में मैरु हुबर्झ ने निवेदन किया है कि वे बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार के लिए अर्ह हैं और कंपनी की जानकारी के आधार पर सामान्य मूल्य का निर्धारण उनके गृह बाजार की घरेलू बिक्री कीमत पर किया जाए। इस जानकारी की जांच और प्राधिकारी द्वारा किए गए भौके पर सत्यापन के बाद यह पाया गया कि संबद्ध माल के उत्पादन के लिए कोयला एक प्रमुख कच्चा माल है और कोयले की कीमत से इस तथ्य को देखते हुए बाजार मूल्य परिलक्षित नहीं होता कि कोयला चीन की अभिगमन संधि के तहत निम्नानुसार सूचीबद्ध है:-

- क) विशेष औद्योगिक क्षेत्रों के लिए कम कीमत वाली निविष्टियों का प्रावधान
- ख) हानि पर चल रहे सरकारी स्वामित्व वाले कतिपय उपक्रमों को दिए जाने वाले उपदान
- ग) राज्य व्यापार(निर्यात) के अध्यधीन उत्पाद, और
- घ) हानि में चल रहे सरकारी स्वामित्व वाले कतिपय उपक्रमों को दिए जाने वाले केन्द्रीय बजट से उपदान

31. चीन की कंपनी ने स्वयं दावा किया है कि उन्हें बिजली की सप्लाई किसी सह-सरकारी स्वामित्व वाली कंपनी से की जाती है बिजली तथा कार्सिक सोडा (पेंटाएस्थ्रीटोल के उत्पादन के लिए एक प्रमुख निविष्टि) की संबद्ध माल के उत्पादन में काफी बड़ी लागत होती है। यह कंपनी यह साबित नहीं कर सकी कि बिजली की कीमतों से उचित बाजार मूल्य परिलक्षित नहीं होता और वह भी तब जब कंपनी सरकारी स्वामित्व वाले उपक्रम से बिजली खरीदती है जो अधिकांशतया कम कीमत पर दिखाई दी। भांप पेंटाएस्थ्रीटोल के उत्पादन में उपयोगिता की एक प्रमुख मद होता है। यह पाया गया कि यह कंपनी भांप का

कैप्टिव उत्पादन कर रही थी और भांप की लागत अधिकांशतया कम रही। सोडियम फारमेट की लागत मैथोनोइक एसिड के लागत विवरण-पत्र से ली गई और उसे संबद्ध माल की उत्पादन लागत से कम किया गया। मैथोनाइक एसिड तथा कास्टिक सोडा से संबंधित उत्पादन लागत विवरणों में वित्तीय/व्याज खर्चों तथा एसजीए से संबंधित किसी भी लागत में शामिल नहीं है। मैथोनाइक एसिड के लागत विवरण-पत्र में प्रत्यक्ष श्रम की कोई लागत शामिल नहीं है जबकि कास्टिक सोडा के लागत विवरण-पत्र में प्रत्यक्ष श्रम की अनुचित रूप से कम लागत दर्शाई गई है। जहां तक बिक्री कीमत तथा लाभ/हानि का संबंध है, कैप्टिव रूप से खपत की गई निविष्टियों की उत्पादन लागत अपूर्ण है और इसीलिए प्राधिकारी इस बात की पड़ताल नहीं कर सका कि क्या हस्तांतरण कीमत में वह कीमत भी शामिल है जिस पर इस कंपनी ने इन निविष्टियों की बिक्री की है। पेंटाएरिथ्रीटोल के उत्पादन में एक अन्य प्रमुख निविष्टि अर्थात् एसिटेल्डिहाइड की खरीद सरकारी स्वामित्व वाले उपक्रमों से की गई। कंपनी द्वारा दावा की गई एसिटेल्डिहाइड की कीमत की तुलना प्राधिकारी के पास उपलब्ध अन्य जानकारी से की गई जिससे पता चला कि कंपनी द्वारा दावा की गई कीमत काफी कम है। यह पाया गया कि फार्मेल्डिहाइड उत्पादन लागत विवरण-पत्र में सभी खर्चें नहीं दर्शाएं गए और उसमें बिक्री कीमत नहीं बताई गई। कंपनी ने अपने इस दावे के बारे में कोई औचित्य नहीं बताया है कि उत्पादन लागत में उचित बाजार मूल्य शामिल है। यह पाया जाता है कि उत्पादन की दावा की गई लागत घरेलू उद्योग द्वारा बताई गई कीमत से काफी कम है। औसत उत्पादन मूल्य की तुलना उत्पादन लागत के विवरण-पत्र से करने पर काफी अंतर पाए गए हैं। कंपनी द्वारा दी गई जानकारी में स्वयं यह दिखाया गया कि उत्पादन की कैप्टिव लागत(जिस पर निविष्टियों का हस्तांतरण हुआ था) और उस लागत जिस पर बाजार से इन निविष्टियों की खरीद की गई के बीच काफी अंतर है।

- 32: यह बात नोट की जाती है कि कंपनी का प्रबंधन सरकारी स्वामित्व वाले उपक्रम के शेयरधारकों द्वारा किया जाता है। अतः कंपनियों के कर्मचारियों के संबंध में सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रम में सरकार के हस्तक्षेप से इंकार नहीं किया जा सकता। यह तर्क दिया जाता है कि पूर्ववर्ती सरकारी स्वामित्व वाली कंपनियों के कर्मचारियों के संबंध में सामूहिक सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रम पर सरकार द्वारा काफी लागत लगाई जाती है। यह नोट किया जाता है कि चीन की पूर्ववर्ती सरकारी स्वामित्व वाली कंपनियों को सीमित देयता वाली कंपनियों का दर्जा मिल गया है हालांकि उन पर प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से सरकारी नियंत्रण जारी है।

इस कंपनी ने दावा किया है कि उसने एक चरणबद्ध रूप से सामान्य जनता के लिए सरकारी स्वामित्व वाले शेयर की विनिवेश प्रक्रिया आरंभ कर दी है और दावा किया है कि सरकारी स्वामित्व वाली कंपनियों के हिस्से पर उनके बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार के दावे के लिए विचार नहीं किया जाए। उनके निवेदन के आधार पर यह पाया गया कि सरकारी स्वामित्व वाली कंपनियों का शेयरधारण प्रतिशत जांच अवधि के दौरान घट गया है लेकिन इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता है कि कंपनी के प्रबंध मंडल के निर्णयन और कच्चे माल की खरीद तथा कंपनी की स्प्लाइयों पर सरकार का प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष हस्तक्षेप है जिसका इस उत्पाद की लागतों तथा कीमतों से प्रत्यक्ष संबंध होता है। अधिकांश निदेशक सरकारी स्वामित्व वाली कंपनियों से लिए गए हैं और प्रमुख निर्णयन की शक्ति वाले मुख्य कार्यकारी अधिकारी सरकारी स्वामित्व वाली कंपनियों से लिए गए हैं।

33. प्रारंभिक जांच-परिणामों में यह बात नोट की गई थी कि उनकी पैतृक कंपनी मै0 हुबेर्झ यिहुआ ग्रुप लि0, देयता कंपनी को सरकारी स्वामित्व वाले उपक्रमों ने अल्पकालिक ऋण और जांच में शामिल कंपनी को दीर्घावधि ऋण प्रदान किए। इस कंपनी को मै0 यिचांग फाइनेंस ब्यूरो ने भी ब्याज मुक्त दीर्घावधि ऋण दिए। पैतृक सरकारी स्वामित्व वाली कंपनी मै0 हुबेर्झ यिहुआ ग्रुप लि0, देयता कंपनी और सरकारी स्वामित्वाधीन उपक्रमों द्वारा जमीन लीज़ पर दी गई और उन्होंने बिना किसी सरकारी हस्तक्षेप के स्वतंत्र कार्यचालन के अपने दावे के लिए जमीन संबंधी पट्टे की किराया राशि के आंकड़े प्रदान नहीं किए हैं। कंपनी ने प्रारंभिक जांच परिणामों में इस बारे में खंडन करने हेतु कोई साक्ष्य प्रदान नहीं किया।
34. कीमतों, लागतों एवं निविष्टियों, कच्चे माल सहित, प्रौद्योगिकी एवं श्रम लागत, उत्पादन, बिक्रियों तथा पूँजी निवेश के संबंध में ऐसे देश में संबंधित फर्मों के निर्णय बाजार संकेतकों के प्रत्युत्तर में किए जाते हैं जिनमें सप्लाई तथा मांग परिलक्षित होती है और वे इस संबंध में सरकारी हस्तक्षेप के बिना किए जाते हैं और क्या प्रमुख निविष्टियों की लागतें बाजार मूल्यों को काफी परिलक्षित करती हैं, इस बारे में नोट किया जाता है कि यह कंपनी सरकारी हस्तक्षेप की संभावनाओं को प्रदर्शित नहीं कर सकी, इस बात का खंडन नहीं किया गया और न ही यह कंपनी उपयोगिताओं (जिनका संबंधित उत्पाद के उत्पादन में काफी महत्वपूर्ण भाग होता है) सहित प्रमुख निविष्टियों की कीमतों में बाजार मूल्य काफी परिलक्षित होते हैं।

मै0 सिनोकेम जियांग्यु इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कॉर्पोरेशन, चीन जन.गण.

35. सिनोकेम जियांग्यु इम्पोर्ट एवं एक्सपोर्ट कॉर्पोरेशन, चीन जन.गण. (निर्यातक) ने अधूरी जानकारी दाखिल की। इसके अलावा, संबद्ध माल के संबंधित उत्पादक ने निर्धारित प्रश्नावली का प्रत्युत्तर दाखिल नहीं किया। सिनोकेम ने सामान्य मूल्य के निर्धारणार्थ उत्पादन लागत और गृह बाजार में घरेलू बिक्री कीमतों के संबंध में सूचना प्रस्तुत नहीं की। बाजार अर्थव्यवस्था के व्यवहार के संबंध में कोई भी जानकारी दर्ज नहीं कराई गई। इस निर्यातक सलाह दी गई कि वे पूरी जानकारी दर्ज कराएं और इस संबंध में उन्हें त्रुटियों की बाबत एक विस्तृत पत्र भेजा गया। किए गए प्रश्न के अपने उत्तर में कहा कि चूंकि संबद्ध माल के उत्पादक ने जांच हेतु अपेक्षित सूचना प्रस्तुत नहीं की है, इसलिए संगत सूचना भेजी नहीं जा सकी। प्रत्युत्तरदाता निर्यातक जोकि मै0 युआन टिआन हुआ ग्रुप द्वारा विनिर्मित संबद्ध माल का निर्यात कर रहा है, ने उत्तर दाखिल नहीं किया है जो कि प्रश्नावली में दिए गए ब्यौरे के अनुसार दाखिल किया जाना अपेक्षित होता है। निर्यातक ने बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार का दावा किया है लेकिन अपने दावे के लिए प्राधिकारी को एम ई टी प्रश्नावली का उत्तर दाखिल नहीं किया है।
36. प्रारंभिक जांच परिणामों के पश्चात इस निर्यातक से कोई भी गत्र-व्यवहार प्राप्त नहीं हुआ और उन्होंने सार्वजनिक सुनवाई संबंधी कार्रवाई में सहभागिता नहीं की। पूरे दस्तावेजों के अभाव और पर्याप्त सहयोग के अभाव के मद्देनजर प्राधिकारी ने न तो उनके बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार के दावे की जांच की और न ही निर्यातक द्वारा दर्ज प्रश्नावली प्रत्युत्तर का प्रयोग सामान्य मूल्य एवं पाटन भाजिन के निर्धारण के प्रयोजनार्थ ही किया गया।
37. चीनी कंपनियों द्वारा दाखिल किए गए उत्तरों की जांच के परिप्रेक्ष्य में यह नोट किया जाता है कि चीनी कंपनियाँ एम ई टी के अपने दावे के समर्थन में पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत नहीं कर सकी। यह भी नोट किया जाता है कि यह साबित नहीं किया जा सका कि लागतों और कीमतों में उत्पाद की सही कीमत प्रदर्शित होगी। प्राधिकारी द्वारा की गई जांच जिसमें निर्यातक द्वारा जानकारी/आंकड़ों का मौके पर सत्यापन शामिल है तथा मौके पर सत्यापन के समय दी गई अन्य जानकारी से यह साबित नहीं हो सका कि इन कंपनियों को बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार प्रदान किया जा सकता उनके प्रत्युत्तरों के आधार पर सामान्य मूल्य का निर्धारण किया

जा सकता हो। अतः प्राधिकारी इन चीनी कंपनियों के संबंध में सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु अनुबंध-I के पैराग्राफ 1 से 6 में विनिर्दिष्ट सिद्धांतों को लागू नहीं कर सकता है। चीन जन.गण. के सभी निर्यातकों/उत्पादकों के संबंध में सामान्य मूल्य का निर्धारण पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-I के पैरा 7 में यथाविहित गैर-बाजार अर्थव्यवस्था से संबंधित नियमों के अनुसार किया जाता है।

38. सामान्य मूल्य के निर्धारण के प्रयोजनार्थ किसी बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश में उपलब्ध कीमतों पर विचार किए जाने के संबंध में यह बात नोट की जाती है कि आवेदक ने बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश में कीमत अथवा परिकलित मूल्य का साक्ष्य प्रदान नहीं किया है। बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश से अन्य देशों को कीमत के आंकड़े भी उपलब्ध नहीं कराए गए और यह बात नोट की जाती है कि भारत के लिए बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश की कीमतों को इन कारणों से अपनाया नहीं जा सका (क) कारखानागत कीमतों के निर्धारणार्थ कीमत समायोजन उपलब्ध नहीं कराए गए, (ख) इन देशों की उत्पादन लागत के संबंध में कोई जानकारी उपलब्ध नहीं थी और इसीलिए प्राधिकारी इस बात का निर्धारण नहीं कर सकता है कि क्या ये कीमतें व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में हैं। सामान्य मूल्य के निर्धारणार्थ चीन के उत्पादकों को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था माने जाने के संबंध में घरेलू उद्योग के दावे का खंडन करते समय चीन के उत्पादकों अथवा आयातकों अथवा किसी अन्य इच्छुक पक्षकार द्वारा किसी बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश की कीमत अथवा परिकलित मूल्य के संबंध में कोई साक्ष्य प्रदान नहीं किया गया। इन परिस्थितियों में यह समुचित पाया गया कि सामान्य मूल्य का निर्धारण समायोजन पश्चात समान वस्तु के लिए भारत में वास्तव में दी गई अथवा देय कीमत के महेनजर सामान्य मूल्य का निर्धारण कर दिया जाए और उसमें यथोचित लाभ मार्जिन शामिल कर दिया जाए। भारत में वास्तव में प्रदत्त कीमत पर इस कारण विचार नहीं किया जा सका कि वह उत्पादन लागत से कम रही। अतः प्राधिकारी ने यह समुचित पाया कि भारत की विधिवत समायोजित उत्पादन लागत पर विचार किया जाए जो कच्चे माल की अंतर्राष्ट्रीय कीमतों, यथोष्ट परिवर्तन लागतों, बिक्री, सामान्य तथा प्रशासनिक खर्चों और यथोचित लाभ को परिलक्षित करती हो।
39. उपरोक्त और इस तथ्य के महेनजर कि एमईटी के लिए अपने दावे को पुर्खा करने हेतु प्रत्युत्तरदाता कंपनियों ने पर्याप्त साक्ष्य प्रदान नहीं किया, पाटनरोधी नियमावली की धारा 9क(1)(ग)(I) और अनुबंध 1 के उप-नियम 2(i) तथा (ii) में

विहित उपबंधों के अनुसार सामान्य मूल्य का निर्धारण नहीं किया जा सकता है। अतः प्राधिकारी पैराग्राफ 1 से 6 में निर्धारित सिद्धांतों को लागू करने की स्थिति में नहीं है और यथासंशोधित पाटनरोधी नियमावली के नियम 7 तथा 8 के अनुसार कार्यवाही आगे बढ़ाने को बाध्य है। अतः सामान्य मूल्य का निर्धारण यथोचित आधार पर किया गया है जिसमें यथोचित पाटन मार्जिन को शामिल करने हेतु विधिवत् समायोजन करके समान उत्पाद के लिए भारत में वास्तव में प्रदत्त अथवा देय कीमत पर भी विचार किया गया है। प्राधिकारी ने अंतर्राष्ट्रीय कीमत पर पेंटाइस्थ्रीटोल के विनिर्माण हेतु कच्चे माल, घरेलू उद्योग के खपत मानदंडों(जिनकी तुलना चीन के निर्यातकों द्वारा दावा की गई खपत के संबंध में की गई), परिवर्तन लागतों के आंकड़ों, सामान्य एवं प्रशासनिक खर्चों और चीन जन.गण. के सभी निर्यातकों/उत्पादकों के संबंध में सामान्य मूल्य के परिकलन हेतु यथोचित लाभ पर विचार किया है। अतः सामान्य मूल्य की गणना *** अम.डा./मी.टन पर की गई।

निर्यात कीमत

40. शांक्षी ने जांच अवधि के दौरान भारत को संबद्ध माल के निर्यातों का बीजकवार ब्यौरा उपलब्ध कराया है। उन्होंने जांच अवधि के दौरान 517.50 मी.टन पेंटाइस्थ्रीटोल का निर्यात किया है और निर्यात कीमत के निर्धारण हेतु इसी पर विचार किया गया है। प्रकटन विवरण-पत्र पर अपनी टिप्पणियों में उन्होंने सत्यापित आंकड़ों के आधार पर आकलित निर्यात कीमत में कुछ छोटे-छोटे संशोधनों का सुझाव दिया है। कारखाना गत निर्यात कीमत निकालने के लिए कंपनी ने अंतर्राष्ट्रीय माल भाड़े, के लिए समायोजनों का दावा किया है जिसका सत्यापन किया गया और सही पाया गया। प्राधिकारी ने जांच अवधि के दौरान भारत को निर्यातित पेंटाइस्थ्रीटोल की कारखानागत निर्यात कीमत का आकलन किया है। प्राधिकारी ने कारखानागत कीमत का निर्धारण *** अम.डा./मी.टन पर किया है।
41. हुबेर्झ ने जांच अवधि के दौरान संबद्ध माल के भारत को किए गए निर्यातों का बीजकवार ब्यौरा उपलब्ध कराया है। उन्होंने जांच अवधि के दौरान 723.50 मी.टन पेंटाइस्थ्रीटोल का निर्यात किया है और निर्यात कीमत के निर्धारण हेतु इसी पर विचार किया गया है। कारखानागत निर्यात कीमत का परिकलन करने के लिए कंपनी ने अंतर्राष्ट्रीय मालभाड़े, हैंडलिंग, समुद्री मालभाड़े और विदेशी बीमे

के लिए समायोजनों का दावा किया है, जोकि सत्यापित किए गए हैं और तर्क संगत पाए गए हैं। प्राधिकारी ने कारखानागत कीमत का निर्धारण *** अम.डा./मी.टन पर किया है।

चीन जन.गण. के अन्य निर्यातक/उत्पादक

सामान्य मूल्य

42. प्राधिकारी ने चीन जन.गण. के सभी अन्य निर्यातकों/उत्पादकों के लिए सामान्य मूल्य का परिकलन पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 के अनुसार अंतर्राष्ट्रीय कीमत पर कच्ची सामग्री, उद्योग के खपत संबंधी मानकों और उचित लाभ के रूप में किया है। अतः इसे देखते हुए सामान्य मूल्य का परिकलन *** अम.डा./मी.टन पर किया है।

निर्यात कीमत

43. चीन जन.गण. के अन्य निर्यातकों/उत्पादकों के लिए निर्यात कीमत का निर्धारण डीजीसीआईएंडएस द्वारा उपलब्ध कराए गए आयात आंकड़ों के आधार पर किया गया है। कारखानागत निर्यात कीमत का परिकलन करने के लिए समायोजनों पर प्राधिकारी के पास उपलब्ध सर्वोत्तम सूचना के रूप में विचार किया गया है। चीन जन.गण. के सभी अन्य निर्यातकों/उत्पादकों के लिए कारखानागत निर्यात कीमत का निर्धारण*** अम.डा./मी.टन पर किया है।

स्वीडन

सामान्य मूल्य

44. मैर्पर्सटॉर्प स्पेशिलिटी केमिकल्स ए बी, स्वीडन ने प्राधिकारी द्वारा तैयार की गई निर्यातक प्रश्नावली के संबंध में बिना कोई सूचना या आंकड़े देते हुए तीन पृष्ठ का उत्तर दाखिल किया है। उन्होंने कारपोरेट कार्यालय और भारत में कार्यालय की सूची तथा अनुषंगी कंपनियों एवं संबद्ध कंपनियों की सूची उपलब्ध करायी है। उन्होंने न तो अपने घरेलू बाजार में घरेलू बिक्री कीमत और न ही संबद्ध वस्तुओं की उत्पादन लागत के संबंध में कोई सूचना दी है। सामान्य मूल्य के संबंध में

किसी सूचना के अभाव में प्राधिकारी मानता है कि इस निर्यातक अलग-अलग पाटन मार्जिन के निर्धारण के लिए उनकी अपनी जानकारी के आधार पर निर्यातक संबंध में सामान्य मूल्य का निर्धारण करना व्यावहारिक नहीं है। अतः प्राधिकारी यह विचार करता है कि यह व्यावहारिक नहीं है कि पर्स्टार्प के संबंध में अलग-अलग पाटन मार्जिन का निर्धारण किया जाए और उसने स्वीडन के सभी निर्यातकों/उत्पादकों हेतु सामान्य मूल्य का परिकलन उपलब्ध सर्वोत्तम तथ्यों के आधार पर पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(8) के अनुसार किया है। इसके महेनजर स्वीडन के सभी निर्यातकों/उत्पादकों हेतु सामान्य मूल्य का परिकलन कच्ची माल की अंतर्राष्ट्रीय कीमतों, उद्योग के खपत संबंधी मानकों, परिवर्तन लागतों के आंकड़ों, बिक्री, सामान्य तथा प्रशासनिक खर्चों और यथोचित लाभ मार्जिन के आधार पर किया है। इसलिए सामान्य मूल्य का परिकलन *** अम.डा./मी.ट पर किया गया है।

निर्यात कीमत

45. निर्यातक ने जांच अवधि के दौरान संबद्ध वस्तुओं के भारत में निर्यातों से संबंधित कोई सूचना दाखिल नहीं की है। निर्यातक प्रश्नावली के किसी उत्तर के अभाव में प्राधिकारी डीजीसीआईएंडएस द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों पर निर्भर रहने के लिए बाध्य है। डीजीसीआईएंडएस द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों पर निर्यात कीमत का निर्धारण करने के लिए विचार किया गया है और यह बताया गया है कि जांच अवधि के दौरान 2639 मी.टन के आयात हुए हैं। कारखानागत निर्यात कीमत निकालने के लिए प्राधिकारी ने प्रारंभिक निर्धारण के प्रयोजनार्थ घरेलू उद्योग द्वारा दावा किए गए समायोजनों पर विचार किया है। स्वीडन के सभी निर्यातकों/उत्पादकों के लिए कारखानागत निर्यात कीमत का निर्धारण *** अम.डा./मी.टन पर किया गया है।

पाटन मार्जिन

46. ऊपर निर्धारित किए गए सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत के आधार पर प्राधिकारी पाटन मार्जिन का आकलन निम्नानुसार करता है:-

निर्यातक/उत्पादक	सामान्य मूल्य (अम.डा./मी.टन)	निर्यात कीमत (अम.डा./मी.टन)	निर्यात कीमत के % के रूप में पाटन मार्जिन
मै0 शांकसी सानवेई ग्रुप कं0 लि0, चीन जन.गण	***	***	50.95%
मै0 हुबई यिहुआ केमिकल इंडस्ट्री कं0 लि0 चीन जन.गण.	***	***	42.7%
चीन जन.गण. के अन्य निर्यातक/उत्पादक	***	***	80%
स्वीडन के सभी निर्यातक/उत्पादक	***	***	56.3%

च. क्षति निर्धारण की पद्धति और कारणात्मक संबंध की जांच

च.1 घरेलू उद्योग के विचार

47. घरेलू उद्योग ने निवेदन किया है कि:

- i) उन्हें पहले कनाडा, जापान तथा ताइवान से होने वाले पाटित आयातों की वजह से क्षति हो रही थी। घरेलू उद्योग ने इन स्रोतों पर पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के लिए सितंबर, 2001 में एक आवेदन दर्ज कराया था और दिनांक 27 मार्च, 2002 को वित्त मंत्रालय द्वारा अंतरिम शुल्क लगाए गए थे। उपरोक्त के महेनजर क्षति विश्लेषण के प्रयोजनार्थ 2000-01 और 2001-02 की अवधि को आधार वर्ष नहीं माना जा सकता है क्योंकि यह ऐसी अवधि रही जब उद्योग को अलग स्रोतों से पाटन हो रहा था और प्राधिकारी के पास पिछले मामले के आधार पर जानकारी रिकॉर्ड में उपलब्ध है।
- ii) क्षति के आकलन के लिए एशियन पेंट्स के कैप्टिव उत्पादन को लिया जा सकता है क्योंकि कंपनी द्वारा कुछ माल की बिक्री बाजार में भी की जाती है। मांग का

- याचिकाकर्ता का उत्पादन 6316 मी.टन तक बढ़ गया है। जांच की अवधि के अंत तक कंपनी के पास उपलब्ध स्टॉक काफी कम है।
- याचिकाकर्ता द्वारा उठाई जा रही हानि उसके उत्पादन की उच्च लागत और स्थानीय अथवा अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में प्रतिस्पर्धा करने में उसकी असमर्थता के कारण है।
- याचिकाकर्ता के उत्पादन की लागत अत्यधिक उच्च प्रतीत होती है जिसके कारण वह कटौती का दबा कर रहा है।
- याचिकाकर्ता की उत्पादकता वर्ष 2002-03 में अधिकतम रही प्रतीत होती है जिसके बाद के वर्ष में गिरावट आई और जांच की अवधि के दौरान इसमें दुबारा वृद्धि हुई।
- याचिकाकर्ता की नकद प्रवाह स्थिति सकारात्मक रही है और कोई क्षति प्रदर्शित नहीं होती है। निवेश पर आय लाभप्रद प्रतीत होती है और कोई क्षति प्रदर्शित नहीं होती है।
- मै0 शांकसी सानवेर्झ ने निवेदन किया है कि कैष्टिव बाजार की एक विस्तृत जांच किए जाने की अपेक्षा है। अक्षतिकारी कीमत का निर्धारण एशियन पेंट्स की उत्पादन लागत के मद्देनजर भी किया जाना चाहिए।
- मै0 हुबर्झ ने निवेदन किया है कि घरेलू उद्योग को जांच अवधि के दौरान तथाकथित पाटन की वजह से कोई क्षति नहीं हुई है। उन्होंने यह भी निवेदन किया है कि घरेलू उद्योग को क्षति स्वीडन से हो रहे पाटन की वजह से हुई है।
- मै0 हुबर्झ ने यह भी तर्क दिया है कि घरेलू उद्योग ने उत्पादन, क्षमता उपयोग, विक्रियों तथा अनेक अन्य कारकों में सुधार दर्शाया है और साथ ही हानि घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित अन्य उत्पादों की वजह से हो सकती है।

च.3. प्राधिकारी द्वारा जांच

क्षति का संचयी आकलन

50. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II(iii) के अनुसार जिन मामलों में किसी उत्पाद का आयात एक से अधिक देशों से हुआ हो और उनकी एक साथ पाटनरोधी जांच हो रही है तो प्राधिकारी ऐसे आयातों के प्रभाव का संचयी रूप से मूल्यांकन केवल तब करेगा जब वह यह निर्धारित करता है कि (क) प्रत्येक देश से किए गए आयातों के बारे में तय किया गया पाटन मार्जिन निर्यात मूल्य के रूप में दिए गए 2 प्रतिशत से अधिक है और प्रत्येक देश से किए गए आयातों की मात्रा समान वस्तु के आयातों का 3 प्रतिशत है और (ख) आयातित वस्तु और समान घरेलू वस्तु के बीच प्रतिस्पर्धा की स्थितियों को देखते हुए आयातों के प्रभावों का संचयी रूप से मूल्यांकन करना उचित है। यह नोट किया

जाता है कि संबद्ध देशों के संबंध में पाटन का मार्जिन 2% से अधिक है। इन संबद्ध देशों से आयातों की मात्रा सामूहिक रूप से कुल आयातों के 85% से अधिक है और अलग-अलग दृष्टि से कुल आयातों के 3% से भी अधिक है।

51. जानकारी की जांच करने पर यह पाया गया कि संबद्ध देशों से आने वाली संबद्ध वस्तुओं की कीमतें लगभग तुलनीय हैं और अत्यधिक परिवर्तित नहीं होती हैं। इनका आयात एक ही टैरिफ वर्गीकरण के अंतर्गत किया गया है। आयातित उत्पाद और घरेलू उत्पाद के लिए प्रयोक्ता उद्योग समान हैं। आयातित उत्पाद और घरेलू तौर पर उत्पादित संबद्ध वस्तुएं अंतर्परिवर्तनीय हैं जैसाकि आयातक और प्रयोक्ता की प्रतिक्रिया से पाया गया है और यह वस्तुएं एक ही बाजार में प्रतिस्पर्धा करती हैं। दोनों देशों के पाटन मार्जिन तथा आयात मात्रा न्यूनतम सीमा से अधिक हैं संबद्ध देशों के निर्यातकों और घरेलू उत्पादकों ने एक ही बाजार खंड में ग्राहकों को उसी अवधि में एक ही उत्पाद की बिक्री की है। अतः प्राधिकारी ने यह यथोचित समझा कि आयातित उत्पादों के बीच प्रतिस्पर्धा की स्थितियों और आयातित उत्पादों और घरेलू समान उत्पाद के बीच प्रतिस्पर्धा की स्थितियों के महेनजर घरेलू तौर पर उत्पादित समान वस्तु पर संबद्ध वस्तु के आयातों के प्रभाव का संचयी मूल्यांकन किया जाए। इस जांच में घरेलू उद्योग पर संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के आयातों द्वारा क्षति के प्रभाव की संचयी रूप से जांच करना उपयुक्त है।

52. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II में दिए गए क्षति के निर्धारण के लिए सिद्धांतों में दिया गया है,

‘क्षति के निर्धारण में (क) पाटित आयातों की मात्रा और समान वस्तु के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव और (ख) ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव, दोनों की वस्तुपरक जांच शामिल होगी।’

जहां तक घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव का संबंध है, पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II के पैरा (iv) में निम्नानुसार उल्लेख है:-

‘संबंधित घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच में सभी संगत आर्थिक कारकों और उन संकेतकों का मूल्यांकन शामिल होगा जो उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालते हैं। इनमें शामिल हैं- बिक्री, लाभ, उत्पादन, बाजार हिस्सा, उत्पादकता, निवेश पर आय अथवा क्षमता उपयोग में स्वाभाविक और वास्तविक गिरावट, घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक, पाटन मार्जिन की मात्रा, नकदी के प्रवाह पर स्वाभाविक और

आकलन घरेलू उद्योग और अन्य उत्पादकों की बिक्रियों तथा देश में कुल आयातों के आधार पर किया गया है।

- iii) चीन से होने वाले आयातों का निर्धारण दो सहयोगकारी निर्यातकों के प्रत्युत्तरों के आधार पर किया गया है जोकि डीजीसीआईएंडएस द्वारा बताए गए आयात आंकड़ों की तुलना में अधिक है लेकिन असहयोगकारी निर्यातक की निर्यात मात्रा पर विचार नहीं किया गया है।
- iv) संबद्ध देशों से आयात में समग्र वृद्धि हुई है और वे जांच अवधि के दौरान काफी अधिक रहे। संबद्ध देशों से पाटित आयातों के हिस्से में घरेलू उद्योग की मांग/खपत और उत्पादन के संबंध में वृद्धि हुई है।
- v) संबद्ध देशों से निर्यात कीमतों में समूची क्षति अवधि के दौरान गिरावट आयी है। घरेलू उद्योग के उत्पादन और क्षमता उपयोग में जांच अवधि के दौरान उत्पादन तथा क्षमता उपयोग में वृद्धि हुई है। तथापि, जांच अवधि के दौरान बिक्री मात्रा में कमी आयी है।
- vi) घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत में 2000-01 से लेकर 2003-04 तक वृद्धि हुई लेकिन उसमें जांच अवधि के दौरान गिरावट आ गई। अन्य स्रोतों से होने वाले आयातों पर दिनांक 27 मार्च, 2002 को लगाए गए पाटनरोधी शुल्क से घरेलू उद्योग बेहतर बिक्री कीमत प्राप्त कर सका। किंतु, बिक्री कीमत में नए स्रोतों से होने वाले पाटित आयातों की वजह से जांच अवधि के दौरान गिरावट आ गई और इसकी जांच चल रही है।
- vii) घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में संबद्ध देशों से होने वाले पाटित आयातों के कारण गिरावट आई है।
- viii) वर्ष 2002-03 तक लाभप्रदता में सुधार हुआ है लेकिन उसके बाद ऐसी सीमा तक उसमें गिरावट होना आरंभ हो गया कि घरेलू उद्योग को जांच अवधि के दौरान वित्तीय हानियां उठानी पड़ी।
- ix) संबद्ध देशों की आयात कीमत की वजह से घरेलू बिक्री कीमतों में काफी कटौती हुई।

- x) जांच अवधि के दौरान नकद प्रवाह नकारात्मक रहा ।
- xi) कंपनी की उत्पादकता में जांच अवधि के दौरान सुधार आया है जिसके बावजूद घरेलू उद्योग वित्तीय हानियों का सामना करता गया ।

च.2 निर्यातक/आयात के विचार

48. मैं⁰ पेर्स्टार्प एजिज ने निवेदन किया है कि:-

- i) निर्दिष्ट प्राधिकारी ने इस बात का खुलासा नहीं किया कि क्या याचिकाकर्ता के संयंत्र की इंगित क्षमता संबद्ध माल के प्रति समर्पित है और यह भी कि क्या उसका प्रयोग अन्य उत्पादों के विनिर्माण के लिए किया जा सकता है/किया गया है ।
- ii) जबकि याचिकाकर्ता की प्रतिस्थापित क्षमता स्थिर रही है लेकिन उत्पादन तथा उत्पादकता 2000-01 में 5081 मी.टन की तुलना में वर्ष 2003-04 में 6316 मी.टन हो गई ।
- iii) याचिकाकर्ता की क्षमता उपयोग भी जो 2001-02 में 85 थी, बढ़कर जांच अवधि के दौरान सूचीकृत आंकड़ों के अनुसार 105 हो गई ।
- iv) पिछले वर्षों की तुलना में जांच अवधि के दौरान घरेलू बिक्री कम स्तर पर रिकॉर्ड की गई । इस बात का सत्यापन किया जाना है कि क्या याचिकाकर्ता द्वारा उत्पादित अन्य माल के प्रचालनों से हानि दर्शाई जा रही है ।

49. निर्यातकों/आयातक के विचारों का सारांश नीचे दिया गया है:-

- यह निवेदन किया जाता है कि जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में कमी बहुत कम है । वार्स्तव में याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना से आयातों में कोई वृद्धि या घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में गिरावट प्रदर्शित नहीं होती है ।
- जांच अवधि के दौरान याचिकाकर्ता ने 106% के क्षमता उपयोग पर प्रचालन किया ।
- वर्ष 2003-04 सहित याचिकाकर्ताओं की बिक्रियों में वृद्धि हो रही है ।

उद्योग का बाजार हिस्सा इसी अवधि के दौरान 31.58% से घटकर 26.92% रह गया। इसी प्रकार संबद्ध देशों से कैप्टिव को छोड़कर मांग में पाटित आयातों का बाजार हिस्सा 2001-02 के दौरान 5.04% से बढ़कर जांच अवधि के दौरान 30.57% हो गया जबकि घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा इसी अवधि के दौरान 36.84% से गिरकर 32.10% रह गया।

कैप्टिव सहित मांग (%)	2001-02	2002-03	2003-04	जांच अवधि
संबद्ध देश	4.32	1.98	14.96	25.64
अन्य देश	8.48	7.19	6.58	4.56
घरेलू उद्योग	31.58	31.84	30.30	26.92
अन्य उत्पादक	55.63	58.99	48.16	42.88
कुल मांग	100	100	100	100
कैप्टिव को छोड़कर मांग (%)				
संबद्ध देश	5.04	2.34	17.98	30.57
अन्य देश	9.89	8.53	7.91	5.44
घरेलू उद्योग	36.84	37.76	36.42	32.10
अन्य उत्पादक	48.23	51.37	37.69	31.89
कुल मांग	100	100	100	100

घरेलू उद्योग के उत्पादन में पाटित आयातों का बाजार हिस्सा

57. यह देखा जाता है कि संबद्ध देशों से हुए पाटित आयातों में समुचित जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के उत्पादन के संबंध में वृद्धि हुई है, इसमें 2002-03 की गिरावट शामिल नहीं है क्योंकि अन्य स्रोतों से होने वाले पाटन पर पाटनरोधी शुल्क लगाया गया था। यह पाया जाता है कि संबद्ध देशों से पाटित आयातों में समुचित जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के उत्पादन के संबंध में वृद्धि हुई जिसमें 2002-03 में हुई गिरावट शामिल नहीं है क्योंकि अन्य स्रोतों से हुए पाटित आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लगाया गया था। यह नोट किया जाता है कि संबद्ध देशों से हुए पाटित आयातों के हिस्से में जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की उत्पादन मात्रा में वृद्धि हुई जिसे नीचे दी गई सारणी से देखा जा सकता है।

(मी.टन)	2001-02	2002-03	2003-04	जांच अवधि
चीम	56	71	1493	2034
स्वीडन	636	259	1145	2639
संबद्ध देश	692	330	2638	4673
घरेलू उद्योग का उत्पादन	***	***	***	***
उत्पादन के संबंध में पाटित आयात(%)	14	5	44	73

क्षमता, उत्पादन तथा क्षमता उपयोग

58. घरेलू उद्योग के उत्पादन में विचाराधीन संबद्ध माल की बढ़ती हुई मांग में वृद्धि हुई है। यह उत्पादन 100 से बढ़कर जांच अवधि में 124 हो गया और उसी अवधि के दौरान बढ़ी हुई मांग में यह 100 से बढ़कर 114 हो गया। घरेलू उद्योग की क्षमता उपयोग में भी वृद्धि हुई। यह वर्ष 2001-02 के 85% से बढ़कर जांच अवधि के दौरान 105% हो गया।

	2001-02	2002-03	2003-04	जांच अवधि
क्षमता(मी.टन)	***	***	***	***
सूचीकृत	100	100	100	100
उत्पादन(मी.टन)	***	***	***	***
सूचीकृत	100	120	117	124
क्षमता उपयोग(%)	85	102	100	105

वृद्धि

59. यह देखा गया है कि कैप्टिव खपत को शामिल करते हुए और उससे इतर उत्पादन, क्षमता उपयोग और मांग में वृद्धि हुई है। किंतु, यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में जांच अवधि के दौरान गिरावट आई है और लगाई गई पूँजी

संभावित ऋणात्मक प्रभाव, भंडार सूची, रोजगार, मजदूरी, वृद्धि पूँजी निवेश बढ़ाने की क्षमता।'

पाटित आयातों की मात्रा एवं बाजार हिस्सा

53. इच्छुक पक्षकारों ने तर्क दिया है कि विभिन्न स्रोतों से आयात की मात्रा पर विचार किया गया है और उनके साक्ष्य प्रकट नहीं किए गए हैं। इच्छुक पक्षकारों के तर्कों की जांच की गयी है और यह नोट किया जाता है कि अन्य स्रोतों के डीजीसीआईएडएस के सौदेवार आयात आंकड़ों और जानकारी पर आयातों की मात्रा के निर्धारण के प्रयोजनार्थ विचार किया गया है। उपरोक्त को देखते हुए संबद्ध देशों और अन्य देशों से हुए पाटित आयातों की मात्रा निम्नानुसार रही है:-

आयात (मी.टन)	2001-02	2002-03	2003-04	जांच अवधि
चीन	56	72	1494	2034
स्वीडन	636	259	1145	2639
संबद्ध देश	692	331	2639	4673
वे देश जिन पर पाटनरोधी शुल्क लागू हैं	553	432	699	639
अन्य देश	806	771	462	192
कुल आयात	2051	1534	3800	5504
आयात(%)				
चीन	2.73	4.66	39.31	36.96
स्वीडन	31.01	16.88	30.13	47.94
संबद्ध देश	33.74	21.54	69.45	84.90
अन्य देश	66.26	78.46	30.55	15.10
कुल आयात	100	100	100	100

54. यह नोट किया जाता है कि संबद्ध देशों से संबद्ध के पाटित आयातों की मात्रा जो 2001-02 में 692 मी.टन रही थी जांच अवधि के दौरा बढ़कर 4673 मी.टन हो गई। चीन से आयातों का हिस्सा जो 2000-01 में 2.73% था जांच अवधि के दौरान बढ़कर 36.96% हो गया जबकि स्वीडन से हुए आयातों का हिस्सा उसी अवधि के दौरान

31.01% से बढ़कर 47.94% हो गया। संचयी रूप में संबद्ध देशों से आयातों का कुल आयातों में हिस्सा 34% से बढ़कर 84.90% हो गया।

मांग में बाजार हिस्सा

55. संबद्ध माल की घरेलू खपत/मांग घरेलू उद्योग की घरेलू बिक्री और भारतीय उद्योग के कुल आयातों के आधार पर निर्धारित की जा सकती है। कैप्टिव खपत सहित संबद्ध माल की मांग 2001-02 के दौरान हुए 16030 मी.टन से बढ़कर जांच अवधि के दौरान 18227 मी.टन हो गयी जबकि कैप्टिव खपत सहित संबद्ध माल की मांग भी इसी अवधि के दौरान 13739 मी.टन से बढ़कर 15287 मी.टन हो गयी है। यह नोट किया जाता है कि मांग में जांच अवधि के दौरान 14% तक वृद्धि हुई जबकि संबद्ध देशों से हुए पाटित आयातों में इसी अवधि के दौरान 50% तक वृद्धि हुई है।

कैप्टिव सहित मांग (मी.टन)	2001-02	2002-03	2003-04	जांच अवधि
कुल आयात	2051	1534	3800	5505
बिक्री (घरेलू उद्योग)	5062	5328	5344	4907
बिक्री (अन्य उत्पादक)	8917	9870	8496	7815
कुल मांग	16030	16732	17640	18227
कैप्टिव को छोड़कर मांग (मी.टन)				
कुल आयात	2051	1534	3799	5505
बिक्री (घरेलू उद्योग)	5062	5328	5344	4907
बिक्री (अन्य उत्पादक)	6626	7248	5531	4875
कुल मांग	13739	14110	14675	15287

56. संबद्ध देशों से कैप्टिव सहित मांग में पाटित आयातों का बाजार हिस्सा 2001-02 के दौरान हुए 4.32% से बढ़कर जांच अवधि के दौरान 25.64% हो गया। जबकि घरेलू

पर आय उसी अवधि के दौरान नकारात्मक हो गई जबकि पाटित आयातों का बाजार हिस्से में समग्र एवं कुल मांग की दृष्टि से वृद्धि हुई।

विचाराधीन अवधि में कीमत मूल्यांकन

60. चीन की सीआईएफ निर्यात कीमत में वर्ष 2002-03 की तुलना में जांच अवधि के दौरान 87% की गिरावट आ गई। जांच अवधि के दौरान सीआईएफ कीमत में इस गिरावट से घरेलू उद्योग के संबद्ध माल की मात्रा पर प्रभाव पड़ा है जिसका कुल आयातों में 37% भाग होता है और कुल मांग में उसका बाजार हिस्सा मौटे तौर पर 12% होता है। स्वीडन की सीआईएफ निर्यात कीमत में 2002-03 की तुलना में जांच अवधि के दौरान 23% की गिरावट आ गई और जांच अवधि के दौरान कीमत में यह गिरावट घरेलू उद्योग के संबद्ध माल की मात्रा की वजह से हुई जिसका कुल आयातों में 48% हिस्सा और कुल मांग में बाजार हिस्सा 14.5% होता है।

कीमत कटौती

61. संबद्ध माल की घरेलू बिक्री कीमत की तुलना आयातित उत्पाद के लैंडेड मूल्य से की गई ताकि कीमत कटौती का परिदृश्य समझ में आ सके। निवल बिक्री वसूली का निर्धारण सभी छूटों एवं करों के संबंध में समायेजन करने के बाद किया गया। संबद्ध माल के लैंडेड मूल्य की तुलना घरेलू उद्योग की निवल वसूली से की गई और यह पाया गया कि यह लैंडेड मूल्य की वजह से घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत पर काफी कीमत कटौती हो रही है। सहयोगकारी निर्यातक के संबंध में कीमत कटौती की भी जांच की गई और यह पाया गया कि पाटित आयातों के लैंडेड मूल्य की वजह से घरेलू उद्योग की बिक्री कीमतों में कटौती हो रही है। चीन के कीमत कटौती मार्जिन जांच अवधि के दौरान 12% से 30% की सीमा में रहे। स्वीडन का कीमत कटौती मार्जिन जांच अवधि के दौरान 20% से 25% तक की सीमा में रहा।

कम दाम पर बिक्री कीमत

62. कम दाम पर बिक्री कीमत के क्षति के आकलन का एक प्रमुख संकेतक होता है। अक्षतिकारी कीमत की गणना की गई है और उसकी तुलना संबद्ध माल के लैंडेड मूल्य से की गई है ताकि कम दाम पर बिक्री कीमत की सीमा निर्धारित की जा सके। अक्षतिकारी कीमत का मूल्यांकन जांच अवधि के दौरान विचाराधीन उत्पाद की उत्पादन लागत पर यथोचित विचार करके घरेलू उत्पादकों के संबंध में किया गया है। त्रुटियों

को समाप्त करने के प्रयोजनार्थ क्षमता उपयोग को सामान्य बनाया गया है। यह विश्लेषण यह दर्शाता है कि संबद्ध देशों के संबद्ध माल का लैंडेड मूल्य जांच अवधि के लिए घरेलू उद्योग के संबंध में निर्धारित अक्षतिकारी कीमत से काफी कम है। जांच अवधि के दौरान चीन के संबंध में कम दाम पर बिक्री मार्जिन 18% से 28% रहा और स्वीडन के संबंध में यह 22% से 30% रहा है।

बिक्रियां

63. मात्रा की दृष्टि से घरेलू उद्योग की बिक्रियों में आधार वर्ष की तुलना में वर्ष 2002-03 और 2003-04 के दौरान वृद्धि हुई है लेकिन उसमें संबद्ध माल की बढ़ती हुई मांग में जांच अवधि के दौरान गिरावट आ गई है। घरेलू उद्योग की निर्यात बिक्रियों में क्षति अवधि के दौरान वृद्धि हुई है लेकिन घरेलू उद्योग की घरेलू बिक्रियों में जांच अवधि के दौरान गिरावट आ गई है। मांग में यह वृद्धि 2001-02 के 100 से बढ़कर जांच अवधि के दौरान 114 हो गई जबकि घरेलू उद्योग की घरेलू बिक्री मात्रा उसी अवधि के दौरान 100 से घटकर 97 हो गई। यह देखा जाता है कि घरेलू उद्योग की बिक्री मात्रा में वर्ष 2001-02 और वर्ष 2003-04 के दौरान वृद्धि हो गई और उसके बाद इसमें जांच अवधि के दौरान वृद्धि हो गई लेकिन बिक्री मात्रा में गिरावट आई गई।

(सी.टन)	2001-02	2002-03	2003-04	जांच अवधि
बिक्री (घरेलू)	***	***	***	***
सूचीकृत	100	105	106	97
बिक्री (निर्यात)	***	***	***	***
सूचीकृत	100	45	135	231
कुल बिक्री	***	***	***	***
सूचीकृत	100	99	108	110
मांग	16030	16732	17640	18227
सूचीकृत	100	104	110	114

घरेलू कीमतों पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाले कारक

64. यह नोट किया जाता है कि संबद्ध माल की विनिर्माण एवं बिक्री लागतें वर्ष 2001-02 के 100 की तुलना में बढ़कर जांच अवधि के दौरान 114 हो गई जबकि घरेलू उद्योग की बिक्री कीमतें उसी अवधि के दौरान 100 से बढ़कर 111 हो गई। प्राधिकारी नोट करता है कि ऐसा कोई बाहरी कारक दिखाई नहीं देता जिसकी वजह से घरेलू कीमतें

पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा हो बल्कि यह पाटित आयात ही हैं जिनकी वजह से घरेलू उद्योग की घरेलू बिक्री कीमतों पर दबाव आया है। प्राधिकारी नोट करता है कि उत्पादन लागत में वृद्धि जटिल निविष्टयों की कीमतों में हुई वृद्धि की वजह से हुई है।

65. पेस्टर्प एजिज ने तर्क दिया है कि उनके आयातित माल घरेलू उद्योग द्वारा ऑफर किए गए माल से प्रत्यक्ष रूप से प्रतिस्पर्धा करते हैं लेकिन जांचों से विदित होता है कि यह कंपनी विभिन्न शुद्धताओं वाले पेंटाएस्थ्रीटोल को ब्लेंड करके उसकी दुबारा पैकिंग करती है और घरेलू बाजार से प्रतिस्पर्धा करती है। पेस्टर्प एजिज ने प्राधिकारी को अपनी पुनर्विक्री कीमत तथा प्रस्तुकरण लागत के संबंध में कोई जानकारी प्रदान नहीं की जिससे प्राधिकारी को घरेलू बाजार में कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव के निर्णय में सहायता मिल सकती।

पाटन मार्जिन की मात्रा

66. प्रत्येक संबद्ध देश के पाटन मार्जिन की मात्रा काफी रही है जैसाकि पाटन जांच में हिसाब लगाया गया है। ये साबित मार्जिन पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध II के पैरा iii(क) से नियम 11 तक यथापरिभाषित न्यूनतम सीमा से स्पष्ट रूप से अधिक रहे हैं।

2003-04(जांच अवधि)	चीन	स्वीडन
पाटन मार्जिन	42% से 80%	56%

गंवाई गई संविदाओं का साक्ष्य

67. घरेलू उद्योग ने दावा किया है कि उन्होंने संबद्ध देशों से पाटित आयातों की वजह से संविदाएं गंवाई हैं। इस तर्क की जांच की गई और प्राधिकारी को गंवाई गई संविदाओं के कारण क्षति के संबंध में कोई साक्ष्य नहीं मिल पाया। अतः प्राधिकारी इस कारक की वजह से घरेलू उद्योग को हुई क्षति के संबंध में कोई अंतिम परिणाम तय नहीं कर पाया।

माल सूची

68. घरेलू उद्योग की कुल बिक्री मात्रा में वर्ष 2002-03 और 2003-04 के दौरान वृद्धि हुई है लेकिन इसमें जांच अवधि के दौरान गिरावट आ गई। यह देखा गया है कि घरेलू उद्योग की माल सूची में समग्र वृद्धि से जांच अवधि के दौरान गिरावट आ गई है। यह भी पाया जाता है कि मासिक बिक्री मात्रा की वृद्धि से माल सूची में आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान गिरावट आ गई है। इस तथ्य को देखते हुए यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग को इस कारक की वजह से क्षति नहीं हुई है।

	यूनिट	2001-02	2002-03	2003-04	जांच अवधि
मात्रा	मी.टन	***	***	***	***
महीना बिक्री के रूप में माल सूची	%	0.80	0.81	1.18	0.12
सूचीकृत		100	101	148	15

लगाई गई पूंजी पर आय और पूंजी लगाने की सामर्थ्य

69. घरेलू उद्योग के संबंध में लगाई गई पूंजी पर आय में वर्ष 2002-03 और 2003-04 के दौरान अन्य स्रोतों से पाटनरोधी शुल्कों की वजह से सुधार हुआ है लेकिन इसकी स्थिति बिगड़ गई और जांच अवधि के दौरान यह नकारात्मक हो गई। यह पाया गया है कि इस उद्योग में वर्ष 2001-02 के दौरान लगाई गई पूंजी पर नकारात्मक रही, वर्ष 2002-03 और 2003-04 के दौरान उसके लाभ में समेकन और सुधार हो गया तथा इसमें संबद्ध देशों से पाठित आयातों की वजह से जांच अवधि के दौरान इस आय में नकारात्मक वृद्धि हो गई।

	2001-02	2002-03	2003-04	जांच अवधि
ब्याज पूर्व लाभ(लाख रु0)	***	***	***	***
सूचीकृत	-100	774	585	-10
लगाई गई पूंजी	***	***	***	***
सूचीकृत	100	114	142	139
एनएफ को देखते हुए लगाई गई पूंजी पर आय(%)	-4.15	28.13	17.14	-0.30

लाभ/हानि

70. घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में गिरावट आ गई है जबकि बढ़ी हुई मांग के मद्देनजर जांच अवधि के दौरान उत्पादन में वृद्धि हो गई। उत्पादन लागत जो वर्ष 2001-02 के दौरान 100 पर रहा था वह जांच अवधि के दौरान बढ़कर 114 हो गया क्योंकि कच्चे माल की कीमतों में वृद्धि हो गई थी जबकि उसी अवधि के दौरान बिक्री कीमत में उस अनुपात से वृद्धि नहीं हुई है। यह देखा जाता है कि उत्पादन लागत में वृद्धि हुई जबकि इस उत्पाद की बिक्री कीमत में उसी अवधि के दौरान गिरावट आ गई है और क्योंकि इस कारण से घरेलू उद्योग जो आधार वर्ष के दौरान 2003-04 तक यथोचित लाभ पाने के लिए हानियों से उभर गया था उसमें जांच अवधि के दौरान पुनः हानि हो गई। हालांकि घरेलू उद्योग ने अपने उत्पादन अधिकतम सीमा तक

अनुकूल बना दिया था लेकिन उसकी लाभप्रदता वर्ष 2003-04 की लाभ की स्थिति से वित्तीय हानि में आ गई। यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में वर्ष 2002-03 तथा वर्ष 2003-04 के दौरान सुधार हो गया क्योंकि ताइवान, कनाडा तथा जापान से पाटित आयातों पर मार्च, 2002 से पाटनरोधी शुल्क लगाया गया था।

रु0/कि.ग्रा.	2001-02	2002-03	2003-04	जांच अवधि
बिक्री कीमत	***	***	***	***
सूचीकृत	100	116	123	111
उत्पादन लागत	***	***	***	***
सूचीकृत	100	99	108	114
लाभ/हानि	***	***	***	***
सूचीकृत	100	174	138	-150

71. संबंधित जांच में लाभ/हानि के रुझान की त्रैमासिक आधार पर उसी से तुलना करके जांच की गई। यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग के लाभ में जांच अवधि के दौरान निरंतर गिरावट आती गई।

रोजगार

72. घरेलू उद्योग के रोजगार स्तर में जांच अवधि के दौरान सुधार आया है और प्रति कर्मचारी बिक्री मात्रा में जांच अवधि के दौरान सुधार हुआ है। प्रति कर्मचारी बिक्री मात्रा में भी वर्ष 2001-02 से 2003-04 तक वृद्धि हुई है लेकिन जांच अवधि के दौरान उसमें गिरावट आ गई। यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग एक बहुउत्पाद कंपनी है, अतः इस कंपनी के प्रति बिक्री रोजगार स्तर घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति का एक अंतिम संकेतक हो सकता है। यह नोट किया जाता है कि रोजगार स्तर में जो परिवर्तन हुआ है उसकी वजह से घरेलू उद्योग को क्षति नहीं हुई है।

कर्मचारी	यूनिट	2001-02	2002-03	2003-04	जांच अवधि
कर्मचारियों की संख्या	सं0	***	***	***	***
सूचीकृत		100	96	99	108
प्रति कर्मचारी मात्रा तथा बिक्री	मी.टन	***	***	***	***
सूचीकृत		100	104	110	102

उत्पादकता

73. घरेलू उद्योग की उत्पादकता में प्रति कर्मचारी उत्पादन की दृष्टि से परिलक्षित वर्ष 2002-03 के दौरान सुधार हुआ है और जांच अवधि के दौरान उसकी स्थिति फिर से बिगड़ गई। प्रति कर्मचारी उत्पादकता वर्ष 2001-02 के 100 से बढ़कर 2003-04 में 119 हो गई लेकिन जांच अवधि के दौरान यह स्थिति बिगड़ गई। अतः यह नहीं कहा जा सकता है कि घरेलू उद्योग को उत्पादकता में आई गिरावट की वजह से क्षति हुई है।

उत्पादकता	यूनिट	2001-02	2002-03	2003-04	जांच अवधि
कर्मचारियों की संख्या	सं0	***	***	***	***
सूचीकृत		100	96	99	108
उत्पादन	मी.टन	***	***	***	***
प्रति कर्मचारी उत्पादकता	मी.टन	***	***	***	***
सूचीकृत		100	125	119	114

मजदूरियां तथा वेतन

74. घरेलू उद्योग के प्रति कर्मचारी मजदूरी तथा वेतन में जांच अवधि के दौरान वृद्धि हुई है। इसमें 2000-2001 के दौरान 100 से जांच अवधि के दौरान 135 तक वृद्धि हुई जबकि उत्पादन की प्रति इकाई मजदूरी में भी 2001-2002 के दौरान 100 से जांच अवधि के दौरान 109 तक वृद्धि हुई। यह नोट किया जाता है कि इस मापदण्ड के आधार पर घरेलू उद्योग को क्षति करनहीं हुई है।

मजदूरियां तथा वेतन	2001-02	2002-03	2003-04	जांच अवधि
लाख रु0/वार्षिक	***	***	***	***
सूचीकृत	100	110	128	135
उत्पादन की प्रति यूनिट मजदूरियां	***	***	***	***
सूचीकृत	100	91	109	109

नकद प्रवाह

75. घरेलू उद्योग एक बहुउत्पाद कंपनी है जो अन्य उत्पादों के उत्पादन में भी कार्यरत है। घरेलू उद्योग का नकद प्रवाह संपूर्ण कंपनी के संबंध में प्रचालनों में परिलक्षित होता है।

किंतु, घरेलू उद्योग के निष्पादन की विचाराधीन उत्पाद के संबंध में नकद प्रवाह की दृष्टि से जांच की गई। यह नोट किया जाता है कि जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत में गिरावट और उत्पादन लागत में निविष्टियों की लागत में वृद्धि कि परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग को जांच अवधि में एक बार फिर नकद हानि हो गई। घरेलू उद्योग के नकद प्रवाह की जांच के बाद यह देखा गया कि कंपनी के नकद लाभ में वर्ष 2002-03 के दौरान सुधार हो गया है जबकि अन्य स्रोतों से पाटित आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लगाया हुआ था किंतु, चीन जन.गण. तथा स्वीडन से पाटित आयातों की वजह से यह स्थिति पुनः बिगड़ गई और जांच अवधि के दौरान यह नकारात्मक हो गया। विचाराधीन उत्पाद के संबंध में घरेलू उद्योग के घरेलू उद्योग के नकद लाभ नीचे दिए गए हैं-

	2001-02.	2002-03	2003-04	जांच अवधि
नकद लाभ(रु0/लाख)	***	***	***	***
सूचीकृत	-100	433	360	-6
नकद प्रवाह(रु0/लाख)	***	***	***	***
सूचीकृत	-100	179	197	-93

पूंजी/पूंजी निवेश लगाने की सामर्थ्य

76. यह नोट किया जाता है कि आवेदक एक बहुउत्पाद कंपनी है और पूंजी निवेश करने की सामर्थ्य घरेलू उद्योग पर पाटन के प्रभाव का एक संकेतक नहीं हो सकता है।

च.4 क्षति के संबंध में निष्कर्ष

77. क्षति कारकों की जांच करने पर घरेलू उद्योग को हुई क्षति के संबंध में निम्नलिखित निष्कर्ष दिए जाते हैं-

- क) घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में जांच अवधि के दौरान स्थिति बिगड़ गई है। लगाई गई पूंजी पर आय और नकद लाभ के संबंध में भी जांच अवधि के दौरान स्थिति बिगड़ गई जबकि वर्ष 2002-03 और 2003-04 के दौरान संबद्ध देशों से पाटित आयातों की वजह से सुधार हो गया था।
- ख) संबद्ध देशों से आयातों में समग्र दृष्टि से और भारत में उत्पादन एवं खपत की दृष्टि से काफी वृद्धि हुई है।
- ग) पाटित आयातों की वजह से घरेलू उद्योग की बिक्री कीमतों में काफी कीमत कटौती हो रही है।

- घ) घरेलू उद्योग जांच अवधि के दौरान कीमत दबाव का सामना कर रहा था क्योंकि पाटित आयातों की वजह से निविष्टि कीमतों में वृद्धि के परिणामस्वरूप आवश्यक वृद्धि में रुकावट आ रही थी ।
- ड.) बिक्री मात्रा, बाजार हिस्से, उत्पादकता, लाभप्रदता, लगाई गई पूँजी पर आय और नकद प्रवाह में क्षति अवधि के दौरान स्थिति खराब हो गई जबकि वर्ष 2002-03 तक इसमें सुधार हो रहा था ।
- घ) हालांकि उत्पादन, क्षमता उपयोग, माल सूचियों, रोजगार, मजदूरियों में सकारात्मक रुझान तो दर्शाया गया है लेकिन अन्य मापदंडों में बिगड़ती स्थिति इन मापदंडों में सुधार की तुलना में काफी अधिक है ।
- छ) इस प्रकार, यह निष्कर्ष दिया जाता है कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है ।

४. कारणात्मक संबंध तथा अन्य कारक

(क) पाटित आयातों का प्रभाव

78. संबद्ध देशों से पाटित आयातों के हिस्से में वर्ष 2001-02 और जांच अवधि के दौरान काफी वृद्धि हुई है जो बढ़कर 53% हो गया । यह नोट किया जाता है कि कुल मांग में पाटित आयातों का बाजार हिस्सा क्षति अवधि के दौरान काफी बढ़ गया है जिसके प्रत्यक्ष परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में गिरावट आ गई है । घरेलू उद्योग की बिक्री मात्रा में भी गिरावट आ गई बावजूद इसके कि जांच अवधि के दौरान मांग में लगभग 14% की वृद्धि हो गई है । यह पाया गया कि हालांकि घरेलू उद्योग के उत्पादन में वृद्धि का रुख बना रहा लेकिन जांच अवधि के दौरान बिक्री मात्रा में इतनी गिरावट आई कि वह आधार वर्ष की तुलना में कम रही ।

79. कीमतों के प्रभाव की जांच करने में कि क्या पाटित आयातों से भारत में समान उत्पाद की कीमतों में अत्यधिक कीमत कटौती हुई है, प्राधिकारी ने यह पाया कि संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के पहुंच मूल्य घरेलू उद्योग की निवल बिक्री कीमतों से कम थे जिसके फलस्वरूप घरेलू उद्योग की बिक्री कीमतों में अत्यधिक कीमत कटौती हुई । इसके अलावा, घरेलू कीमतों में कटौती पाटित आयातों का संपूर्ण प्रभाव नहीं दर्शाती क्योंकि कम पहुंच मूल्य के कारण घरेलू कीमतों में ह्रास हुआ था । यह पाया गया है कि कीमत कटौती तथा आयातों के पहुंच मूल्य के कीमत संबंधी व्यवहार से घरेलू उद्योग को कीमतों को उत्पादन की लागत से भी कम तक घटाने को बाध्य होना पड़ा जिसके फलस्वरूप घरेलू उद्योग को वित्तीय घाटा हुआ । घरेलू उद्योग बिग्री कीमत में पाटित आयातों के कारण उत्पादन की लागत में वृद्धि के परिणामस्वरूप वृद्धि नहीं कर सका

तथा जांच अवधि के दौरान इसे वित्तीय घाटा हुआ। इस कटौती तथा साथ ही लागू कीमत हास से घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में कमी आई। इस पर्याप्त कीमत कटौती परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग को अपनी कीमतें घटाने को बाध्य होना पड़ा जबकि कीमतों में निविष्टि लागतों में वृद्धि के फलस्वरूप बढ़ोत्तरी होनी चाहिए थी। घरेलू उद्योग की बिक्री कीमतों, लाभप्रदता, लगाई गई पूँजी पर आय और नकद प्रवाह में आई गिरावट के प्रभाव के परिणामस्वरूप अन्य देशों पर पाटनरोधी उपाय के साथ सुधार होने के बाद घरेलू उद्योग की स्थिति बिगड़ गई। घरेलू उद्योग को जांच अवधि के दौरान संबद्ध देशों से संबद्ध माल के पाठित आयातों के कारण वास्तविक क्षति हुई है।

अन्य कारकों का प्रभाव

(क) अन्य घरेलू उत्पादकों का निष्पादन

80. आवेदक के अलावा संबद्ध माल के घरेलू उत्पादक दो और भी हैं। संबद्ध माल का एक उत्पादक अर्थात् मै0 एशियन पेंट्स अपने उत्पादन के एक प्रमुख भाग की खपत कर लेता है। अन्य भारतीय उत्पादक अर्थात् मै0 पेर्स्टार्प एजिज ने अपना उत्पादन धीरे-धीरे कम कर दिया और उन्होंने स्वीडन से संबद्ध माल के आयात का अधिकाधिक सहारा ले लिया और उन्होंने उसकी ब्लॉडिंग भारत में करके उसकी भारतीय बाजार में बिक्री कर दी। पेर्स्टार्प एजिज ने दावा किया कि उन्हें चीन से पाटन होने की वजह से संबद्ध माल का उत्पादन कम करने और आयातों का सहारा लेने को बाध्य होना पड़ा। क्षति आकलन के संगत किसी भी अन्य भारतीय उत्पादक ने जानकारी प्रस्तुत नहीं की है। हालांकि मै0 पेर्स्टार्प एजिज द्वारा जांच के विभिन्न पहलुओं पर निवेदन किए गए लेकिन यह नोट किया जाता है कि इस कंपनी ने उन्हें हुई क्षति के संबंध में कोई भी जानकारी प्रस्तुत नहीं की। इन परिस्थितियों में इन भारतीय उत्पादकों को हुई क्षति के प्रभाव का आकलन नहीं किया जा सका।

(ख) व्यापार प्रतिबंधात्मक पद्धति तथा विदेशी एवं घरेलू उत्पादकों के बीच प्रतिस्पर्धा

81. प्राधिकारी ने भारतीय उत्पादकों तथा अन्य प्रतिस्पर्धा उद्योगों द्वारा अनुसरित कोई व्यापार प्रतिबंधात्मक व्यवहार नहीं पाया। घरेलू मांग तथा उनके अपने उत्पादन के बीच अंतराल को पाटने में घरेलू उद्योग की अक्षमता जिससे घरेलू उद्योग को कोई क्षति हुई हो, के संबंध में यह देखा जा सकता है कि पाटनरोधी शुल्क लगाने का अर्थ घरेलू बाजार में

संबद्ध वस्तुओं की आपूर्ति के लिए आपूर्तिकर्ता तथा उत्पादकों पर किसी किस्म का प्रतिबंध नहीं है।

(ग) मांग में मंदी अथवा खपत पैटर्न में परिवर्तन

82. यह नोट किया जाता है कि विचाराधीन अवधि के दौरान कुल मांग में कोई कमी नहीं आई है। इसके विपरीत, कुल मांग में जांच अवधि के दौरान 14% तक की वृद्धि हुई है। संबद्ध माल की मांग कैप्टिव सहित खपत तथा कैप्टिव रहित खपत दोनों स्थितियों में जांच अवधि के दौरान बढ़ी है। इसलिए मांग में संभावित गिरावट ऐसा कारक नहीं है जिससे घरेलू उद्योग को कोई क्षति हुई हो। खपत के पैटर्न में परिवर्तन के संबंध में इच्छुक पक्षकारों द्वारा कोई तर्क नहीं दिया गया है, अतः घरेलू उद्योग को इससे कोई क्षति नहीं हुई है।

(घ) पारित आयातों पर नहीं बेचे गए आयातों की मात्रा तथा कीमतें

83. यह नोट किया जाता है कि ताइवान, जिस पर मार्च, 2002 से पाटनरोधी शुल्क लागू हैं, को छोड़कर संबद्ध देशों से इतर देशों से आयात निर्धारित न्यूनतम सीमा से कम हैं। उपलब्ध सचना के अनुसार, संबद्ध देशों से इतर देशों के मूल की संबद्ध वस्तुओं की कुल आयात मात्रा में 53% कमी हुई है और मांग में उनका बाजार हिस्सा वर्ष 2001-02 के दौरान 8.48% से घटकर जांच अवधि के दौरान 4.34% रह गया है। अतः यह नोट किया जाता है कि संबद्ध देशों से आयातों का समग्र रूप से घरेलू उद्योग की क्षति में कोई योगदान नहीं है।

(ड.) घरेलू उद्योग की प्रौद्योगिकी में विकास, निर्यात निष्पादन तथा उत्पादकता

84. किसी भी इच्छुक पक्षकार ने इस बारे में कोई मुद्दा नहीं उठाया कि प्रौद्योगिकी घरेलू उद्योग को हुई क्षति का एक कारण है। इसके अलावा जांच से यह विदित नहीं हुआ कि संबद्ध माल के उत्पादन के लिए प्रौद्योगिकी में कोई ज्यादा परिवर्तन आया हो। अतः यह समझा जाता है कि प्रौद्योगिकी में संभावित गतिविधियां घरेलू उद्योग को हुई क्षति का कारण प्रतीत नहीं होती है। इस तथ्य को देखते हुए यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग द्वारा प्रयुक्त प्रौद्योगिकी का प्रयोग भी संबद्ध देशों के विदेशी उत्पादकों द्वारा किया जाता है। अतः यह घरेलू उद्योग को हुई क्षति का एक कारण नहीं हो सकता है।

85. घरेलू उद्योग ने जांच अवधि और पिछले वर्षों के दौरान संबद्ध माल का निर्यात किया है। यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग के निर्यात निष्पादन में उत्पादन तथा क्षमता उपयोग में सुधार की वजह से, सुधार आया है। क्षति संबंधी जांच के प्रयोजनार्थ घरेलू उद्योग की लाभप्रदता और निर्यात बिक्रियों को अलग-अलग किया गया है। अतः निर्यातों की वजह से क्षति, यदि कोई हुई है तो इसे घरेलू बाजार में घरेलू उद्योग के कार्य-निष्पादन के लिए कारण नहीं माना गया है।
86. घरेलू उद्योग की उत्पादकता में क्षति अवधि के दौरान गिरावट आ गई। किंतु, यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग के कार्य-निष्पादन से स्थिति का बिगड़ना प्रदर्शित होता है हालांकि उत्पादकता लक्ष्य प्राप्त अधिकतम यथेष्ट स्तर पर मानी गई है। उत्पादकता घरेलू उद्योग को हुई क्षति का प्रत्यक्ष कारण नहीं हो सकती है।

ज. भारतीय उद्योग के हित तथा अन्य मुद्दे

87. यह नोट किया जाता है कि पाटनरोधी शुल्कों का प्रयोजन सामान्य रूप से पाटन की अनुचित व्यापार पद्धतियों द्वारा घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति को समाप्त करना होता है ताकि एक मुक्त एवं उचित प्रतिस्पर्धा की स्थिति पुनर्स्थापित की जा सके।
88. प्राधिकारी यह भी मानता है कि हालांकि पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से संबद्ध माल के प्रयोग से विनिर्मित उत्पादों के कीमत स्तर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है और उसके परिणामस्वरूप इन उत्पादों की संबंधित प्रतिस्पर्धा पर कुछ प्रभाव पड़ सकता है लेकिन भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्धा इन पाटनरोधी उपायों की वज़़ू से कम नहीं होगी। इसके विपरीत पाटनरोधी उपायों को करने के फलस्वरूप पाटन पद्धतियों द्वारा प्राप्त अनुचित लाभ समाप्त होंगे और घरेलू उद्योग में आने वाली गिरावट रुक सकेगी और उपभोक्ताओं को संबद्ध माल के अधिकतर विकल्प की उपलब्धता कायम रखने में सहायता मिलेगी।

झ. लैंडेड मूल्य

89. इस प्रयोजनार्थ आयातों का लैंडेड मूल्य सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम 1962 के सीमाशुल्कों द्वारा यथानिर्धारित आकलनीय मूल्य होगा और सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की धारा 3, 3क, 8ख, 9, 9क के तहत लगाए गए शुल्कों को छोड़कर सीमाशुल्कों के लागू स्तर पर होगा।

ट. निष्कर्ष

90. पूर्वोक्त पर विचार करने के बाद प्राधिकारी इस निष्कर्ष पर पहुंचता है कि:-

- i) भारत को संबद्ध देशों के मूल के अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध माल का उसके सामान्य मूल्य से कम कीमत पर निर्यात किया गया है।
- ii) घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है।
- iii) घरेलू उद्योग को हुई यह क्षति संबद्ध देशों के मूल के अथवा वहां से निर्यातित माल के पाठित आयातों के कारण हुई है।
- iv) घरेलू उद्योग ने प्रकटन विवरण-पत्र के संबंध में अपनी टिप्पणियों में निवेदन किया है कि पाटनरोधी शुल्क निर्धारित राशि के रूप में लगाए जा सकते हैं क्योंकि संबद्ध माल की लागत तथा कीमतों में क्षति अवधि के दौरान काफी अंतर आया है और जांच अवधि के दौरान मौजूदा लागत तथा कीमतों की तुलना में उसमें वृद्धि हुई है और साथ ही, पाटन जांच अवधि पश्चात भी जारी है। उन्होंने यह भी तर्क दिया है कि जांच अवधि के दौरान कच्चे माल की कीमतों में पूरे विश्व में वृद्धि हुई है अतः संदर्भ कीमत आधार पर शुल्क लगाए जाने से घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति समाप्त नहीं हो सकेगी। यह भी नोट किया जाता है कि उसी उत्पाद के संबंध में कनाडा, जापान तथा ताइवान से संबंधित जांच में पाटनरोधी शुल्क निर्धारित राशि के आधार पर लगाया गया था और अब ऐसी स्थिति में उसमें अंतर करना वांछनीय नहीं है। एक निर्यातिक अर्थात् मै० हुबई ने निवेदन किया है कि चूंकि संबद्ध देश के प्रत्येक निर्यातिक की मात्रा एवं कीमत में काफी अंतर है। अतः प्राधिकारी के लिए यह उचित नहीं होगा कि वह किसी एनआईपी द्वारा संचालित एक समान संदर्भ कीमत के आधार पर पाटनरोधी शुल्क के निर्धारण की अनुशंसा करे। उन्होंने आगे यह भी निवेदन किया है कि एक समान पाटनरोधी शुल्क सहयोगकारी निर्यातिकों के लिए सामान्य रूप में लगा दिया जाए और उसे असहयोग के लिए पुरस्कृत किया जाए और असहयोगकारी निर्यातिकों को अपेक्षतया कम मार्जिन का लाभ प्रदान किया जाए। इच्छुक पक्षकारों द्वारा किए गए तर्कों की जांच करने के बाद प्राधिकारी ने इसे समुचित समझा है कि वह इस जांच में निर्धारित अपेक्षतया कम मार्जिन के आधार पर निर्धारित राशि के शुल्क पर विचार करें और उसकी सिफारिश करें।
- v) इस प्रकार प्राधिकारी यह आवश्यक समझता है कि वह इन संबद्ध देशों के मूल के अथवा वहां से निर्यातित और सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के अध्याय 29 के तहत आने वाले संबद्ध माल के आयातों पर अंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने की सिफारिश करें।

- vi) प्राधिकारी का प्रस्ताव है कि वह पाटन मार्जिन अथवा क्षति मार्जिन से अनधिक, जो भी कम हो, पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने की सिफारिश की जाए, और यह भी कि यदि वह लगाई जाती है तो क्या उससे घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति समाप्त हो सकेगी। क्षति के निर्धारण के प्रयोजनार्थ आयातों के लैंडेड मूल्यों की तुलना जांच अवधि के लिए निर्धारित आवेदक कंपनी की अक्षतिकारी बिक्री कीमत से की गई है।
- vii) तदनुसार, प्राधिकारी यह सिफारिश करता है कि चीन जन.गण. और स्वीडन के मूल के अथवा वहां से निर्यातित और सीमाशुल्क टैरिफ वर्गीकरण अधिनियम, 1975 के अध्याय 29 के तहत आने वाले पेंटाएरिथ्रीटोल के सभी आयातों पर केन्द्रीय सरकार द्वारा अधिसूचना जारी करने की तारीख से अंतिम पाटनरोधी शुल्क लगा दिया जाए। यह पाटनरोधी शुल्क वह राशि होगी जिसका उल्लेख नीचे दी गई सारणी के कॉलम 9 में उल्लिखित है और वह नीचे उल्लिखित देशों के मूल के अथवा वहां से निर्यातित और सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के अध्याय 29 के तहत आने वाले संबद्ध माल के सभी आयातों पर केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी होने वली अधिसूचना की तारीख से लगाई जाएगी:

क्र स	उप-शीर्ष	माल का विवरण	विशेष विवरण	उदभव का देश	निर्यात का देश	उत्पादक	निर्यातक	शुल्क राशि	माप की इकाई	मुद्रा
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
1	2905	पेंटाएरिथ्रीटोल	कोई	चीन	चीन	मै० शांकसी, चीन	मै० शांकसी, चीन	५५०.७३	मी.टन	अम.डा.
2	2905	पेंटाएरिथ्रीटोल	कोई	चीन	चीन	मै० शांकसी, चीन	कोई निर्यातक	५५०.७३	मी.टन	अम.डा.
3	2905	पेंटाएरिथ्रीटोल	कोई	चीन	चीन	कोई निर्यातक	मै० शांकसी, चीन	५५०.७३	मी.टन	अम.डा.
4	2905	पेंटाएरिथ्रीटोल	कोई	चीन	चीन	मै० हुबेझ, चीन	कोई निर्यातक	३८७.८७	मी.टन	अम.डा.
5	2905	पेंटाएरिथ्रीटोल	कोई	चीन	चीन	मै० हुबेझ, चीन	मै० हुबेझ, चीन	३८७.८७	मी.टन	अम.डा.
6	2905	पेंटाएरिथ्रीटोल	कोई	चीन	चीन	कोई उत्पादक	मै० हुबेझ, चीन	३८७.८७	मी.टन	अम.डा.
7	2905	पेंटाएरिथ्रीटोल	कोई	चीन	चीन	कोई उत्पादक	कोई निर्यातक	५५४.९५	मी.टन	अम.डा.
8	2905	पेंटाएरिथ्रीटोल	कोई	स्वीडन	स्वीडन	कोई उत्पादक	कोई निर्यातक	५५९.४३	मी.टन	अम.डा.

इस आदेश के विरुद्ध कोई अपील वर्ष 1995 में यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 और सीमा शुल्क टैरिफ नियमावली, 1995 के अनुसार सीमाशुल्क, उत्पाद शुल्क एवं सेवा शुल्क अपीलीय न्यायाधिकरण में की जा सकेगी।

क्रिस्टी फर्नांडेज, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)

NOTIFICATION

New Delhi, the 2nd February, 2006

FINAL FINDINGS

Sub :— Anti-Dumping Investigation concerning imports of Pentaerythritol originating in or exported from China PR and Sweden.

No. 14/16/2004-DGAD.—Having regard to the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995 (hereinafter referred to as AD Rules), thereof.—

A. PROCEDURE

1. The procedure described below has been followed with regard to the investigation:

- i) The Designated Authority (hereinafter referred to as Authority), under the above Rules, received an application filed by M/s. Kanoria Chemicals and Industries Ltd., on behalf of the domestic industry, alleging dumping of Pentaerythritol(hereinafter referred to as subject goods or Penta) originating in or exported from China PR and Sweden (hereinafter referred to as subject countries).
- ii) The Authority issued a public notice dated 4.2.2005 published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating anti-dumping investigations concerning imports of the subject goods classified under chapter 29 of Schedule I of the Customs Tariff Act, 1975 originating in or exported from China PR and Sweden.
- iii) The Authority forwarded a copy of the public notice to the known exporters (whose details were made available by the applicant) and gave them opportunity to make their views known in writing within forty days from the date of the letter in accordance with the Rule 6(2):
- iv) The Authority forwarded a copy of the public notice to all the known importers (whose details were made available by the applicant) of subject goods in India and

advised them to make their views known in writing within forty days from the date of issue of the letter in accordance with the Rule 6(2).

v) Requests were made to the Central Board of Excise and Customs (CBEC) and Director General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S), Kolkata to arrange details of imports of subject goods made in India for the period of investigation and preceding three years.

vi) The Authority provided copies of the non confidential version of the application to the known exporters and the Embassy/territory of the subject countries in accordance with Rules 6(3) supra. A copy of the non-confidential application was also provided to other interested parties, wherever requested.

vii) The Authority sent a questionnaire to elicit relevant information to the following known exporters/producers, in accordance with the Rule 6(4):

1. M/s. Hubei Yihua Group Limited Liability Company, China PR
2. M/s. Guizhou Crystal Chemical Co., Ltd., China PR
3. M/s. China National Chemicals Construction Corporation, China PR,
4. M/s. Perstorp Specialty Chemicals, Sweden

viii) A questionnaire was sent to the following known importers/user associations of the subject goods for necessary information in accordance with Rule 6(4):

1. M/s. Vibgyor Paints Pvt. Ltd., Mumbai
2. M/s. Sanman Trade Impex Pvt. Ltd., Mumbai
3. M/s. Saraf Chemicals Ltd., Mumbai
4. M/s. Alcon Enterprises, Kolkata
5. M/s. A.V.M. Sales Pvt. Ltd., Kolkata
6. M/s. Ciba Speciality Chemicals (India) Ltd., Mumbai
7. M/s. Decro Paints, Hyderabad
8. M/s. Dujodwala Paper Chemicals Ltd., Raigad
9. M/s. Gargi Industries Prop. Navi Mumbai
10. M/s. Mitsu Industries Ltd., Mumbai
11. M/s. Resins & Pigments, Pithampur (MP)
12. M/s. Chemi Colour Agency, Kolkata
13. M/s. Shalimar Paints Ltd., Hawra
14. M/s. Dujodwala Paper Chemicals, Mumbai
15. M/s. Eastcorp International, Kolkata
16. M/s. Garware Polyester Ltd., Mumbai
17. M/s. H.R. Trading Co., Pvt. Ltd., Mumbai
18. M/s. Leo Chemoplast Pvt., Ltd., Mumbai
19. M/s. Samir Dye Chem. Mumbai
20. M/s. Berger Paints India Ltd., Mumbai
21. M/s. Century Inka Limited, Mumbai
22. M/s. Addison Paints & Chemicals, Chennai

23. M/s. Coates of India Ltd., Mumbai
24. M/s. Hardcastle & Waul Mafg. Co., Ltd., Mumbai
25. M/s. Goodlass Nerolac Paints Ltd., Mumbai
26. M/s. Hero Dye Chem Industries, Mumbai
27. M/s. Hindustan Inks & Resins Ltd., Mumbai
28. M/s. IVP Ltd., Thane
29. M/s. Jenson & Nicholson (I) Ltd., Kolkata
30. M/s. Paras Dyes & Chemicals, Mumbai
31. M/s. Perstorp Aegies Chemicals Pvt. Ltd., Valsad

ix) A market economy questionnaire (MET) was forwarded to all the known exporters from China PR and the Bureau of Fair Trade (BOFT), Government of China. While for the purpose of initiation the normal value in China PR was considered based on the constructed cost of production of the subject goods in China PR. The Authority inform the known exporters that it proposes to examine the claim of the applicant in the light of para 7 and para 8 of Annexure I of Anti Dumping Rules as amended. The concern exporter/producer of the subject goods from China PR were therefore requested to furnish necessary information/sufficient evidence as mentioned in sub-paragraph (3) of paragraph 8 to enable the Authority to consider whether market economy treatment be granted to cooperative exporter / producers who could demonstrate that they satisfy the criteria stipulated in the said paragraph.

x) Response/information to the questionnaire/notification was filed by the following exporters/producers

1. M/s. Sinochem Jiangsu Import & Export Corporation, China PR(hereinafter referred to as Sinochem)
2. M/s. Hubei Yihua Chemical Industry Co., Ltd., China PR(hereinafter referred to as Hubei)
3. M/s. Shanxi Sanwei Group Co., Ltd., China PR(hereinafter referred to as Shanxi)
4. M/s. Perstorp Speciality Chemicals AB, Sweden(hereinafter referred to as Perstorp)

xi) Response/information to the questionnaire/notification was filed by the following Importers/user/Associations:-

1. M/s Goodlass Nerolac Paint Ltd.

xii) The Authority notified preliminary findings vide its Notification dated the 5th August, 2005 with regard to Anti-Dumping Investigations concerning imports of Pentaerythritol originating in or exported from China PR and Sweden and requested the interested parties to make their views known in writing within forty days from the date of its publication;

- xiii) The Authority forwarded a copy of the Preliminary Findings to known interested parties, who were requested to furnish their views, if any, on the Preliminary Findings within forty days of the date of the letter;
- xiv) The Authority also forwarded a copy of the Preliminary Findings to the Embassies/ territory of the subject countries with a request to furnish their views on the Preliminary Findings;
- xv) The Authority held a public hearing on 21st September, 2005 to hear the interested parties orally, which was attended by representatives of the domestic industry and other interested parties. The parties attending the public hearing were requested to file written submissions of views expressed orally. Designated Authority in this finding has considered the written submissions thus received from interested parties.
- xvi) Arguments raised by interested parties before announcing of Preliminary Findings, which have been brought out in the Preliminary Findings notified earlier have not been repeated herein for sake of brevity. However, arguments raised by the interested parties have been appropriately dealt with in the Preliminary Findings and/or these findings;
- xvii) The Authority conducted on-the-spot verification of the domestic industry to the extent considered necessary. Additional details regarding injury were sought from the petitioner, which were also received.
- xviii) In accordance with Rule 16 of the Rules supra, the essential facts/basis considered for these findings was disclosed on 9/1/2006 to known interested parties and comments received on the same have been duly considered in these Final Findings.
- xix) The Authority kept available non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file maintained by the Authority and kept open for inspection by the interested parties as per Rule 6(7).
- xx) Cost investigations were conducted to work out optimum cost of production and cost to make and sell the subject goods in India on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) and the information furnished by the applicant so as to ascertain if anti-dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to the domestic industry.
- xxi) ****In this notification represents information furnished by an interested party on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules on merits.
- xxii) Investigation was carried out for the period starting from 1st October 2003 to 30th September 2004 (12 months) i.e. the period of investigation (POI). The examination of trends in the context of injury analysis covered the period from April 2001 - March 2002, April 2002 – March 2003 and April 2003 – March 2004 and the POI;

B. PRODUCT UNDER CONSIDERATION AND LIKE ARTICLE:**VIEWS OF THE INTERESTED PARTIES**

2. M/s Perstorp Aegis have submitted that
- a) the product being exported by them is a raw material used for production of product under consideration.
 - b) the process used by M/s Perstorp (Chemical route) results in a product of higher purity than the membrane process used by the petitioner, where additional processing is required which increases the cost as well.
 - c) for a product to be eligible for the imposition of anti-dumping duty under the provisions of the Agreement on Anti Dumping, Article 2.1 requires that the dumped product must be “introduced into the commerce of another country”. Perstorp Aegis further argued that the product under consideration is not being introduced into the commerce of India, since the raw materials that are imported from Sweden are substantially different – both in terms of commercial usage and interchangeability as well as in the qualitative and substantive difference in the articles. The product sold by Perstorp in the Indian market is substantially different from the imported raw materials since they have to be re-worked, re-packaged and processed before being sold.
 - d) Perstorp pays excise duty on the “manufacture” of the Product under Consideration.

VIEWS OF THE DOMESTIC INDUSTRY

3. The domestic industry has submitted that
- a) production process for producing different types of Pentaerythritol largely remain the same.
 - b) less than 2% production in case of petitioner results in nitration grade, whereas the production of dipenta is less than 0.5% and more than 97% production is of technical grade.
 - c) Mono Penta is not a raw material, it is a type of Penta. It would also be seen from the product literature of Perstorp, Sweden that functions and uses of Pentaerythritol-Mono and Pentaerythritol-Technical overlaps with one another. The product literatures of other leading producers of Pentaerythritol world over would also reflect the same position as is reflected by the product literatures of petitioner, Asian Paints and Perstorp, Sweden.

- d) If the product imported by Perstorp Aegis is the raw material to the product under consideration, then the interests of the company are neither going to be adversely affected, nor the company can claim itself as an interested party. The anti dumping duties would be imposed on the product under consideration and not on its raw materials.
- e) The alleged production process undertaken by Perstorp Aegis is nothing but blending & re-bagging penta of two different purities to achieve penta of desired purities, which are then sold in the Indian market.
- f) Dumping by China do not justify the claim of Perstorp Aegis that they suspended their production and resorting to imports rather they could have sought legal action against such dumping practices. However, they preferred to reduce its own production and resorting to imports from their related Company.
- g) As a result of alleged production process undertaken by Perstorp Aegis, it is only change in the form, however, the product remains the same.
- h) Perstorp has stated that Technical Penta 95% has not been imported and has also stated that Tech Penta 90% has been imported. Thus, the only difference between the resold product and imported product is that of purity. Mere difference in purity of the imported and resold product can not be described as not like product, more so when such change in purity has been achieved through blending and bagging of different purities.
- i) Both the imported product and domestic product have essentially similar physical and chemical characteristics. Further processing activities undertaken by the related importer are not substantial, hence both the products should be treated as like article.
- j) Mono penta and technical penta imported are used to produce Penta NG, therefore, Penta NG is nothing but different form of the imported product.
- k) Various accounting and statutory records of Perstorp Aegis clearly establish that Perstorp Aegis is undertaking only blending and rebagging, therefore, such blending and rebagging can not render the two products as dislike products even if the production process constitutes production within the meaning of excise Rules. SION norms for Pentaerythritol of different grades are the same.

EXAMINATION BY THE AUTHORITY

4. The product under consideration in the present application is Pentaerythritol originating in or exported from China PR and Sweden. It finds application in manufacture of Alkyd Resin, Rosin Esters, Plasticizers, Printing Inks, Synthetic Rubber, Stabilizers for Plastics, Modified drying oils, Detonators, Explosives, Pharmaceuticals, Core oils and Synthetic Lubricants. It is classified under Customs sub heading No 2905.42 under

chapter 29 of the Customs Tariff Act, 1975. The classification is, however, indicative only and is in no way binding on the scope of the present investigation.

5. It can be produced by electrolysis separation technology or fractional crystallisation technology. There is no difference, however, in the product properties produced through these two technologies. It can be of technical grade or nitration grade. The principal difference in the two grades is in purity, crystal size and uniformity of crystals. Both the grades are produced out of the same process, however, it is only a matter of gradation, after production and at the stage of analytical testing of the product. "Pentaerythritol" was derived from "erythritol" to indicate the presence of four hydroxyl groups and the prefix "Penta" to show that there are five carbon atoms in the molecule. Pentaerythritol is manufactured by the reaction of acetaldehyde and formaldehyde in aqueous phase in presence of an alkaline condensing agent. Technical specifications of the product are described in terms of appearance, content of Mono-pentaerythritol, melting point and ash content etc. Pentaerythritol having purity above 98% and better crystal formation can be used in the explosive industry and therefore, this grade has been designated as "Nitration Grade" in commercial parlance. However, Pentaerythritol considered as "Nitration Grade" can also be used for production of Alkyd Resins and other products (where the other grade "Technical Grade" Pentaerythritol is used). The domestic industry has submitted that the production process, however, largely results in production of "Technical Grade" and less than 2% production results in nitration grade whereas the production of Di-penta is less than 0.5%. Di-pentaerythritol is not the product to be considered in this investigation.

6. The applicant has submitted that product being sold by Perstorp in India is Technical Pentaerythritol 95%, which is nothing but mixture of Pentaerythritol of two different purities, i.e. Technical Pentaerythritol 88% (30%) and Pentaerythritol Mono Grade 98% (70%). They have further argued that different customers require Pentaerythritol of different purities, ingredients and melting points to suit their process requirements and the product of required parameters is being supplied to the customers by mixing the product. Pentaerythritol Technical Grade, which contains Monopentaerythritol 89% is used in the manufacture of the same products as that are manufactured from Pentaerythritol (Mono) Grade containing Monopentaerythritol 98%. The purity of Pentaerythritol (mostly defined in terms of Monopenta) and other ingredients varies depending upon the molar ratio used for manufacture of the product and other process conditions. The purity of Pentaerythritol varies from min. 92% to max. 98%. Pentaerythritol of different purity are nothing but one like product and are within the scope of the present investigations. The Perstorp has submitted that they are one of the major domestic producer of the subject goods in India and manufacturer of technical Penta 95% and imports its raw materials such as mono penta 98% and technical penta 89 – 90% from Sweden. They have also argued that all these three Penta are of different grades can not be considered as like product.

7. On examination of the submissions filed by the interested party, it is noted that the claim of Perstorp Aegis that the imported raw materials are further processed to manufacture the subject goods under investigation was not substantiated with evidence

and during the on the spot verification visit at their unit, it was found that different purities of Penta ranging from 89%-98% were supplied to the paint industry. In addition to various material provided by interested parties, the Authority relies upon verification conducted at the premises of Perstorp Aegis. It was found that the company had undertaken blending and re-bagging of Pentaerythritol of two different purities of the subject goods under consideration. It was also found that in the process of blending the imported products neither the essential product characteristics underwent a significant change nor the company employed a significant plant & equipment, investment therein, manufacturing process, and production activities. The technical literature available on the product distinguishes Pentaerythritol and Dipentaerythritol as two different products. However, sufficient evidence was not been brought by Perstorp Aegis to establish their claim that monopenta and technical penta are two different products, having different product properties, production process, functions & uses, differ significantly in terms of pricing. On the contrary, investigations revealed that the two types have essential similar product properties, produced using same production process, similar functions & uses and fall under the same customs classification. The domestic industry has placed the SION norms for Penta (all grades) which implies the various grades of Penta are one like product and it was supplementd by the response of the user industry also. The technical literature available on this subject distinguishes Pentaerythritol and Dipentaerythritol as two different products not between monopenta and technical penta and none of the interested parties produced any evidence on monopenta and technical penta as two different products. The Authority notes that Pentaerythritol can be of two grades known as technical grade (TG) or nitration grade (NG), however there is no material difference found between these two grades and both the grades are produced out of same process. During the course of verification of costing and sales information of the domestic industry it was established from their sales and excise register that Paint Industry is using different purities of Penta in their manufacturing setup. During the verification visit, the domestic industry had shown that during the production process less than 2% of entire production of Penta results into the production of nitration grade whereas more than 97% constitutes as technical grade and they are the like product within the meaning of AD Rules. On the basis of information made available before Authority, it is noted that merely changes in the purity along with name (which varies between 92%-98%), the imported product does not become different from product under consideration, i.e., Pentaerythritol. It is also noted, even though the product resold by Perstorp Aegis may be different from imported product and may have been processed before selling, the resold product remains Pentaerythritol only and no verifiable evidence was placed by Perstorp Aegis which could establish that the imported product and resold products are not like products within the meaning of the AD Rules.

8. Rule 2(d) of the AD Rules specifies that "Like Articles" means an article which is identical or alike in all respects to the product under investigation or in the absence of such an article, another article, having characteristics closely resembling those of the articles under examination. In this context of this Rules, no significant/material evidence were provided to establish the difference between the subject goods manufactured by the domestic industry and the imported product from subject countries. The subject goods produced by the applicant is found comparable to the imported product in terms of a

number of parameters which includes product properties, production process, functions & uses, pricing, customs classification. The domestic product is found commercially and technically substitutable to the imported product. On the basis of the evidence brought before the Designated Authority, the Authority holds that the goods produced by the domestic industry are like articles to the goods imported from the subject countries.

9. The Authority conducted an on-the-spot verification at the plant of M/s Perstorp Aegis in order to verify the claims of the company. It was found that the Unit-II (where the imported product is blended) at Silvassa is not in operation. The company was asked to explain in detail the production activities carried out by them and also provide information with regard to the following:-

- Production technology
- Plant & equipment installed
- Investment
- Production process
- List of raw materials consumed and details of consumption as per format A of the costing information and per unit consumption as per format B of the costing information
- Specifications of the “raw materials” consumed / the “finished product” produced
- Various functions & uses of the penta imported/ penta sold in the domestic market

10. The company did not provide full information. It was found that the production process is mere a blending of penta of two different purity which results in penta of a different purity. It could neither be established by Perstorp that the imported product and resold product was significantly different nor they could establish that the process employed by them resulted in a different product. The company was also asked to provide separate details of cost of production of the Pentaerythritol produced at two different plants. However, no such information regarding the cost of production was provided. In view of the above, it could not be established that imported Pentaerythritol and Pentaerythritol produced and sold by the company at two different units and Pentaerythritol supplied by the domestic industry are not like products.

11. The Authority notes that even though the company claimed that it is also a domestic industry, they did not provide any information with regard to injury to the domestic industry. The company could neither able to establish that the goods imported by them are not like product to the goods sold by them nor the company could establish that the goods imported by them and goods produced and sold by the domestic industry (Kanoria Chemicals) are not like products.

C. **DOMESTIC INDUSTRY**

VIEWS OF THE DOMESTIC INDUSTRY

12. The domestic industry has submitted that;
- a) There are three producers of the product under consideration, which includes the petitioner, Perstorp Aegis and Asian Paints.
 - b) Perstorp Aegis can not be considered as domestic industry on the grounds that (i) the company is itself a major importer from one of the subject countries; (ii) the company is related to the foreign producer in Sweden; (iii) the company reduced its own production and increased imports; (iv) the company sold its own production and imported product interchangeably in a mixed manner; (v) company did not provide relevant injury information to the Authority in spite of all claims of cooperation.
 - c) Production of Asian Paints to the extent of captive consumption should not be included on the grounds that (i) such captive consumption does not compete with the dumped imports in the merchant market and therefore the company is unaffected by the dumping practices to such an extent; (ii) They have not actively participated in the present investigations only because they are affected by the dumping to the extent petitioner is affected; (iii) the WTO decision on this subject does not state that captive consumption can not be excluded, it merely states that injury examination can not be restricted to one type if the “domestic industry” is having both captive and merchant market.

VIEWS OF THE INTERESTED PARTIES

13. M/s Perstorp Aegis have submitted that;
- a) Perstorp Aegis is the producer of the subject goods therefore, they may be considered as domestic industry;
 - b) Perstorp Aegis should not be excluded from being considered as domestic industry only because they are related to an exporter in the subject countries;
 - c) Perstorp Aegis has imported raw materials of the subject goods therefore, its imports can not be treated as imports of product under consideration;
 - d) The goods imported by the company do not compete with the goods supplied by the petitioner in the domestic market.

EXAMINATION BY THE AUTHORITY

14. M/s. Kanoria Chemicals and Industries Limited have filed the application, on behalf of the domestic industry. It is a multi product company and is involved in production of number of products. The applicant has not imported the subject goods during the past three years and exporting the subject goods to number of countries. The

applicant has submitted that M/s Perstorp Aegis is the producer of the subject goods, however, they are the major importer of the subject goods from Sweden and related to the sole producer/exporter in Sweden. As regards the relationship of domestic producer to the exporter/ importer has been examined in view of the following,

- a) one of them directly or indirectly controls the other; or
- b) both of them are directly or indirectly controlled by a third person; or
- c) together they directly or indirectly control a third person, subject to the condition that there are grounds for believing or suspecting that the effect of relationship is such as to cause the producers behave differently from non related producers and, finally
- d) a producer shall deemed to control another producer when the former is legally or operationally in a position to exercise or direction over latter.

15. On examination the submissions of the interested parties regarding their claim that goods imported by Perstorp Aegis are raw materials and not the subject goods under investigation, the Authority found that the goods imported by Perstorp Aegis were nothing but Pentaerythritol of various grades. The Authority further notes that Perstorp Aegis, an importer of the subject goods and related to an exporter of the subject goods, in itself is sufficient to exclude them from the constituent of the domestic industry. Therefore, the Authority considers that exclusion of the company is justified since they have imported significant quantity of subject goods from their related company and did not provide any costing or injury information for their claim of being treated as domestic industry inspite of requests made by the Designated Authority. Asian Paints is another producer, producing the product substantially for its own captive requirements. The applicant has submitted that the production of Asian Paints should be excluded since the production of Asian Paints may not compete in merchant market and they may not have experienced injury from such dumping of subject goods in Indian market. On examination of the arguments of the applicant, the Authority has found appropriate to include production of Asian Paints for determining standing of the applicant. The Authority notes that Perstorp, Sweden and Perstorp Aegis, India are related to each other in view of Rule 2(b) of AD Rules. Since Perstorp, India is a subsidiary of Perstorp, Sweden and therefore the later is in a position to control the former hence it was found appropriate to exclude as a constituent of the domestic industry. In view of the above, the Authority holds that the applicant fulfils the requisite criteria to satisfy standing and constitutes domestic industry, as required under Rule 5(a) and (b) and Rule 2(b) of AD Rules.

D. OTHER ISSUES

D.1 APPEAL AGAINST THE INITIATION

16. Perstorp Aegis had filed an appeal against the initiation of the Authority before Hon'ble Mumbai High Court challenging the anti dumping investigation on the grounds

that (a) it is not related to Perstorp, Sweden; (b) the imported product is different from the product resold in India. The Hon'ble High Court is of the view that after considering the material on record, the Authority initiated the anti-dumping investigation in respect of Pentaerythritol originating in or exported from China PR and Sweden after excluding Perstorp as a part of domestic industry. The Hon'ble Court had upheld the action of the Authority that initiation has correctly been made on the basis of information made available to the Authority and stated that it is open to the Perstorp to establish that there is no dumping of Pentaerythritol from Sweden and there is no injury caused to the domestic industry by such imports from Sweden. The Authority notes that during the course of investigation Perstorp did not provide information/evidence to establish its claims even provided sufficient time to justify their claim. Even though the company claimed that it is also a domestic industry, the company did not provide any information with regard to injury to the domestic industry. The company could neither able to establish that the goods imported by them are not like product to the goods sold by them nor the company could establish that the goods imported by them and goods produced and sold by the domestic industry (Kanoria Chemicals) are not like products.

SUBMISSIONS OF NON-CONFIDENTIAL INFORMATION

17. The domestic industry has argued that exporters have resorted to excessive use of confidentiality and the information provided by the exporters on non-confidential basis does not permit any meaningful understanding of the same. They have further stated that the exporters have filed entire submissions with complete disregard to the requirement of non-confidential version. The exporters have argued that domestic industry did not provide adequate meaningful summary of non-confidential version enabling the exporters to effectively and meaningfully defend their interest thereby violating Article 6.5.1 of the WTO Anti-dumping Agreement. Both the domestic industry and exporters have argued that the non-confidential version of their respective responses was inadequate and number of information / data were kept confidential. The arguments of the interested parties were examined and it is noted that the non-confidential responses provided by the interested parties were kept in the public file and were made available to all the interested parties. Respective interested parties kept the number of information concerning prices and costing of their submissions confidential and the Authority treated these as confidential.

E. METHODOLOGY FOR CALCULATION OF DUMPING MARGIN AND EXAMINATION OF MARKET ECONOMY

E.1. VIEWS OF THE DOMESTIC INDUSTRY

18. The views of domestic industry have been summarised below;

- i) The domestic industry submitted that China is a non market economy country and Indian Designated Authority has also treated China as a non market economy country in anti-dumping investigations. Similarly USA and European Commission have also treated China as a non-market economy country in anti-dumping investigations.

ii) In this investigation three Chinese companies have filed the response to the exporters questionnaire and MET questionnaire for their claim of market economy treatment. M/s. Shanxi, the producer and exporter of the subject goods has filed both the exporters questionnaire and the MET questionnaire. They have further argued that the parent company is having the major share holding of State owned companies. Since the major share holding is in the hands of State owned companies, the interference and involvement of the State cannot be denied, therefore the market economy treatment should not be given and the normal value may be constructed as per para 7 of Annexure I of AD Rules. The second Chinese company M/s. Hubei has also filed the exporter and MET questionnaire response and claimed market economy treatment. They have submitted that the parent company is having the share holding of State owned companies, therefore their involvement in the decision making and procurement of raw materials of supplies cannot be denied. The third company M/s. Sinochem Jiangsu Import & Export Co., an exporter of the subject goods has filed the incomplete and insufficient non-confidential submission and also did not file their claim of market economy treatment. They have also submitted that the manufacturer of the subject goods did not file the complete response to the Authority, thereby normal value cannot be determined in absence of the domestic sales price or the cost of production of the manufacturer. The domestic industry has argued that these Chinese companies are non market economy companies, therefore, their claim of MET may be rejected and normal value may be constructed as per para 7 of Annexure I of AD Rules.

E.2 EXAMINATION BY THE AUTHORITY

19. The Authority sent copies of the questionnaire to all the known exporters for the purpose of determination of normal value in accordance with Section 9A (1)(c). Responses have been received from three producer/exporters and they have claimed MET treatment on the grounds that they are operating under market economy condition irrespective of prevailing economy situation in the country without any direct or indirect State interference or influence in their business activity. Response/information to the questionnaire/notification was filed by the following exporters/producers

- i) M/s. Sinochem Jiangsu Import & Export Corporation, China PR(hereinafter referred to as Sinochem)
- ii) M/s. Hubei Yihua Chemical Industry Co., Ltd., China PR(hereinafter referred to as Hubei)
- iii) M/s. Shanxi Sanwei Group Co., Ltd., China PR(hereinafter referred to as Shanxi)

20. The Designated Authority, as per para 8(2) of Annexure I of the AD Rules for the purpose of assessing the Normal Value, proceeded with a presumption that any country that has been determined to be or has been treated as, a non-market economy country for purposes of an anti dumping investigation by the Designated Authority or by the competent authority of any WTO member country during the three years period preceding the investigation is a non-market economic country. In the past three years WTO members such as EU and USA have treated China PR as a non-market economy

country in the anti-dumping investigations. In the instant case, China PR has been considered as non-market economy Country.

21. In anti-dumping investigations concerning imports originating in China PR, normal value shall be determined in accordance with para 7 & 8 of Annexure I of the AD Rules. The Authority notes that para 7 of Annexure 1 of AD Rules provides that:

"In case of imports from non-market economy countries, normal value shall be determined on the basis of the price or constructed value in the market economy third country, or the price from such a third country to other countries, including India or where it is not possible, or on any other reasonable basis, including the price actually paid or payable in India for the like product, duly adjusted if necessary, to include a reasonable profit margin."

Further Para 8 of Annexure 1 of the AD Rules (as amended) provides that:

"8 (1) The term "non-market economy country" means any country which the designated authority determines as not operating on market principles of cost or pricing structures, so that sales of merchandise in such country do not reflect the fair value of the merchandise, in accordance with the criteria specified in sub-paragraph(3)

(2) There shall be a presumption that any country that has been determined to be, or has been treated as, a non-market economy country for purposes of an anti dumping investigation by the Designated Authority or by the competent authority of any WTO member country during the three year period preceding the investigation is a non-market economic country;

Provided, however, that the non-market economy country or the concerned firms from such country may rebut such a presumption by providing information and evidence to the designated authority that establishes that such country is not a non-market economy country on the basis of the criteria specified in sub-paragraph (3)."

22. It is noted that the responding Chinese Companies furnished information/evidence as mentioned in para 8(3) of Annexure 1 of AD Rules to enable the Designated Authority to consider the following criteria as to whether;

- a) the decision of concerned firms in such country regarding prices, costs and inputs, including raw materials, cost of technology and labour, output sales and investment, are made in response to market signals reflecting supply and demand and without significant State interference in this regard, and whether costs of major inputs substantially reflect market values;
- b) the production costs and financial situation of such firms are subject to significant distortions carried over from the former non-market economy system, in particular in relation to depreciation of assets, other write-offs, barter trade and payment via compensation of debts;

- c) such firms are subject to bankruptcy and property laws which guarantee legal certainty and stability for the operation of the firms, and
- d) the exchange rate conversions are carried out at the market rate;

23. For the purpose of ascertaining whether the responding Chinese companies could be granted market economy treatment, Authority addressed a MET questionnaire to these companies. The companies were advised to provide relevant evidence in support of their claims of MET. It was made known to the companies that the onus to establish that the companies were entitled to market economy treatment was on the respective companies and it is not for the Authority to establish existence of State interference rather it is for the companies to establish absence of State interference.

24. The Authority sought some general and certain specific information with regard to the following parameters from the responding exporters:-

- Ownership details
- Shareholding patterns
- Information on promoter/holding company/companies
- Constituents of Board of Directors, appointment of directors, their legal status and person/party being represented by them.
- Raw Material Inputs and Costs:-
 - information on major inputs required for production of the product under consideration, power, steam, water. This included information on sources of supply of these items, identity and structure of the suppliers and price at which these were supplied and information on the market value of these inputs.
 - whether the inputs were sourced against short term or long term contracts.
 - whether there was any State interference, control or intervention in respect of raw materials, inputs, utilities and costs. A clarification was called for (1) the market prices prevailing during the POI, and (2) on what basis it was established that these prices were determined by market supply and demand.
 - details of purchaser of each cost component indicating (1) quantity purchased (2) value thereof (3) source of purchase (4) details of supplier (5) length of relationship with supplier
 - it was found that a number of inputs were being captively produced by these companies. In these cases, the companies were advised to provide detailed statement showing cost of production, selling price, profit/loss and transfer price of captive consumption.
 - the companies were advised to establish how the prices of major inputs, including items of utilities substantially reflected market values.
 - the existence or otherwise any minimum wage stipulation by the State and if the enterprises are free to decide wages as per market demand.
- Production Facilities and Costs
- Loans and subsidies
- Barter Trade/ Counter Trade

- Profit Distribution
- Bankruptcy and property laws
- Exchange rates conversions

M/s. Shanxi Sanwei Group Co., Ltd., China PR

25. Shanxi argued that they are operating in market conditions and, therefore, market economy treatment should be accorded to them in view of the fact that China has been treated as a market economy by many authorities around the world but they did not provide any supporting documents to establish its claim. Shanxi claimed that they satisfy the requirements of paragraphs 7 and 8 of Annexure –1 to AD Rules for grant of market economy status. The exporter has claimed that the principal shareholders of the company are not engaged or related to the production and sales of subject goods.

26. On examination of the submissions filed by Shanxi, it was observed that substantial holding of the company is with the State owned companies. M/s. Shanxi Sanwei Hua Bang Group Co. Ltd., M/s. Shanxi Economic Construction and Investing Company and M/s. Shanxi Economic and Trading Asset Management, State owned entities are having major share holding in Shanxi. The company has admitted that they have started the process of disinvestments of State owned share to the public from June 1997 but substantial holdings are still with the State owned companies during the POI. In other words, it was conceded that substantial shareholding remained with the State even during the investigation period and the process of disinvestments was being carried out during the investigation period. On the basis of above information, even after the alleged process of disinvestments, possibilities of State interference cannot be ruled out, particularly when the investigations are carried out not only against instances of actual past State interference but also possibilities of such interference in future.

27. As regards the directors in the company it is observed that majority of the directors are appointed from the State owned companies which holds the majority shares, therefore, any kind of State involvement in decision making in the company can not be denied. Since Chief executives in the company are also from State owned companies therefore, the significant interferences of State owned companies in the day to day control over the operation of the company can not be ruled out. M/s. Shanxi Sanwei Hua Bang Group Co., Ltd., is a State owned company which is having the majority shares of State owned assets supervision and administration commission of Shanxi province, thereby the influence or significant interference on their part cannot be denied on the part of claim made by the Chinese company. The exporter, vide response to the verification report, has merely reiterated its earlier submissions and have not provided any evidences etc. in support of their claim. The cost of production /sales of Penta as per company's records were seen from January 2004 to December 2004 and not December 2005 as erroneously reported in the verification report.

28. Regarding the decision of concerned firms in such country regarding prices, costs and inputs, including raw materials cost of technology and labour, output sales and investment, are made in response to market signals reflecting supply and demand and

without significant State interference in this regard, and whether costs of major inputs substantially reflect market values, Shanxi could not establish that the cost and pricing structures are market oriented. The company could not demonstrate that prices of major inputs were reflective of market values, particularly when majority of inputs and utilities are drawn from State owned/controlled enterprises.

M/s. Hubei Yihua Chemical Industry Co., Ltd., China PR

29. Hubei is a joint stock company incorporated and existed under the laws of People's Republic of China. They have claimed that they are operating in market conditions and, therefore, market economy treatment should be accorded to them in view of the fact that China has been treated as a market economy by many authorities around the world. They have submitted that they satisfy the requirements of paragraphs 7 and 8 of Annexure –1 to the AD Rules for grant of market economy status and requested for determination of normal value as per para 1-6 of Annex-I of AD Rules. On examination of the submissions filed by the Chinese company it was observed that substantial holding of the company is with the State owned companies. Two of the major share holders of the company are State Owned Chinese companies and they are holding the position of the Chairman, Vice-Chairman and many directors in the Board of directors of the company. It is also observed that the majority of the directors in the Board of directors are related to holding share holder companies which are State owned. It is also noted from the Article of Association that the general body meeting is empowered to elect and remove directors. Since the major share holders in this company are from State owned companies, possibilities of significant State interference in the decision making and in day to day activities can not be ruled out. It is also observed that the Chairman of this company acts as the Chairman of holding share holder State owned company, therefore major decision making and significant interference of State can not be denied.

30. It was noted in the preliminary findings that the names of suppliers of major raw materials and their business licences were not provided to demonstrate whether the procurement of raw materials was being made on the market driven prices and whether the costs of inputs substantially reflect market values. Subsequent to the preliminary findings, the company provided detailed information with regard to major items of inputs, including utilities. On comments to the disclosure statement M/s. Hubei has submitted that they are eligible for market economy treatment and based on the information of the company normal value may be determined on the domestic selling price in their home market. On examination of the information and on the spot verification conducted by the Authority it was found that coal is the major raw material for producing the subject goods and the price of coal may not reflect market value in view of the fact that coal is listed under the following under Accession Treaty of China,

- a) Provision of low-price inputs for special industrial sectors
- b) Subsidies provided to certain state-owned enterprises which are running at a loss
- c) Products subject to state trading (export), and

- d) Subsidies from central budget provided to certain state-owned enterprises which are running at a loss

31. The Chinese company has themselves claimed that the electricity has been supplied by a State owned entity. Electricity and Caustic Soda (a major input in production of Pentaerythritol) have a very significant cost in production of the subject goods. The company could not establish that prices of electricity were reflective of fair market value and more so when the company purchases electricity from State owned enterprise which appeared grossly on the lower side. Steam is a major item of utility in production of Pentaerythritol. It was found that the company was captively producing steam and the cost of steam was grossly on the lower side. The cost of sodium formate has been considered from the cost statement of methanoic acid and reduced from the cost of production of the subject goods. Production cost statements in respect of methanoic acid and caustic soda do not include any costs on account of financial/interest expenses and SGA. Methanoic acid cost statement includes no costs on account of direct labor, whereas caustic soda cost statement reflects unreasonably low cost on account of direct labor. The cost of production in respect of captively consumed inputs remained incomplete in so far as selling price and profit/loss is concerned and therefore the Authority could not verify whether the transfer price is representative of the price at which the company has sold these inputs. Acetaldehyde, another major input in production of Pentaerythritol was procured from State owned enterprise. Comparison of the price of Acetaldehyde claimed by the company with the other information available with the Authority showed that the price claimed by the company is significantly low. It was found that the cost of formaldehyde production cost statement did not show all expenses and also did not provide the selling price. The company did not provide any justification regarding its claim that cost of production was representative of the fair market value. It is found that the claimed cost of production was significantly below the price reported by the domestic industry. Comparison of average production value with the cost of production statement showed significant differences. Information provided by the company itself showed that there was significant difference between the captive cost of production (at which the inputs were transferred) and the price at which these inputs were purchased from the market.

32. It is noted that the company is managed by the share holders of the State owned entity therefore any involvement of the State in the social security programme in respect of employees of the companies can not be ruled out. It may be argued that the substantial costs are being incurred on account of State undertaking massive social security programme towards the employees of erstwhile State owned companies. It is noted the erstwhile State owned Chinese companies are now acquired the status of limited liability companies even though they continue to be under State control, directly or indirectly. The company has claimed that it has proceeded in the disinvestments process of the State owned share to the general public in a phased manner and claimed that the share of the State owned companies need not be considered for their claim of market economy treatment. On the basis of their submission it was found that the share holding percentage of the State owned companies has declined during the POI, however direct or

indirect interference or involvement of the State in the decision making of the management and procurement of raw material and supplies of the company which is directly related with the costs and prices of the product can not be denied. The majority of the directors are from the State owned companies and the Chief executives who have the major decision making powers are from the State owned companies.

33. It was noted in the preliminary findings that their parent company M/s. Hubei Yihua Group Ltd., Liability Company, State owned enterprises provided short term loan and long term loan to the company under investigation. M/s. Yichang Finance Bureau also provided a interest free long term loan to the company. The land has been given on lease by the parent State owned company M/s. Hubei Yihua Group Ltd., Liability Company, State owned enterprises and they have not provided the land lease amounts rentals for its claim of independent functioning without any significant interference of the State. The company did not provide any evidence refuting these averments in the preliminary findings.

34. Regarding the decision of concerned firms in such country regarding prices, costs and inputs, including raw materials cost of technology and labour, output sales and investment, are made in response to market signals reflecting supply and demand and without significant State interference in this regard, and whether costs of major inputs substantially reflect market values, it is noted that the company could not demonstrate that possibilities of State interference was ruled out, nor could the company demonstrate that the prices of major inputs, including utilities (which form a very significant part in production of the product concerned) substantially reflect market values.

M/s. Sinochem Jiangsu Import & Export Corporation, China PR

35. Sinochem Jiangsu Import & Export Corporation, China PR (exporter) filed grossly incomplete information. Further, the producer of the subject goods concerned did not file any response to the prescribed questionnaires. Sinochem did not provide information with regard to cost of production and the domestic selling prices in the home market for determination of normal value. No information was filed as regards the claim of market economy treatment. The exporter was advised to file complete information and a detailed deficiency letter was sent to them. In its reply to the queries raised, the exporter stated that since the producer of the subject goods has not provided the information required for the investigation, the relevant information could not be supplied. The responding exporter who is exporting the subject goods manufactured by M/s. Yuan Tian Hua Group has not filed the response which is required to be filed as per the details provided in the questionnaire. The exporter has claimed the market economy treatment but not filed the MET questionnaire response to the Authority for its claim.

36. Subsequent to the preliminary findings, no communication was received from the exporter and did not participate in the public hearing proceedings. In view of non-submission of complete documents and lack of sufficient cooperation, the Authority neither examined their claim for market economy treatment nor the response to the

questionnaire filed by the exporter could be used for the purpose of determination of normal value and dumping margin.

37. In view of the examination of the responses filed by the Chinese companies, it is noted that the Chinese companies could not provide sufficient evidence in support of their claim of MET. It is further noted that it could not be established that the costs and prices reflected the correct price of the product. Investigations conducted by the Authority, including on the spot verification of information/data filed by the exporters and other information shown at the time of spot verification could not also establish that the companies could be granted market economy treatment and normal value determined based on their responses. The Authority is, therefore, unable to apply the principles set out in paragraphs 1 to 6 of Annexure-I for determination of normal value for these Chinese companies. The normal value in respect of all exporters / producers from China PR is determined as per rules relating to non-market economies as contained in Para 7 of Annexure-1 of AD Rules.

38. With regard to consideration of prices available in a market economy third country for determination of normal value, it is noted that applicant has not provided evidence of price or constructed value in a market economy third country. Prices from a market economy third country to other countries were also not made available and it is noted that prices from market economy third country to India could not be adopted for the reasons that (a) price adjustments to determine ex-factory prices were not available, (b) no information was available with regard to cost of production in these countries and therefore the Authority can not determine whether these prices are in the ordinary course of trade. While disputing the claim of the domestic industry to treat Chinese producers as non-market economy for determination of normal value, the Chinese producers, or importers or any other interested party did not provide any evidence either with regard to price or constructed value in a market economy third country. Under these circumstances, it was found appropriate to determine normal value considering price actually paid or payable in India for the like product, duly adjusted, to include a reasonable profit margin. Price actually paid in India could not have been considered for the reason that the same were below cost of production. Therefore, the Authority found it appropriate to consider cost of production in India, duly adjusted, to reflect international raw material prices, optimum conversion costs, selling, general & administrative expenses and reasonable profit.

39. In view of the aforesaid and the fact that the respondent companies did not provide sufficient evidence to substantiate their claim for MET, a determination of normal value as per provisions contained in Section 9A (1) (c) (I) and sub-rule 2 (i) and (ii) of Annexure-I of the Anti-Dumping Rules cannot be made. The Authority is, therefore, unable to apply the principles set out in paragraphs 1 to 6 and is constrained to proceed as per Rule 7 and 8 of the Anti-Dumping Rules as amended. The normal value has therefore been determined on a reasonable basis considering also the price actually paid or payable in India for the like product duly adjusted to include a reasonable profit margin. The Authority has considered the raw materials for manufacturing Pentaerythritol at the international price, the consumption norms of the domestic industry

(which were compared and correlated with the consumption claimed by the Chinese exporters), estimates of conversion costs, selling, general & administrative expenses and reasonable profit for constructing the normal value for all exporters/producers of China PR. The normal value is therefore, constructed as US\$****/MT.

EXPORT PRICE

40. Shanxi has provided invoice wise details of exports of subject goods to India during the period of investigation. They have exported 517.50 MT of Pentaerythritol during the POI and it has been considered for determination of export price. In their comments to the disclosure statement, they have suggested some minor correction in the export price which has been carried out based on the verified data. In order to arrive at the ex factory export price the company has claimed adjustments on account of inland freight, which was verified and found appropriate. The Authority has arrived at ex-factory export price of Pentaerythritol exported to India during the period of investigation. The Authority has determined the ex-factory export price as US\$ ****/MT.

41. Hubei has provided invoice wise details of exports of subject goods to India during the period of investigation. They have exported 723.50MT of Pentaerythritol during the POI, which has been considered for determination of export price. In order to arrive at the ex factory export price the company has claimed adjustments on account of inland freight, handling, ocean freight and overseas insurance, which was verified and found appropriate. The Authority has determined the ex-factory export price as US\$ ****/MT.

OTHER EXPORTERS/PRODUCERS FROM CHINA PR

NORMAL VALUE

42. The Authority has constructed the normal value as per para 7 of Annexure-I of AD Rules for all other exporters/producers from China PR as raw materials at the international price, the consumption norms of the industry and reasonable profit. In view of this the normal value is, therefore, constructed as US\$MT****/MT.

EXPORT PRICE

43. The export price is determined on the basis of import statistics made available by DGCI&S for other exporters/producers from China PR. To arrive at ex-factory export price, adjustments have been considered as best information available with the Authority. The ex-factory export price is determined as US\$****/MT for all other exporters/producers from China PR.

SWEDEN**NORMAL VALUE**

44. M/s. Perstorp Speciality Chemicals AB, Sweden has filed the three page response without giving any information or data with regards to exporters questionnaire as devised by the Authority. They have provided the list of corporate office, India office and provided list of subsidiaries and related companies. They have neither provided any information regarding domestic selling price in their home market nor the cost of production for the subject goods. In absence of any information with regards to normal value the Authority considers that it is not feasible to determine normal value in respect of the exporter based on their own information to determine individual dumping margin. The Authority therefore considers that it is not feasible to determine individual dumping margin in respect of Perstorp and has constructed the normal value for all exporters/producers from Sweden based on best facts available as per Rule 6(8) of AD Rules. In view of this, the normal value has been constructed for all exporters/producers from Sweden based on international raw material prices, consumption norms of the industry, estimates of conversion costs, selling, general & administrative expenses and reasonable profit margin. In view of this the normal value is, therefore, constructed as US\$ ****/MT.

EXPORT PRICE

45. The exporter did not file any information regarding the exports of subject goods into India during the POI. In absence of any reply to the exporters questionnaire the Authority is constrained to rely on import statistics made available by DGCI&S. The data made available by DGCI&S has been considered for determination of export price and it has been reported the imports of 2639 MT during the POI. To arrive at ex-factory export price the Authority considered the adjustments claimed by the domestic industry for the purpose of preliminary determination. The ex-factory export price is determined as US\$ ****/MT for all exporters/producers from Sweden.

DUMPING- MARGIN

46. Based on the normal value and export price as determined above, the Authority assessed the dumping margin as under:

Exporter/Producer	Normal Value (US\$/MT)	Export Price (US\$/MT)	Dumping margin as % of Export Price
M/s. Shanxi Sanwei Group Co., Ltd., China PR	****	****	50.95%
M/s. Hubei Yihua Chemical Industry	****	****	42.7%

Co., Ltd., China PR			
Other exporters/producers from ChinaPR	****	****	80%
All exporters/producers from Sweden	****	****	56.3%

F. METHODOLOGY FOR INJURY DETERMINATION AND EXAMINATION OF CAUSAL LINK

F.1 VIEWS OF THE DOMESTIC INDUSTRY

47. The domestic industry has submitted that

- i) they were earlier suffering injury from dumped imports from Canada, Japan and Taiwan. The domestic industry had filed an application for imposition of anti-dumping duty from these sources in September, 2001 and the interim duties were notified by the Ministry of Finance on 27th March, 2002. In view of the above, the period 2000-01 and 2001-02 may not be considered as base year for injury analysis, as this was the period when the industry was suffering dumping from different sources and the Authority already has information on record by virtue of previous case,
- ii) the captive production of Asian Paints may be taken for the injury assessment since the company sells some material in the market also. The demand has been assessed on the basis of sales of domestic industry and other producers and the total imports into the country.
- iii) the volume of imports from China has been determined based on the responses of two cooperative exporters which is higher than the reported import figures by DGCI&S but the export volumes of the non cooperative exporter have not been considered.
- iv) imports from subject countries have increased in absolute terms and were significant during the POI. The share of dumped imports from the subject countries increased in relation to demand/consumption and production of the domestic industry.
- v) the export prices from the subject countries have declined during the entire injury period. Production and capacity utilization increased during the POI, however, sales volume declined during the POI.
- vi) selling price of the domestic industry increased from 2000-01 to 2003-04 but declined during the POI. The anti-dumping duty imposed on imports from other sources on 27th March, 2002 enabled the domestic industry to realize a better selling price.

Selling price however declined in the POI due to dumped imports from new sources which is being investigated.

vii) the market share of the domestic industry has declined due to dumped imports from subject countries.

viii) Profitability has improved upto 2002-03 and started declining thereafter to such an extent that the domestic industry suffered financial losses during the POI.

ix) the import price from subject countries was undercutting the domestic sales price significantly.

x) the cash flow during the Period of investigation is negative.

xi) the productivity of the company has improved during the POI, inspite of which the domestic industry was facing financial losses.

F.2 VIEWS OF THE EXPORTER / IMPORTER

48. M/s. Perstorp Aegis has submitted that

i) it has not been disclosed by the Designated Authority whether the indicated capacity of the Petitioner's plant is dedicated to the subject goods and whether the same can be/ has been used for manufacturing other products.

ii) while the installed capacity of the Petitioner has remained constant, the production and production has gone up from 5081 MT during 2000-2001 to 6316 MT during 2003-2004.

iii) the capacity utilization of the Petitioner has also substantially grown from 85 in the year 2001-2002 to 105 during the period of investigation as per indexed figures.

iv) the domestic sales have recorded lower sales during the Period of investigation as compared to the previous years. It is to be verified whether any losses being passed from the operations of other goods being produced by the Petitioner.

49. The views of other exporters/importer have been summarised below;

- It is submitted that the decline in the market shares of the domestic industry is very marginal during the period of investigation. In fact the information submitted by the petitioner does not show any surge in imports or a decline in the market share of the domestic industry.
- The petitioner operated at a capacity utilization of 106% during the POI.
- The sales of the petitioners have been increasing, including in the year 2003-2004.
- The production of the petitioner has gone upto to 6316 MT. The stocks available with the company at the end of the period of investigation are quite low.

- The losses incurred by the petitioner are on account of its high cost of production and its inability to compete in local or international markets.
- The petitioner appears to have unduly high cost of production due to which it is claiming under cutting.
- The productivity of the petitioner appears to have been at its highest in the year 2002-2003, declined in the subsequent year and again increased during the period of investigation.
- The cash flow position of the petitioner is positive and does not reflect any injury. The return of investment appears to be healthy and does not reflect any injury.
- M/s. Shanxi Sanwei has submitted that a detailed examination of the captive market was required to be made. The non-injurious price should be determined keeping in view the cost of production of Asian paints also.
- M/s. Hubei has submitted that the domestic industry has not suffered any injury due to alleged dumping by them during the POI. They have also submitted that the domestic industry is suffering injury due to dumping from Sweden.
- M/s. Hubei has also argued that the domestic industry has shown improvement in production, capacity utilization, sales and many other factors and at the same time loss may be shown due to other products manufactured by the domestic industry.

F.3 EXAMINATION BY THE AUTHORITY

Cumulative assessment of injury:

50. As per annexure-II (iii) of AD Rules, in cases where imports of a product from more than one country are being simultaneously subjected to Anti-dumping investigation, the Authority is required to cumulatively assess effect of such imports, only when it determines that (a) the margin of dumping established in relation to imports from each country is more than 2% expressed as percentage of export price and the volume of the imports from each country is 3% of the total imports of like article and (b) cumulative assessment of the effect of imports is appropriate in light of the conditions of competition between the imported article and the like domestic product. It is noted that the margin of dumping in respect of subject countries is more than 2%. The volume of imports from these subject countries collectively are more than 85% of total imports and individually more than 3% of the total imports.

51. On examination of information, it is found that the prices of the subject goods coming from subject countries are almost comparable and do not vary significantly. These have been imported under the same tariff classification. The user industry for the imported product and the domestic product are the same. Imported product and domestically produced subject goods are interchangeable which has been observed from the responses of the importer and users and these goods compete in the same market. Dumping margin and volume of imports from both the countries are more than de minimus. The exporters from the subject countries and the domestic producers have sold the same product in the same periods to customers in the same market segment. The Authority has, therefore, found it appropriate to cumulatively assess the effect of imports

of the subject goods on the domestically produced like article in the light of conditions of competition between the imported products and the conditions of competition between the imported products and domestic like product. It is appropriate to examine cumulatively the effect of injury by imports of subject goods from subject countries on the domestic industry in this investigation.

52. The principles for determination of injury set out in Annexure-II of the Anti-Dumping Rules lay down,

"A determination of injury shall involve an objective examination of both (a) the volume of dumped imports and the effect of the dumped imports on prices in the domestic market for like article and (b) the consequent impact of these imports on domestic producers of such products."

As regards the impact of the dumped imports on the domestic industry para (iv) of Annexure-II of the Anti Dumping Rules states:

"The examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry concerned, shall include an evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the Industry, including natural and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on investments or utilisation of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of margin of dumping actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment wages growth, ability to raise capital investments."

Volume and market share in dumped imports

53. The interested parties have argued that the import volumes have been considered from different sources and the evidence of which has not been disclosed. The arguments of the interested parties have been examined and it is noted that DGCI&S transaction wise import data and information from co-operative exporters have been considered for the purpose of determination of volume of imports. In view of the above, volume of dumped imports from the subject countries and other countries have been as under:-

Imports (MT)	2001-02	2002-03	2003-04	POI
China	56	72	1494	2034
Sweden	636	259	1145	2639
Subject countries	692	331	2639	4673
Countries having AD duty	553	432	699	639
Other countries	806	771	462	192
Total imports	2051	1534	3800	5504
Imports (%)				
China	2.73	4.66	39.31	36.96

Sweden	31.01	16.88	30.13	47.94
Subject countries	33.74	21.54	69.45	84.90
Other countries	66.26	78.46	30.55	15.10
Total imports	100	100	100	100

54. It is noted that the volume of dumped imports of subject goods from subject countries has increased from 692 MT during 2001-2002 to 4673 MT during the POI. The share of imports from China has increased from 2.73% during 2000-2001 to 36.96% during POI, whereas the share imports from Sweden has increased from 31.01% to 47.94% during the same period. Cumulatively, the share of imports from the subject countries in total imports has increased from 34% to 84.90%.

Market share in demand

55. The domestic consumption/demand of the subject goods has been determined on the basis of domestic sales of the Indian industry and total imports of the subject goods into India. The demand of the subject goods including captive consumption has increased from 16030 MT during 2001-02 to 18227 MT during the POI whereas the demand of the subject goods excluding captive consumption has also increased from 13739 MT to 15287 MT during the same period. It is noted that demand has increased by 14% during the POI whereas dumped imports from subject countries have increased by 50% during the same period.

Demand including captive (MT)	2001-02	2002-03	2003-04	POI
Total imports	2051	1534	3800	5505
Sales (domestic industry)	5062	5328	5344	4907
Sales (Other producers)	8917	9870	8496	7815
Total demand	16030	16732	17640	18227
Demand excluding captive (MT)				
Total imports	2051	1534	3799	5505
Sales (domestic industry)	5062	5328	5344	4907
Sales (Other producers)	6626	7248	5531	4875
Total demand	13739	14110	14675	15287

56. The market share of dumped imports in demand including captive from subject countries has increased from 4.32% during 2001-02 to 25.64% during the POI whereas

the market share of domestic industry has decreased from 31.58% to 26.92% during the same period. Similarly the market share of dumped imports in demand excluding captive from subject countries has increased from 5.04% during 2001-02 to 30.57% during the POI whereas the market share of the domestic industry has decreased from 36.84% to 32.10% during the same period. It is noted that with the decline in sales volumes in the investigation period and increase in demand over the period, the market share of the domestic industry declined.

Demand including captive (%)	2001-02	2002-03	2003-04	POI
Subject countries	4.32	1.98	14.96	25.64
Other countries	8.48	7.19	6.58	4.56
domestic industry	31.58	31.84	30.30	26.92
Other producers	55.63	58.99	48.16	42.88
Total demand	100	100	100	100
Demand excluding captive (%)				
Subject countries	5.04	2.34	17.98	30.57
Other countries	9.89	8.53	7.91	5.44
domestic industry	36.84	37.76	36.42	32.10
Other producers	48.23	51.37	37.69	31.89
Total demand	100	100	100	100

Market share of dumped imports in production to the domestic industry

57. It is observed that the dumped imports from subject countries have increased in relation to the production of the domestic industry through out the investigation period, except declined during 2002-03 since anti-dumping duty was in place on dumped imports from other sources. It is noted that the share of dumped imports from the subject countries has increased to the quantum of production by the domestic industry during the POI, which may seen from the following table;

(MT)	2001-02	2002-03	2003-04	POI
China	56	71	1493	2034
Sweden	636	259	1145	2639
Subject countries	692	330	2638	4673
Production of domestic industry	*****	*****	*****	*****
Dumped 14		5	44	73

Imports in relations to production (%)				
--	--	--	--	--

Capacity, production & Capacity utilisation

58. The production of the domestic industry has increased in the increasing demand of the subject goods under consideration. The production has increased from 100 to 124 during the POI in the increased demand from 100 to 114 during the same period. The capacity utilisation of the domestic industry has also increased from 85% during 2001-02 to 105% during the POI.

	2001-02	2002-03	2003-04	POI
Capacity (MT)	6000	6000	6000	6000
Indexed	100	100	100	100
Production (MT)	****	****	****	****
Indexed	100	120	117	124
Capacity utilisation (%)	85	102	100	105

Growth

59. It has been observed that there is a growth in production, capacity utilization and demand both including and excluding captive consumption. However, it is noted that the market share of the domestic industry has declined during the POI and the return on capital employed has become negative during the same period, when the market share of the dumped imports has increased both in absolute terms and in total demand.

Evaluation of price over the period under consideration

60. The CIF export price from China has decreased by 87% during the POI from 2002-03. This decline in CIF price during the POI has impacted the volume of subject goods of domestic industry, which constitutes 37% of the total imports and roughly 12% market share in the total demand. The CIF export price from Sweden has decreased by 23% during the POI from 2002-03 and this decline in the price during the POI has impacted the volume of subject goods of domestic industry which constitutes 48% of the total imports and roughly 14.5% market share in the total demand.

Price undercutting

61. A comparison of the domestic selling price of the subject goods was made with the landed value of imported product to understand the phenomenon of undercutting. The net sales realisation was arrived after making adjustments regarding all rebates and taxes. The landed value of the subject goods was compared with net sales realization of the domestic industry and it was found that the landed value is undercutting the selling

price of the domestic industry significantly. The undercutting for cooperative exporter were also examined and found that the landed value of the dumped imports is undercutting the selling prices of the domestic industry. The undercutting margin from China was within a range of 12% to 30% during the POI. The undercutting margin from Sweden was within a range of 20% to 25% during the POI.

Price Underselling

62. Price underselling is an important indicator of assessment of injury. Non injurious price has been worked out and compared the same with the landed value of the subject goods to arrive at the extent of price underselling. The non-injurious price has been evaluated for the domestic producers by appropriately considering the cost of production for the product under consideration during the POI. In order to eliminate inefficiencies, capacity utilisation has been normated. The analysis shows that the landed value of subject goods from subject countries is much below the non-injurious price determined for the domestic industry during the period of investigation. The underselling margin was within a range of 18% to 28% from China and 22% to 30% from Sweden during the POI.

Sales

63. The sales of the domestic industry in volume terms have increased during 2002-03 and 2003-04 compared to the base year, however it has declined during the POI in the increasing demand of the subject goods. The export sales of the domestic industry have increased during the injury period however, the domestic sales of the domestic industry have declined during the POI. The demand has increased from 100 during 2001-02 to 114 during the POI whereas the domestic sales volume of the domestic industry has declined from 100 to 97 during the same period. It is seen that sales volumes of the domestic industry increased between 2001-02 and 2003-04 and declined thereafter during the POI even though the production of the domestic industry increased over the injury period, sales volumes declined.

(MT)	2001-02	2002-03	2003-04	POI
Sales(Domestic)	****	****	****	****
<i>Indexed</i>	100	105	106	97
Sales(Exports)	****	****	****	****
<i>Indexed</i>	100	45	135	231
Total Sales	****	****	****	****
<i>Indexed</i>	100	99	108	110
Demand	16030	16732	17640	18227
<i>Indexed</i>	100	104	110	114

Factors affecting domestic prices

64. It is noted that the costs to make and sell of subject goods have increased from 100 during 2001-02 to 114 during the POI whereas selling prices of the domestic industry

has increased from 100 to 111 during the same period. It is noted there is no exterior factor which could have affected the domestic prices rather it is dumped imports which has suppressed the domestic selling price of the domestic industry. The Authority notes that the increase in the cost of production was due to increase in the prices of critical inputs.

65. Perstorp Aegis has argued that the goods imported by them do not directly compete with the goods offered the domestic industry, however the investigations revealed that the company blends Pentaerythritol of different purities and repacks the same and competes in the domestic market. Perstorp Aegis did not provide any information with regard to its resale price, processing cost which could have assisted the investigation to arrive at the impact of dumped imports on the prices in the domestic market.

Magnitude of margin of dumping

66. The magnitude of dumping margin from each of the subject countries is significant as worked out in the dumping examination. These margins established are clearly above dimimis as defined in para iii(a) of the annexure II to rule 11 of the Anti dumping rules.

2003-04 (POI)	China	Sweden
Dumping Margin	42% to 80%	56%

Evidence of lost contracts

67. The domestic industry has claimed that they have lost contracts due to dumped imports from subject countries. The argument was examined and the authority could not find any evidence with regards to injury on account of loss contracts. Hence, the authority could not conclude any findings with regard with injury to the domestic industry on account of this parameter.

Inventory

68. The total sales volume of the domestic industry has increased during 2002-03 and 2003-04 but declined during the POI. It has been observed that the inventory of the domestic industry has decreased during the POI in absolute numbers. It is also found that in terms of months' sales quantity, the inventory has decreased during the POI as compared to the base year. In view of this it is noted that the domestic industry has not been injured on account of this parameter.

	Unit	2001-02	2002-03	2003-04	POI
Quantity	MT	****	****	****	****
Inventory as month's sales	%	0.80	0.81	1.18	0.12
Indexed		100	101	148	15

Return on capital employed and ability to raise capital

69. The return on capital employed for domestic industry has improved during 2002-03 and 2003-04 due to anti dumping duty from other source, however it has deteriorated and went in negative during the POI. It is observed that the industry which was having negative return on capital employed during 2001-2002, after consolidating and improving its profit during 2002-03 2003-04 and once again went into negative growth on return during the POI due to dumped imports from subject countries.

	2001-02	2002-03	2003-04	Period of investigation
Profit before interest (Rs. Lacs)	****	****	****	****
Indexed	-100	774	585	-10
Capital Employed(Rs.Lacs)	****	****	****	****
Indexed	100	114	142	139
Return on Capital Employed considering NFA (%)	-4.15	28.13	17.14	-0.30

Profit/Loss

70. The profitability of the domestic industry has declined while the production has increased during the POI in the increased demand. The cost of production has increased from 100 during 2001-2002 to 114 during the POI due to the increase in raw material prices whereas the selling price did not increase in that proportion during the same period. It is observed that the cost of production has increased whereas the selling price of the product has declined in the same period and because of this reason the industry which recovered from a loss during a base year to a reasonable profit upto 2003-04, again went in loss during the POI. Even when the domestic industry optimized its production to the maximum extent, its profitability deteriorated from a situation of profits during 2003-04 to a situation of financial losses. It is noted that the profitability of the domestic industry improved during 2002-03 and 2003-04 due to antidumping duty was in place since March,2002 against dumped imports from Taiwan, Canada and Japan.

Rs/Kg	2001-02	2002-03	2003-04	POI
Selling price	****	****	****	****
Indexed	100	116	123	111
Cost of production	****	****	****	****
Indexed	100	99	108	114
Profit / loss	****	****	****	****
Indexed	100	174	138	-150

71. The trend of profit/loss inter-se investigation period by comparing the same on quarterly basis was also examined. It is noted that the profits of the domestic industry continuously declined within the investigation period.

Employment

72. The employment level of the domestic industry has improved during the POI and sales volume per employee has also improved during the POI. The volume of sales per employee has also increased from 2001-02 to 2003-04 but declined during the POI. It is noted that the domestic industry is a multi product company therefore employment levels of the company per sale may not be a conclusive indicator of injury to the domestic industry. It is noted that change in level of employment has not caused any injury to the domestic industry.

Employees	Unit	2001-02	2002-03	2003-04	POI
No. of employees	Nos.	****	****	****	****
Volumes and sales per employee	MT	****	****	****	****
Indexed		100	104	110	102

Productivity

73. Productivity of the domestic industry, as reflected in terms of production per employee, has improved during 2002-03 and again deteriorated during the POI. The productivity per employee has improved from 100 during 2001-02 to 119 during 2003-04 but deteriorated during the POI. It cannot, therefore, be said that the domestic industry has suffered injury due to decline in productivity.

Productivity	Unit	2001-02	2002-03	2003-04	POI
No. of employees	Nos.	****	****	****	****
Production	MT	****	****	****	****
Productivity per employee	MT	****	****	****	****
Indexed		100	125	119	114

Wages & Salary

74. The Wages and salary per employee of the domestic industry has increased during the period of investigation. It has increased from 100 during 2000-2001 to 135 during the POI whereas wages per unit of production has also increased from 100 during 2001-02 to 109 during the POI. It is noted that the domestic industry has not been injured on account of this parameter.

Wages & Salary	2001-02	2002-03	2003-04	POI
Rs. lacs/annum	****	****	****	****
Indexed	100	110	128	135
Wages per unit of production (Rs./Kg.)	****	****	****	****
Indexed	100	91	109	109

Cash Flow

75. The domestic industry is a multi product company involved in production of other products also. Cash flow of domestic industry is reflective of operations relating to company as a whole. However, the performance of the domestic industry in terms of cash profit in relation to product under consideration was examined. It is noted that decline in the selling prices of the domestic industry in the investigation period and increase in the input costs in the cost of production has resulted in cash losses to the domestic industry once again in the investigation period. On examination of the cash profit of the domestic industry it was observed that the cash profit of the company has improved during the 2002-03 when anti-dumping duty was levied on dumped imports from other sources, however it deteriorated due to dumped imports from China PR and Sweden and became negative during the period of investigation. The cash profits of the domestic industry in relation to the product under consideration have been given below.

	2001-02	2002-03	2003-04	POI
Cash profits(Rs./Lacs)	****	****	****	***
Index	-100	433	360	-6
Cash flow(Rs./Lacs)	****	****	****	***
Index	-100	179	197	-23

Ability to raise capital/investment

76. It is noted that the applicant is a multi product company and ability to raise investment may not be an indicator of impact of dumping on the domestic industry.

F.4 Conclusions on Injury

77. On examination of injury parameters, the following conclusions are made with regards to injury suffered by the domestic industry;

- a) The profitability of the domestic industry has deteriorated during the POI. The return on capital employed and cash profits have also deteriorated during the POI after a improvement during 2002-03 and 2003-04 due to dumped imports from subject countries;

- b) Imports from the subject countries have increased significantly in absolute terms as also relative to production and consumption in India;
- c) Dumped imports are significantly undercutting the selling prices of the domestic industry;
- d) Domestic industry was facing price suppression during the investigation period as dumped imports were preventing price increases necessitated as a result of increase in input prices;
- e) Sales volumes, market share, productivity, profitability, return on capital employed and cash flow deteriorated over the injury period, after improving upto 2002-03;
- f) Even though production, capacity utilization, inventories, employment, wages show positive trend, the deterioration in other parameters is more significant than improvement in these parameters.
- g) It is thus concluded that the domestic industry has suffered material injury.

G. Causal Link And Other Factors

(a) Effect of dumped imports

78. The share of dumped imports from subject countries have increased significantly by 53% during 2001-02 and the POI. It is noted that the market share of dumped imports in total demand has increased significantly over the injury period, as a direct consequence of which market share of the domestic industry has declined. Sales volumes of the domestic industry have also declined in spite of about 14% increase in demand during the POI. It was found that even when the production of the domestic industry kept increasing, the sales volumes declined during the investigation period to such an extent that the same were below the base year.

79. In examining the price effect whether the dumped imports have significantly undercut the price of the like product in India, it is noted that the landed value of the subject goods from subject countries was lower than the selling price of the domestic industry thereby undercuts the selling price of the domestic industry significantly. Moreover, undercutting to the domestic prices did not show the full impact of the dumped imports since the domestic prices were suppressed due to low landed value. It is found that the price undercutting and the pricing behavior of landed value of imports has forced the domestic industry to reduce the prices even less than the cost of production, resulting in financial losses to the domestic industry. The domestic industry could not increase the selling price as a result of increase in the cost of production due to dumped imports and suffered financial losses during the POI. The undercutting along with price suppression in effect eroded the profitability of the domestic industry. As a consequence

of the significant price undercutting, the domestic industry was forced to reduce its prices whereas the prices should have increased as a result of increase in input costs. As a consequent impact of the decline in the domestic selling prices, the profitability, return on capital employed and cash flow of the domestic industry deteriorated after showing an improvement with the imposition of measures on other countries. The domestic industry has suffered material injury due to dumped imports of subject goods from subject countries during the POI.

EFFECT OF OTHER FACTORS

(a) Performance of Other Domestic producers:

80. There are two other domestic producers of the subject goods apart from the applicant. M/s. Asian Paints, one of the producer of the subject goods consumes a significant part of its production. M/s. Perstorp Aegis, the other Indian Producer, gradually reduced its production and increasingly resorted to import of the subject goods from Sweden, blending of the same in India and selling in Indian market. Perstorp Aegis claimed that they were forced to reduce the production of the subject goods and resorted to imports due to dumping from China. None of the other Indian Producers has provided information relevant to injury assessment. Even though submissions were made by Perstorp Aegis on various aspect of the investigation, it is noted that the company did not provide any information with regard to injury suffered by them. Under the circumstances, the impact of any injury suffered by these Indian Producers could not be assessed.

(b) Trade restrictive practice and competition between the foreign and domestic producers

81. The Authority did not find any trade restrictive practices followed by the Indian producers and other competing industries. As regards the Domestic Industry's inability to fill the gap between the domestic demand and their own production, it may be observed that the imposition of anti-dumping duties does not amount to any kind of restriction on suppliers and producers for supplying the subject goods in the domestic market, which could have contributed to the injury to the domestic industry.

(c) Contraction of demand or Changes in the pattern of consumption

82. It is noted that there is no contraction in the overall demand during the period under consideration. On the contrary, the overall demand has increased by 14% during the POI. The demand of the subject goods has increased during the POI in both the situation including captive and excluding captive consumption, therefore, the possible decline in demand is not a factor which could have caused injury to the domestic industry. There is no argument by interested parties regarding the change in the pattern of consumption, therefore it has not been impacted any injury to the domestic industry.

(d) **Volume and Prices of imports not sold at the dumped prices**

83. It is noted that the imports from countries other than subject countries are below the de minimis limits except imports from Taiwan which is attracting anti dumping duty since March, 2002. According to the available information, the total import volumes of subject goods originating in countries other than subject countries decreased by 53% and their market share in demand has came down from 8.48% during 2001-02 to 4.34% during the POI. Therefore, it is noted that import from non-subject countries has not contributed any injury to the domestic industry.

(e) **Developments in Technology, Export performance and productivity of the Domestic Industry**

84. None of the interested parties has raised any issue regarding the technology being a factor of injury to the domestic industry. Further, the investigation has not revealed that technology for production of the subject goods has undergone any significant change. Therefore, it is considered that possible developments in technology do not appear to be a cause of injury to the domestic industry. In view of this, it is noted that the technology used by the domestic industry is also used by the foreign producers of the subject countries, therefore, could not be a cause of injury to the domestic industry.

85. The Domestic Industry has exported the subject goods during the POI as well as during previous years. It is noted that the export performance of the domestic industry has improved due to improvement in production and capacity utilization. The profitability of the domestic and exports sales have been segregated for the purpose of the injury examination. Therefore, injury, if any caused due to exports has not been attributed to the performance of the domestic industry in the domestic market.

86. Productivity of the domestic industry declined over the injury period. However it is noted that the performance of the domestic industry shows deterioration even if the productivity is assumed at most optimum level achieved. The productivity per se could not be the cause of injury to the domestic industry.

H. INDIAN INDUSTRY'S INTEREST & OTHER ISSUES

87. It is noted that the purpose of anti-dumping duties, in general, is to eliminate injury caused to the domestic industry by the unfair trade practices of dumping so as to re-establish a situation of open and fair competition.

88. The Authority also recognizes that though the imposition of anti-dumping duties might affect the price levels of the products manufactured using the subject goods and consequently might have some influence on relative competitiveness of these products, however, fair competition in the Indian market will not be reduced by these anti-dumping measures. On the contrary, imposition of anti-dumping measures would remove the unfair advantages gained by the dumping practices and would prevent the decline of the

domestic industry and would help in maintaining availability of wider choice of the subject goods to the consumers.

I. LANDED VALUE

89. The landed value of imports for the purpose shall be the assessable value as determined by the customs under Customs Tariff Act, 1962 and applicable level of custom duties except duties levied under Section 3, 3A, 8B, 9, 9A of the Customs Tariff Act, 1975.

J. CONCLUSIONS:

90. The Authority has, after considering the foregoing, come to the conclusion that:

- i) Subject goods originating in or exported from subject countries have been exported to India below its normal value.
- ii) The domestic industry has suffered material injury.
- iii) The injury has been caused to the domestic industry by dumped imports of subject goods originating in or exported from the subject countries.
- iv) The applicant domestic industry has in comments to the disclosure statement has submitted that anti dumping duties may be levied in terms of fixed amount since the cost and prices of the subject goods has varied significantly within the injury period and increased compared to the prevailing cost and prices during the POI and at the same time dumping is still continuing beyond the post POI. They have also argued that the raw material prices have increased globally over the injury period therefore, imposition of duty on reference price basis will not able to address the injury to the domestic industry. It may also be noted that in the investigations relating to Canada, Japan and Taiwan on the same product, the anti dumping duty was imposed on the fixed amount and the deviation at this stage is not desirable. One of the exporter M/s. Hubei has submitted that since the volume and price of each of the exporters from the subject countries is substantially different it will not be fair for the Authority to recommend any determinative anti-dumping duty on the basis of a NIP guided uniform reference price. They have further submitted that uniform anti-dumping duty is not fair generally to cooperating exporters and rewards non-cooperation and extend the benefit of lower margin to the non-cooperating exporters. On examination of the arguments made by the interested parties, the Authority felt it appropriate to consider and recommend the duty on the fixed amount based on the lower of the margins determined in this investigation.
- v) The Authority thus considers necessary to recommend final anti-dumping duty on imports of subject goods falling under Chapter 29 of Customs Tariff Act originating in or exported from the subject countries.

vi) The Authority proposes to recommend the amount of anti dumping duty not exceeding the margin of dumping or the margin of injury whichever is less and, which if levied, would remove the injury to the domestic industry. For the purpose of determining injury, the landed value of imports is compared with the non injurious selling price of the applicant company determined for the period of investigation.

vii) Accordingly, the Authority recommends that the final anti dumping duties be imposed from the date of issue of notification by the Central Government on all imports of Pentaerythritol falling under chapter 29 of Custom Tariff Classification Act 1975, originating in or exported from China PR and Sweden. The anti dumping duty shall be the amount mentioned in Column No. 9 of the following table to be imposed from the date of notification to be issued in this regard by the Central Government on all imports of subject goods falling under Chapter 29 of Customs Tariff Act, originating in or exported from the countries mentioned below,

Sl. No	Sub- heading	Description of goods	Specification	Country of origin	Country of Export	Producer	Exporter	Amount	Unit of Measurement	Currency
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)	(11)
2.	2905	Pentaerythritol	Any	China	China	M/s. Shanxi,China	M/s. Shanxi,China	440.73	MT	US\$
3.	2905	Pentaerythritol	Any	China	China	M/s. Shanxi,China	Any exporter	440.73	MT	US\$
4.	2905	Pentaerythritol	Any	China	China	Any producer	M/s. Shanxi,China	440.73	MT	US\$
5.	2905	Pentaerythritol	Any	China	China	M/s. Hubei,China	M/s. Hubei,China	387.87	MT	US\$
6.	2905	Pentaerythritol	Any	China	China	M/s. Hubei,China	Any exporter	387.87	MT	US\$
7.	2905	Pentaerythritol	Any	China	China	Any producer	M/s. Hubei,China	387.87	MT	US\$
8.	2905	Pentaerythritol	Any	China	China	Any producer	Any exporter	554.95	MT	US\$
9.	2905	Pentaerythritol	Any	Sweden	Sweden	Any producer	Any exporter	449.83	MT	US\$

vii) An appeal against this order shall lie before the Customs, Excise and Service Tax Appellate Tribunal in accordance with the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 and Customs Tariff Rules, 1995.

CHRISTY FERNANDEZ, Designated Authority